जबलपुर मंगलवार 13 अक्टूबर 2026 > अश्विन शुक्ल पक्ष, तृतीया

वर्ष 32 अंक 106 मूल्य₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

अब हर रोज दर्पण ⏩ 3

मौसम
अधिकतम तापमान 30.7°C
न्यूनतम तापमान 20.3 °C
सूर्योदय - 6.06 | सूर्यास्त - 5.47

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

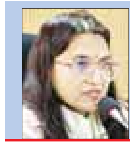

दीपावली पर गौकाष्ठ से निर्मित दीपों को प्रोत्साहित... ⏩ 4

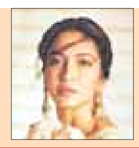

नवरात्रि के दूसरे दिन सफेद परिधान में ... ⏩ 7

दुर्गा पंडालों से बाधित न हों आवागमन ... ⏩ 9

नवरात्र का तीसरा दिन

एसआईआर पर राहुल गांधी ने छेड़ी कानूनी जंग

सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में विपक्ष ने दायर की याचिका

10 पार्टियों के 11 नेता याचिकाकर्ता

नाम	पार्टी
राहुल गांधी	कांग्रेस
मल्लिकार्जुन खड़गे	कांग्रेस
सौगत राय	तृणमूल कांग्रेस
अखिलेश यादव	समाजवादी पार्टी
तेजस्वी प्रसाद यादव	राष्ट्रीय जनता दल
संजय राउत	शिवसेना यूबीटी
डी. राजा	भाकपा
एम. ए. बेबी	भाकपा (एम)
महुआ माझी	झामुमो
सुप्रिया सुले	राकांपा (एसपी)
ई.टी. मोहम्मद बशीर	इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग

नई दिल्ली

राहुल गांधी और इंडिया ब्लॉक के नेताओं ने सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। इस याचिका में राहुल गांधी मुख्य याचिकाकर्ता हैं। वहीं उनके साथ अन्य नेताओं का नाम भी शामिल है। सीजेआई सूर्यकांत द्वारा उनसे मिलने से इनकार करने और कोर्ट में याचिका दायर करने के लिए कहने के कुछ घंटों बाद, इंडिया गठबंधन के सुप्रीम कोर्ट तक मार्च के दौरान हजारों कांग्रेस समर्थकों ने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी का साथ दिया। भारी भीड़ के चलते राहुल गांधी समय सीमा से पहले सुप्रीम कोर्ट नहीं पहुंच पाए, इसलिए वकील एस. प्रसन्ना ने उनकी याचिका दायर की है। राहुल गांधी को 4.30 बजे तक सुप्रीम कोर्ट पहुंचना था। विपक्ष की ओर से दायर की गई याचिका में राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, सौगत रॉय, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव, संजय राउत, एम. ए. बेबी, डी. राजा, महुआ माझी, सुप्रिया सुले और ई. टी. मोहम्मद बशीर याचिकाकर्ता हैं। इस याचिका में मुख्य याचिकाकर्ता राहुल गांधी है। बता दें कि विपक्ष ने रविवार को मार्च के बाद सीजेआई सूर्यकांत से मिलने के लिए समय मांगा था। लेकिन सीजेआई ने विपक्षी नेताओं से मिलने से इनकार कर दिया था। सीजेआई ने विपक्ष से याचिका दाखिल करने के लिए कहा था। सोमवार को सीजेआई सूर्यकांत ने विपक्षी नेताओं से मिलने से इनकार करने पर कहा, मुझे कल बैठक के अनुरोध के संबंध में एक पत्र मिला था, और मैंने कल रात ही उसका जवाब दे दिया था, जिसमें उन कारणों का उल्लेख किया गया था जिनकी वजह से मैं मिल नहीं पाऊंगा। उन्होंने कहा, सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे सभी के लिए खुले हैं। किसी भी आम नागरिक या निर्वाचित निकाय के सदस्य की किसी भी याचिका का स्वागत है। हर भारतीय नागरिक को अदालत जाने का अधिकार है, और हम उनकी चिंताओं को सुनेंगे और कानून के तहत जो भी उचित होगा, वह करेंगे।

विपक्षी नेताओं ने निकाला मार्च

याचिका दायर करने से पहले राहुल गांधी और इंडिया ब्लॉक के नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट तक मार्च निकाला। इस मार्च को प्रियंका गांधी और राहुल गांधी ने लीड किया। इस मार्च में नेताओं के अलावा बड़ी संख्या में छात्र संगठन और वकील भी शामिल हुए। मार्च से पहले राहुल गांधी ने इसे शिव की बारात बताया था। और कहा था कि ज्यादा से ज्यादा लोग इस मार्च में शामिल हों। विपक्ष के मार्च में शामिल होने पहुंचे सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, देश तभी बचेगा जब बीजेपी को हटाया जाएगा।

ट्रक पर सवार होकर आगे बढ़े

राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और इंडिया गठबंधन के अन्य नेता बस में सवार होकर कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में इकट्ठा हुए और सुप्रीम कोर्ट तक मार्च शुरू करने के लिए आगे बढ़े। विपक्षी नेता एक ट्रक पर सवार होकर भी आगे बढ़े। ट्रक पर राहुल के साथ राजद नेता तेजस्वी यादव, अखिलेश यादव, तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी, दीपेंद्र हुड्डा और अन्य नेता भी रहे। इस दौरान बड़ी संख्या में उनके समर्थक मौजूद रहे। इस मार्च में बड़ी संख्या में समर्थक मौजूद रहे।

6 राज्यों को मिले नये राज्यपाल

नई दिल्ली। राष्ट्रपति दौपदी मुर्मु ने सोमवार को 6 राज्यों के राज्यपालों की नियुक्ति की घोषणा की। राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, ओम प्रकाश माथुर को केरलम, सुधा यादव को कर्नाटक, ब्रज मोहन राम को ओडिशा, दुष्यंत गौतम को सिक्किम, राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर को तमिलनाडु और मध्य प्रदेश के बालाघाट से लोकसभा के पूर्व सांसद ढाल सिंह बिसेन को उत्तराखंड का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। वह सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह की जगह लेंगे। इन नियुक्तियों से जुड़े आदेश संबंधित राज्यपालों के अपने-अपने पदों का कार्यभार संभालने की तारीख से प्रभावी होंगे। राष्ट्रपति भवन की विज्ञप्ति में हरि बाबू कंभमपति, थावरचंद गहलोत और गुरमीत सिंह के लिए किसी नई जिम्मेदारी की घोषणा नहीं की गई है।

पुंछ में बॉर्डर के पास धमाका, 4 आतंकियों की मौत

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा के पास घुसपैठ की कोशिश के दौरान बारूदी सुरंग में विस्फोट होने से लश्कर-ए-तैयबा के एक शीर्ष कमांडर समेत चार आतंकियों के मारे जाने की खबर है। चारों आतंकियों की पहचान मोहम्मद इश्तियाक, मोहम्मद फैजान, मोहम्मद वकास और मोहम्मद असीम के रूप में हुई है। आतंकियों का यह समूह सोमवार दोपहर बाद कृष्णा घाटी सेक्टर के नंगी टकरी इलाके में घुसपैठ की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान वे बारूदी सुरंगों वाले क्षेत्र में पहुंच गए, जिससे जोरदार विस्फोट हुआ। विस्फोट में चारों आतंकियों की मौके पर ही मौत हो गई।

कम प्रदूषण वाले तरीकों से त्योहार मनाएं: सुको

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर रोक लगाने की मांग पर सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि लोगों के स्वास्थ्य और धार्मिक भावनाओं के बीच संतुलन जरूरी है। सीजेआई सूर्यकांत की बेंच ने लोगों से कम प्रदूषण वाले तरीकों से त्योहार मनाने की अपील की। सुनवाई के दौरान एमिकस क्यूरी वरिष्ठ वकील अपराजिता सिंह ने कहा, अगर भगवानों को पता चले कि उनके नाम पर बच्चे पीड़ित हो रहे हैं और बीमार पड़ रहे हैं, तो वे भी हैरान रह जाएंगे। अगली सुनवाई 15 अक्टूबर को होगी।

सीजेपी का दिल्ली पुलिस को 24 घंटे का अल्टीमेटम

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी ने दिल्ली पुलिस को 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। उसने कहा कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की तारीख नहीं मिली तो फिर आंदोलन करेंगे। सीजेपी के सह-संयोजक आशुतोष रांका और सौरव दास सोमवार को प्रदर्शन की अनुमति मांगने पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन पहुंचे थे। इसी बीच, सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके ने आरोप लगाया कि दिल्ली पुलिस ने हिरासत का वीडियो एडिट करके जारी किया है। उन्होंने कहा- हिम्मत है तो पूरा वीडियो दिखाओ।

दिल्ली में धरना-प्रदर्शन के लिए 3 स्थल तय

नई दिल्ली (वार्ता)। राष्ट्रीय राजधानी में विरोध-प्रदर्शन के लिए लंबे समय से इस्तेमाल होने वाला जंतर-मंतर अब धरना और प्रदर्शन के लिए निर्धारित स्थल नहीं रहेगा। केंद्रीय गृह मंत्रालय की एक समिति की सिफारिशों के आधार पर दिल्ली में प्रदर्शनकारियों के लिए तीन नये स्थान रामलीला मैदान, बुराड़ी मैदान और पूर्वी दिल्ली के सीबीडी ग्राउंड चिह्नित किये गये हैं। दिल्ली के पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार द्वारा जारी स्थायी आदेश के अनुसार, जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थल के रूप में अब डी-नोटिफाई कर दिया गया है।

मानवाधिकार आयोग की असली कसौटी आखिरी व्यक्ति तक न्याय पहुंचाना: सीजेआई

नई दिल्ली (वार्ता)

उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा है कि मानवाधिकार आयोग की असली कसौटी केवल मामलों का निपटारा करना नहीं, बल्कि समाज के सबसे कमजोर व्यक्ति तक न्याय और उसके अधिकारों की पहुंच सुनिश्चित करना है। संविधान हर नागरिक को सम्मान, समानता, स्वतंत्रता और न्याय का भरोसा देता है और इन अधिकारों की रक्षा जमीन पर होनी चाहिए। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने सोमवार को यहां राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के 33वें स्थापना दिवस कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कहा कि आयोग उन लोगों की आवाज बन सकता है, जिनके लिए अदालत तक पहुंचना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि हिरासत में यातना और मौत, बंधुआ मजदूरी तथा वंचित समुदायों के अधिकारों से जुड़े मामलों में आयोग की भूमिका अहम है। उन्होंने कहा कि अधिकारों के उल्लंघन की पहचान के साथ पीड़ितों को राहत देना और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकना भी जरूरी है। मुख्य न्यायाधीश ने स्वच्छ पेयजल को सम्मानजनक जीवन का जरूरी हिस्सा बताते हुए कहा कि केवल नल का कनेक्शन देना पर्याप्त नहीं है। पानी साफ, सुरक्षित और जरूरत के समय उपलब्ध होना चाहिए। दूषित पानी जीवन और स्वास्थ्य के लिए खतरा है। जल स्रोतों को बचाना आने वाली पीढ़ियों के प्रति भी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि राज्य मानवाधिकार आयोग स्थानीय स्तर पर शिकायतें सुनने और पीड़ितों तक पहुंचने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। स्वास्थ्य, भोजन, आवास, रोजगार और स्वच्छ पर्यावरण जैसे अधिकार भी सम्मानजनक जीवन से जुड़े हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने 33 वर्षों में 24 लाख से अधिक मामले दर्ज किए और 23 लाख से ज्यादा का निपटारा किया है। उन्होंने आयोग के मोबाइल ऐप और रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण की पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे लोगों को शिकायत दर्ज करने, उसकी स्थिति जानने और जानकारी हासिल करने में आसानी होगी।

कैंसर की दवाओं पर ट्रेड मार्जिन 30% तक सीमित

सुप्रीम कोर्ट ने पूछा- दूसरी दवाओं की कीमत पर रोक क्यों नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कैंसर की दवाओं पर ट्रेड मार्जिन 30 प्रतिशत तक सीमित करने के केंद्र के फैसले पर सवाल उठाए। कोर्ट ने कहा कि सरकार के जवाब में खुश होने जैसा कुछ नहीं है। कोर्ट ने पूछा कि जब कैंसर की दवाओं पर मार्जिन तय किया जा सकता है, तो दूसरी दवाओं पर ऐसा क्यों नहीं किया जा सकता? केंद्र ने बताया कि इस फैसले से मरीजों को सालाना करीब 2,500 करोड़ रुपए की बचत होने की उम्मीद है। कोर्ट ने दवाओं की कीमत तय करने के तरीके पर जानकारी देने के लिए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता को 27 अक्टूबर तक का समय दिया। सरकार के फार्मास्यूटिकल्स विभाग की 2025-26 की वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक, 2024-25 में भारत में कैंसर-रोधी दवाओं की सालाना बिक्री 5,281 करोड़ रुपए रही। 2021-22 में यह 3,382 करोड़ रुपए थी। यानी तीन साल में बिक्री करीब 56 प्रतिशत बढ़ी। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी पेश हुए। बेंच ने कहा, हम मानते हैं कि परिवहन, कच्चे माल, रिसर्च एंड डेवलपमेंट और दूसरी लागत होती हैं।

अग्निवीरों को सीधी भर्ती में रिजर्वेशन के आदेश जारी

आबकारी, वन, जेल और गृह विभाग में 20 प्रतिशत आरक्षण

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मोहन कैबिनेट के फैसले के बाद वर्दीधारी पदों में अग्निवीरों को 20 प्रतिशत आरक्षण देने के आदेश सामान्य प्रशासन विभाग ने जारी कर इसका कड़ाई से पालन करने के लिए कहा है। जीएडी ने कहा है कि अग्निवीर को आरक्षण दिए जाने के लिए विभागीय नियमों में परिवर्तन की कार्यवाही संबंधित विभाग द्वारा की जाएगी। जीएडी ने यह भी कहा है कि यदि अग्निवीर श्रेणी में पर्याप्त पात्र उम्मीदवार उपलब्ध न हों तो अग्निवीर के लिए आरक्षित रिक्त पदों को प्रचलित भर्ती नियमों के अनुसार अन्य पात्र उम्मीदवारों से मेरिट के आधार पर भरा जाए। सामान्य प्रशासन विभाग ने कहा है कि अग्निवीरों की नियुक्ति में आरक्षण दिए जाने के संबंध में राज्य शासन ने निर्णय लिया है कि प्रदेश में वर्दीधारी सेवाओं में अग्निवीरों की नियुक्ति में आरक्षण दिया जाएगा। गृह विभाग के अंतर्गत आरक्षक सामान्य ड्यूटी में होमगार्ड को 10 प्रतिशत, भूतपूर्व सैनिक को 5 प्रतिशत, अग्निवीर को 20 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। इसी तरह गृह विभाग के अंतर्गत आरक्षक एसएएफ में होमगार्ड को 10 प्रतिशत भूतपूर्व सैनिक को 5 प्रतिशत और अग्निवीर को 20 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। जीएडी ने निर्देश में कहा है कि जेल विभाग के अंतर्गत जेल प्रहरी में होमगार्ड को 15 प्रतिशत, भूतपूर्व सैनिक को पांच प्रतिशत और अग्निवीर को 20 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। दूसरी ओर वन विभाग के अंतर्गत वन रक्षक भर्ती में होमगार्ड को 15 प्रतिशत, भूतपूर्व सैनिक को 5 प्रतिशत और अग्निवीर को 20 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। वाणिज्यिक कर विभाग में आबकारी आरक्षक भर्ती में होमगार्ड को 10 प्रतिशत, भूतपूर्व सैनिक को 5 प्रतिशत और अग्निवीर को 20 प्रतिशत आरक्षण होरिजेंटल दिया जाएगा।

अब वर्ष में दो बार होंगी राज्य लोक सेवा आयोग की परीक्षाएं

वर्ष 2047 तक आत्मनिर्भर भारत और विकसित मध्यप्रदेश के निर्माण में सरकार की प्रतिबद्धता का संकल्प पारित

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की विशेष बैठक मंत्रालय में सम्पन्न हुई। सुशासन, विकास एवं राष्ट्र-कल्याण को समर्पित देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के गौरवशाली, ऐतिहासिक एवं असाधारण 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर प्रदेश की साढ़े आठ करोड़ से अधिक जनता की ओर से मंत्रि-परिषद ने कृतज्ञतापूर्वक अभिनन्दन करते हुए संकल्प पारित किया। मंत्रि-परिषद ने वर्ष 2047 तक आत्मनिर्भर भारत और विकसित मध्यप्रदेश के निर्माण के महायज्ञ में, प्रधानमंत्री के ओजस्वी नेतृत्व में कंधे से कंधा और कदम से कदम मिलाकर चलने के लिए मध्यप्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता का संकल्प सर्वसम्मति से पारित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रि-परिषद की विशेष बैठक में पारित संकल्प के बारे में मीडिया को जानकारी दी। इस अवसर पर उप-मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ल भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने लोक सेवा के 25 वर्षों में अनथक एवं अहर्निश पुरुषार्थ के बल पर केवल संकल्प ही नहीं लिए बल्कि उन्हें सिद्ध करके भी दिखाया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में बुनियादी ढांचे के विस्तार, आधुनिक अधोसंरचना के निर्माण, डिजिटल क्रांति, विनिर्माण क्षमता को गति देने तथा देश के गरीबों, वंचितों, महिलाओं, युवाओं और किसानों के सर्वांगीण सशक्तिकरण से हर नागरिक के जीवन में जो सकारात्मक बदलाव आया है, वह अविस्मरणीय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 'वी विल डू इट' का मंत्र देकर एक बार फिर देश की सामूहिक शक्ति को जागृत किया है। संकल्प में युवाओं के हित में उल्लेख किया गया है कि मध्यप्रदेश में अब वर्ष में दो बार राज्य लोक सेवा आयोग की परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी, जिससे भर्ती प्रक्रिया अधिक समयबद्ध और पारदर्शी बनेगी। इसके साथ ही राज्य में हवाई कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करते हुए नवीन हवाई अड्डों एवं नवीन हवाई पट्टियों का निर्माण किया गया है, जिसने पर्यटन, व्यापार और क्षेत्रीय आवागमन को नई गति दी है। वहीं, राज्य में लागू किए गए नवीन श्रम कानूनों से उद्योगों को अनेक सौगातें मिली हैं, जिससे प्रदेश में निवेश-अनुकूल वातावरण तैयार हुआ है और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' के साथ स्थानीय रोजगार सृजन को बड़ा प्रोत्साहन मिला है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी 'देश के दिल' में बसे हैं। लोक सेवाओं के नित नये प्रतिमान रचने वाले प्रधानमंत्री हम सबके प्रेरणा स्त्रोत हैं।

मंत्रि-परिषद के संकल्प के प्रमुख बिंदु

मंत्रि-परिषद द्वारा लिए गए संकल्प में उल्लेख किया गया कि 80 करोड़ से अधिक नागरिकों को निःशुल्क खाद्यान्न दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री जन-धन, प्रधानमंत्री मुद्रा, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, आयुष्मान भारत, स्वामित्व, पीएम स्वनिधि और उज्ज्वला योजना को अंत्योदय को सार्थक करने वाली योजनाएं बताया गया है। संकल्प में नोटबंदी, जीएसटी, तीन तलाक कानून, तीन नई न्याय संहिताएं और जन-विश्वास अधिनियम का उल्लेख है। योजना आयोग के स्थान पर नीति आयोग का गठन, प्रगति मंच पर परियोजनाओं की समीक्षा, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और पीएम गति शक्ति भी इसमें शामिल हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने फॉर्म-6 पर कहा

न मंजूर किया ना ही खारिज किया

नई दिल्ली। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान इस्तेमाल हुए नए फॉर्म-6 को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को स्थिति स्पष्ट कर दी है। कोर्ट ने कहा कि उसने नए फॉर्म-6 पर कोई न्यायिक फैसला नहीं दिया है। इससे फॉर्म-6 को सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी मिलने के दावे पर सवाल खड़े हो गए हैं। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच बिहार एसआईआर से जुड़ी याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि चुनाव आयोग ने फॉर्म-6 को सुप्रीम कोर्ट से मंजूरी मिलने की बात कही है। इस पर जस्टिस बागची ने कहा, नए फॉर्म-6 पर कोई न्यायिक फैसला नहीं हुआ है। बिहार एसआईआर मामले की सुनवाई के समय नए फॉर्म-6 का मुद्दा अदालत के सामने था ही नहीं। इससे पहले 5 अक्टूबर को भी सुप्रीम कोर्ट ने एक अलग याचिका पर सुनवाई के दौरान स्पष्ट किया था कि उसने एसआईआर में इस्तेमाल हो रहे फॉर्म-6 में किसी बदलाव को मंजूरी नहीं दी है। जस्टिस बागची ने कहा कि नए फॉर्म 6 पर कोई फैसला नहीं हुआ है। मंजूरी मिली है या नहीं, जब बिहार पर फैसला हुआ था, तब नया फॉर्म 6 कोर्ट के सामने नहीं था। वहीं सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि कृपया न्यूज आइटम के लिए शब्दों को चुन-चुनकर इस्तेमाल न करें।

स्वतंत्र मत
जबलपुर
मंगलवार 13 अक्टूबर 2026

जय बजरंग दुर्गा उत्सव समिति, पुष्पक नगर आधारताल

मनोकामना महाकाली, रांझी

श्री शारदा नव युवक मंडल, गोरखपुर

फोटो : अनिल तिवारी

श्री शारदा दुर्गा उत्सव समिति, शारदा चौक

चारों राजकुमारों के विवाह में गूंजे मंगलगीत मंथरा-कैकई संवाद ने दर्शकों को किया भावविभोर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

श्री रामलीला समिति गढ़ा जबालीपुरम के सिद्ध मंच पर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के विवाहोत्सव की भव्य लीला का मंचन किया गया। भगवान शिव के धनुष भंग होने के पश्चात महाराज जनक ने चक्रवर्ती सम्राट दशरथ को बारात सहित जनकपुरी आमंत्रित किया। वैदिक रीति-रिवाजों और हर्षोल्लास के बीच भगवान श्रीराम का माता सीता से, भरत का मांडवी से, लक्ष्मण का उर्मिला से तथा शत्रुघ्न का श्रुतिकीर्ति से विवाह संपन्न हुआ। चारों राजकुमारों के विवाह प्रसंग ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। विवाहोत्सव के अंतर्गत आयोजित पांव पखराई लेखराज सिंह 'मुन्ना भैया', स्थायी सदस्य सीताराम दुबे, डॉ. अखिलेश गुमास्ता, पार्षद प्रिया संजय तिवारी, पूजा श्रीराम पटेल एवं मंडल अध्यक्ष प्रणय गुप्ता सहित बड़ी

संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर भगवान श्रीराम एवं माता सीता का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर श्रीमती पूजा सतीश कोष्टा ने शक्ति के अभिनयकर्ताओं को अंग वस्त्र प्रदान किए।

कुंअर कलेवा और प्रसाद वितरण बना आकर्षण

विवाहोत्सव में कुंअर कलेवा एवं प्रसाद की विशेष व्यवस्था की गई। भजिया, जलेबी, गुजिया, दूध, खीर, फल, मिठाई एवं नमकीन सहित विभिन्न पकवानों की व्यवस्था डॉ. नीना भूपेंद्र उपाध्याय, नरेंद्र तिवारी एवं अरुण चौबे द्वारा की गई। इस अवसर पर समिति के संचालक अशोक मनोध्याय, अध्यक्ष एवं निर्देशक राजेश मिश्रा, महामंत्री एडवोकेट अरुण दीक्षित, लोकराम कोरी, रमाशंकर कटारे, राजेंद्र प्यासी, शरद दुबे कुररिया आदि उपस्थित रहे।

गंगाजल से पखारे प्रभु श्रीराम के पैर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। गोविंदगंज रामलीला में बीती रात मंचित केवट प्रसंग की लीला में बनारस से आए गंगाजल से प्रभु श्रीराम, माताजानकी और अनुज लक्ष्मण के पाँव पखारे गए। केटव की निश्छलता की सजीव प्रस्तुति सराही गई। मंच से प्रस्तुत संवादों और भजनों ने समां बांध दिया। केवट के साथ निषाद मिलन की लीला और फिर दशरथ मरण की लीला भी द्रवित कर गई।केवट ने जब भगवान को गंगा पार कराई तो दर्शक मंत्रमुग्ध हो सुध-बुध खो बैठे। मंच में नाव का संचालन दर्शनीय बन गया। शानदार संगीत, बढ़िया तकनीक और सुंदर अभिनय के कारण ये दृश्य यादगार बन गया। केवट का अभिनय पवन पांडे ने जीवंत कर दिया। वहीं निषाद के रूप में शंकर शर्मा, श्रीराम के रूप में ओम दुबे और दशरथ के रूप में अतुल पांडे, लक्ष्मण के रूप में मानस पांडे, सुमंत प्रवीण तिवारी ने अभिनय किया।अध्यक्ष पं. अनिल तिवारी ने बताया कि मंगलवार को रामलीला मंच पर भरत आगमन-चित्रकूट सभा की लीला मंचित की जाएगी।

सड़क, बिजली कटौती की समस्या से परेशान किसान कांग्रेस ने किया जमकर प्रदर्शन

शाहपुरा में विविध मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जिला किसान कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों ने क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर 12 अक्टूबर को संबंधित अधिकारी के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में सड़क, आवागमन, राजस्व विभाग तथा बिजली से जुड़ी समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए शीघ्र समाधान की मांग की गई। जिला किसान कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष परसलाल अहिरवार के नेतृत्व में तैयार किए गए ज्ञापन में क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं की ओर प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराया गया। ज्ञापन में क्षेत्र की सड़कों एवं आवागमन से संबंधित समस्याओं का निराकरण कराने की मांग की गई। साथ ही रेलवे फाटक के पास अंडरब्रिज निर्माण कराने की मांग उठाई गई, ताकि लोगों को आवागमन में सुविधा मिल सके और अनावश्यक परेशानी से राहत मिले। इसके अलावा क्षेत्र में

संचालित विकास कार्यों तथा संबंधित व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने की मांग की गई। ज्ञापन में राजस्व विभाग से जुड़े नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन एवं नाम सुधार जैसे कार्यों को शीघ्रता से पूरा कराने की आवश्यकता बताई गई, जिससे किसानों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

ट्रांसफार्मर बदलने की मांग

किसान कांग्रेस ने बिजली की अघोषित कटौती बंद कराने तथा जले हुए ट्रांसफार्मर एवं बिजली लाइनों को बदलने की मांग भी रखी। संगठन का कहना है कि इन समस्याओं के कारण किसानों और आम नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसलिए संबंधित विभागों को प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करनी चाहिए। ज्ञापन के माध्यम से जिला किसान कांग्रेस कमेटी ने प्रशासन से मांग की कि क्षेत्र की जनसमस्याओं का गंभीरता से संज्ञान लेकर उनका शीघ्र निराकरण किया जाए। संगठन ने उम्मीद जताई कि संबंधित अधिकारी समस्याओं पर ध्यान देते हुए आवश्यक कदम उठाएंगे।

इस दौरान जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष परसलाल अहवासी, भेडाघाट नगर परिषद अध्यक्ष चतुर सिंह, पिछड़ा वर्ग अध्यक्ष नेत राम पटैल, कांग्रेस सेवादल राजेंद्र बन्धु, सोनु दुबे आदि उपस्थित रहे ।

सामाजिक समरसता का पावन माध्यम है नर्मदा परिक्रमा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

कार्तिक मास की पावन वैकुण्ठ चतुर्दशी के अवसर पर आयोजित होने वाली श्री नर्मदा परिक्रमा की तैयारियों के संबंध में श्री नर्मदा संकीर्तन परिक्रमा समिति के सदस्यगणों ने मंत्री राकेश सिंह, विधायक नीरज सिंह तथा कलेक्टर एवं अपर कलेक्टर से भेंट कर आयोजन के संबंध में चर्चा की। समिति के पदाधिकारियों ने आयोजन को सुव्यवस्थित एवं सफल बनाने के लिए आवश्यक तैयारियों पर विचार-विमर्श किया तथा जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासन से सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की। समिति के संस्थापक पं. मनमोहन दुबे ने कहा कि मां नर्मदा की परिक्रमा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति, जनसेवा, आध्यात्मिक चेतना एवं सामाजिक समरसता का पावन माध्यम है। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष देवेंद्र त्रिपाठी, उपाध्यक्ष मोहित तिवारी, सचिव देवेंद्र नेमा, संयुक्त सचिव अखिलेश उर्फ पप्पू चौबे आदि उपस्थित रहे।

12 सौ ग्राम वजन की नवजात का मिलिट्री हॉस्पिटल के डॉक्टर्स ने किया सफल इलाज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

मिलिट्री हॉस्पिटल जबलपुर में चिकित्सा विशेषज्ञता, समय पर उपचार और समर्पित टीमवर्क की बदौलत मात्र 1200 ग्राम वजन के साथ जन्मी एक समयपूर्व बच्ची को स्वस्थ एवं स्थिर अवस्था में अस्पताल से छुट्टी दी गई। गर्भावस्था के 32वें सप्ताह में जन्मी इस बच्ची का डिस्चार्ज के समय वजन बढ़कर 1900 ग्राम हो गया था। गर्भावस्था के दौरान गंभीर सर्वाइकल इनकम्पीटेंस तथा एम्नियोटिक सैक के बाहर की ओर उभरने जैसी जटिलताएं सामने आई थीं।

इस चुनौतीपूर्ण स्थिति में स्त्री रोग विशेषज्ञ कर्नल बोर्से द्वारा समय पर सर्वाइकल सर्कलेज की प्रक्रिया की गई, जिससे गर्भावस्था को 32वें सप्ताह तक आगे बढ़ाने में मदद मिली। जन्म

के बाद बच्ची को रेस्पिरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम, सेप्सिस, एप्निया तथा ग्रेड इंट्रावेंट्रिकुलर हैमरेज जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ा। बाल रोग विशेषज्ञ लेफ्टिनेंट कर्नल प्रियंक अगस्त्य के मार्गदर्शन में नर्सिंग अधिकारियों की समर्पित टीम ने नवजात गहन चिकित्सा इकाई में लगभग एक माह तक बच्ची की विशेष देखभाल की। इस दौरान उसे निरंतर चिकित्सकीय निगरानी, आवश्यक उपचार और समुचित नर्सिंग सेवाएं प्रदान की गईं।

मिलिट्री हॉस्पिटल जबलपुर के कमांडेंट ब्रिगेडियर अनिमेष वत्स ने भी व्यापक चिकित्सा देखभाल के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं और सहयोग सुनिश्चित किया। लगभग 1200 ग्राम वजन के साथ जीवन की शुरुआत करने वाली बच्ची का 1900 ग्राम वजन के साथ स्वस्थ एवं स्थिर स्थिति में अस्पताल से घर लौटना चिकित्सकों, नर्सिंग अधिकारियों और पूरी चिकित्सा टीम के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है।

सफाई मित्रों ने किया पौधारोपण हुआ स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। वाहन निर्माणी के ऑफिसर्स मेस में विशेष स्वच्छता अभियान 06 के अंतर्गत निर्माणी के कार्मिकों एवं सफाई मित्रों के लिए रक्तदान एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता निर्माणी के मुख्य महाप्रबंधक दुर्गेश नंदन वर्मा ने की। इस कार्यक्रम में अपोलो हॉस्पिटल के 16 सदस्यीय स्वास्थ्य अमले ने स्वास्थ्य जांच संपन्न किया। साथ ही इस अवसर पर बड़ी संख्या में निर्माणी के अधिकारी कर्मचारी एवं सफाई मित्र शामिल हुए। इसी कड़ी में सोमवार को रक्तदान एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन निर्माणी में किया गया। मुख्य महाप्रबंधक दुर्गेश नंदन वर्मा सहित अन्य अधिकारियों कर्मचारियों, यूनियन एसोसिएशन के पदाधिकारियों तथा सफाई मित्रों ने पौधारोपण किया। कार्यक्रम में रक्तदान एवं स्वास्थ्य जांच के साथ-साथ सफाई मित्रों को दोपहर भोज भी कराया गया। कार्यक्रम में केके लिखानिया, संयुक्त महाप्रबंधक, हर्ष भटनागर उप महाप्रबंधक, देवश्री चक्रवर्ती उप महाप्रबंधक, राहुल शर्मा उप महाप्रबंधक, दिवाकर कौशल उप महाप्रबंधक आदि शामिल हुए।

खेल जगत में निःस्वार्थ सेवा के लिए शकील अनवर हुए सम्मानित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

आयरन गेम के क्षेत्र में जिला से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक अपनी एक अलग पहचान बनाने वाले लोह क्रीड़ा बॉडीबिल्डिंग, वेट लिफ्टिंग, पावर लिफ्टिंग खेल सम्मोह के साथ ही महाकौशल क्रीड़ा परिषद जैसी सक्रिय खेल संस्था के मीडिया प्रभारी राष्ट्रीय निर्णायक नायडू व्यायाम शाला के प्रशिक्षक संयुक्त अन्जुमन इस्लामिया शाला के क्रीडा प्रभारी शकील अनवर को निःस्वार्थ सेवा भाव के चलते कामगार यूनियन ओएफके

स्पोर्ट्स क्लब एवं जिला पॉवर लिफ्टिंग संघ द्वारा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बीके पाठक, अशोक कपूर, जीएस चौहान, डॉ. प्रसान्त मिश्रा, डॉ. राकेश तिवारी, डब्लू लाल, ललित जॉन, जगदीश रजक, एस. तेंदुले, दीपक टिग्रे, मान सिंह परिस्श्ते, लखन नायक, एड अशोक गुप्ता, सचिन यादव, देवेन्द्र तिवारी आदि ने बधाई दी है।

संत रविदास की प्रतिमा से छेड़छाड़ करने का आरोप, भड़का आक्रोश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मझौली के बचैया रोड स्थित वार्ड क्र.5 में गुरु रविदास की प्रतिमा से छेड़छाड़ कर नुकसान पहुंचाने के आरोप पर समाज के लोगों ने कल मझौली थाना प्रभारी को तत्संबंध में ज्ञापन देकर कार्यवाही की मांग की। कार्यवाही न होने से नाराज समाज ने सोमवार को हजारों की संख्या में बसपा जोन प्रभारी शरण चौधरी ने कहा कि इस तरह की घटना बर्दाश्त नहीं की जायेगी, घटना का मुख्य उद्देश्य वर्ग संघर्ष पैदा करना था। उन्होंने चेतावनी दी कि समाज विरोधी तत्वों के खिलाफ सख्त कार्यवाही नहीं की गई तो बड़ा उग्र आंदोलन किया जायेगा। इस अवसर पर बसपा जिलाध्यक्ष एड. लखन अहिरवार, पूर्व स्टेट कोआर्डिनेटर बालकिशन चौधरी, एड. दिनेश कुशवाहा, अजय अहिरवार, दयाराम चौधरी आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय फ्लाइंग किक स्पोर्ट्स प्रतियोगिता-2026 का भव्य समापन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रानीताल खेल परिसर स्थित खेल एवं युवा कल्याण विभाग के बैडमिंटन इंडोर हॉल में आयोजित महापौर कप 10वीं राष्ट्रीय फ्लाइंग किक स्पोर्ट्स प्रतियोगिताङ्क2026 का रविवार को भव्य एवं सफल समापन हुआ। दो दिवसीय इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में मेजबान मध्यप्रदेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 32 स्वर्ण, 10 रजत एवं 7 कांस्य पदकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त कर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। महाराष्ट्र ने द्वितीय तथा छत्तीसगढ़ ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। हरियाणा चौथे और दिल्ली पांचवें स्थान पर रही। समापन समारोह

में विधायक अभिलाष पांडे, विधायक लखन घनघोरिया, नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा, क्रीड़ा भारती के प्रांत अध्यक्ष अजय शुक्ला, आयोजन अध्यक्ष एवं मप्र उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ, उपाध्यक्ष एडवो सत्येंद्र ज्योतिषी आदि मंचासीन रहे। मंचासीन अतिथियों का स्वागत फ्लाइंग किक स्पोर्ट्स एसोसिएशन मप्र के महासचिव राजकुमार यादव एवं आयोजन सचिव एडवोकेट जयराज चौधरी ने पुष्पमालाओं से किया।प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश सहित दिल्ली, महाराष्ट्र, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, पुडुचेरी एवं तेलंगाना के लगभग 250 खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। खिलाड़ियों ने विभिन्न मुकाबलों में अपनी गति, फुर्ती, संतुलन, तकनीक, शारीरिक क्षमता एवं मार्शल आर्ट कौशल का शानदार प्रदर्शन किया।

डेटा और ग्राफ, आंकड़े कैसे बोलते हैं?

सिर्फ संख्याओं की लंबी सूची देखकर किसी निष्कर्ष तक पहुंचना मुश्किल हो सकता है। उदाहरण के लिए, यदि किसी विद्यार्थी के पांच परीक्षाओं के अंक 55, 62, 71, 68 और 80 हैं, तो इन संख्याओं को देखकर प्रदर्शन में सुधार का अंदाजा लगाना थोड़ा कठिन है। लेकिन इन्हीं आंकड़ों को ग्राफ के रूप में प्रस्तुत किया जाए तो बढ़ते या घटते प्रदर्शन को तुरंत समझा जा सकता है। यही कारण है कि डेटा को चित्रात्मक रूप में दिखाना बहुत उपयोगी होता है।

बार ग्राफ तुलना को बनाता है आसान

बार ग्राफ में आंकड़ों को अलग-अलग पट्टियों या स्तंभों के माध्यम से दिखाया जाता है। जैसे किसी कक्षा में अलग-अलग विषयों में विद्यार्थियों के औसत अंक दिखाने हों तो प्रत्येक विषय के लिए एक बार बनाया जा सकता है। बार की ऊंचाई देखकर आसानी से पता चल जाता है कि किस विषय में प्रदर्शन बेहतर रहा और किसमें सुधार की जरूरत है।

लाइन ग्राफ बदलाव की कहानी

जब आंकड़े समय के साथ बदलते हैं, तब लाइन ग्राफ बहुत उपयोगी होता है। जैसे पूरे सप्ताह के तापमान, किसी कंपनी की बिक्री या किसी विद्यार्थी के मासिक परीक्षा परिणाम को लाइन ग्राफ से दिखाया जा सकता है। रेखा ऊपर जाती है तो वृद्धि और नीचे आती है तो कमी का संकेत मिलता है। इस तरह लाइन ग्राफ आंकड़ों में छिपे बदलाव को स्पष्ट करता है।

पाई चार्ट- पूरे हिस्से को समझने का तरीका

पाई चार्ट किसी कुल मात्रा को अलग-अलग हिस्सों में बांटकर दिखाता है। उदाहरण के लिए, विद्यार्थी अपने एक दिन के समय का कितना हिस्सा पढ़ाई, खेल, नींद और मनोरंजन में बिताते हैं, इसे पाई चार्ट के माध्यम से आसानी से समझा जा सकता है। इसमें पूरा वृत्त 100 प्रतिशत को दर्शाता है और प्रत्येक हिस्सा कुल में अपनी भागीदारी बताता है।

डेटा से निष्कर्ष निकालना सीखें

ग्राफ देखने का उद्देश्य केवल उसे पढ़ना नहीं, बल्कि उससे सही निष्कर्ष निकालना है। यदि किसी ग्राफ में लगातार तीन महीनों तक बिक्री बढ़ रही है, तो हम वृद्धि की प्रवृत्ति पहचान सकते हैं। इसी तरह परीक्षा के आंकड़ों से यह पता लगाया जा सकता है कि किन विषयों में विद्यार्थियों का प्रदर्शन बेहतर है और किन विषयों में अतिरिक्त अभ्यास की आवश्यकता है।

गणित से डेटा तक, डेटा से निर्णय तक

आज के डिजिटल युग में डेटा का महत्व लगातार बढ़ रहा है। मौसम की भविष्यवाणी, खेलों का विश्लेषण, ऑनलाइन खरीदारी, स्वास्थ्य सेवाएं और वैज्ञानिक अनुसंधानकृहर क्षेत्र में आंकड़ों का उपयोग होता है। इसलिए कक्षा 8 से ही डेटा और ग्राफ को समझना विद्यार्थियों में तार्किक सोच और निर्णय लेने की क्षमता विकसित करता है।

गणितः डिजिटल युग की नई पहचान

कंप्यूटर, इंटरनेट, स्मार्टफोन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स और आधुनिक तकनीकों ने हमारे जीवन के लगभग हर क्षेत्र को प्रभावित किया है। पढ़ाई से लेकर बैंकिंग, चिकित्सा, संचार और मनोरंजन तक तकनीक का उपयोग बढ़ रहा है। इस पूरी डिजिटल दुनिया की मजबूत नींव गणित और विज्ञान पर टिकी है। इनके बिना आधुनिक तकनीक की कल्पना करना कठिन है।

गणित, तकनीक की भाषा

वैज्ञानिक सिद्धांतों और तकनीकी प्रक्रियाओं को समझने में गणित महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कंप्यूटर की कार्यप्रणाली से लेकर मोबाइल ऐप, ऑनलाइन भुगतान, बैंकिंग और उपग्रह संचार तक अनेक क्षेत्रों में गणित का इस्तेमाल होता है। कंप्यूटर मुख्य रूप से 0 और 1 की बाइनरी प्रणाली पर काम करता है। प्रोग्रामिंग, एल्गोरिदम, डेटा विश्लेषण और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे क्षेत्रों में भी गणितीय तर्क और गणनाओं का विशेष महत्व है।

शिक्षा में डिजिटल बदलाव

डिजिटल तकनीक ने शिक्षा के पारंपरिक तरीकों को भी बदल दिया है। विद्यार्थी अब ऑनलाइन कक्षाओं, ई-पुस्तकों, डिजिटल पुस्तकालयों और शैक्षणिक ऐप के माध्यम से पढ़ाई कर सकते हैं।

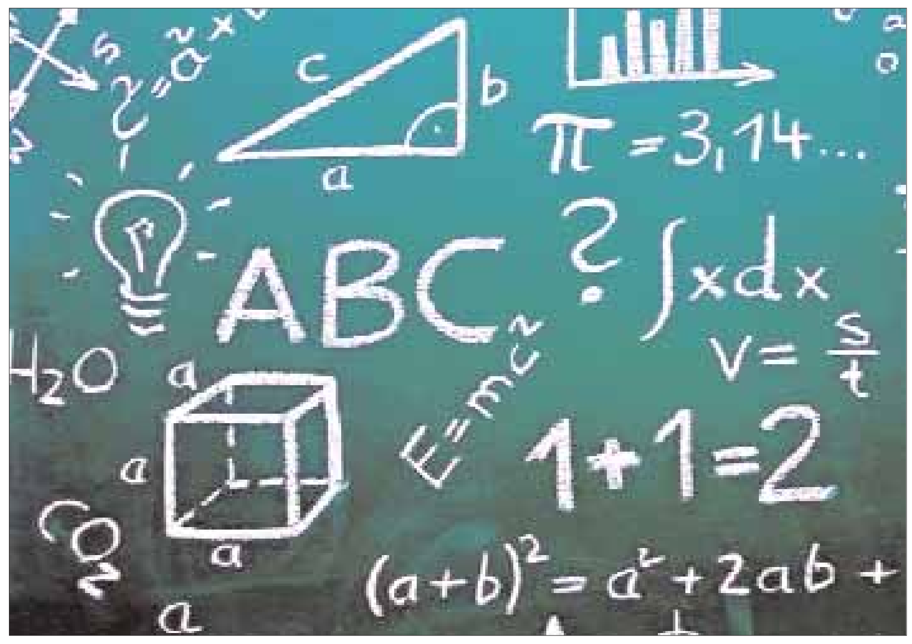

गणित और विज्ञान जैसे विषयों को समझाने के लिए एनीमेशन, वीडियो, सिमुलेशन और वर्चुअल प्रयोगशालाओं का उपयोग किया जा रहा है। इससे कठिन अवधारणाओं को दृश्य रूप में समझना आसान हो जाता है।

चिकित्सा क्षेत्र में तकनीक का योगदान

स्वास्थ्य सेवाओं में भी गणित और विज्ञान का प्रभाव दिखाई देता है। आधुनिक मशीनों की मदद से बीमारियों की पहचान पहले की तुलना में अधिक तेजी से और सटीक तरीके से की जा सकती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता बड़ी मात्रा में चिकित्सा संबंधी डेटा का विश्लेषण करने में सहायता करती है। वैज्ञानिक अनुसंधान के कारण नई दवाओं, टीकों और उपचार तकनीकों का विकास संभव हुआ है।

भविष्य की तैयारी में विद्यार्थियों की भूमिका

डिजिटल युग में केवल तकनीक का उपयोग करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसके पीछे काम करने वाले विज्ञान और गणित को समझना भी जरूरी है। विद्यार्थियों को गणितीय तर्क, वैज्ञानिक सोच, समस्या समाधान और डिजिटल कौशल विकसित करने पर ध्यान देना चाहिए। यही क्षमताएं उन्हें भविष्य की तकनीकी दुनिया के लिए तैयार करेंगी।

दीपशिखा गुप्ता

शिक्षक
आदर्श हितकारिणी चिल्ड्रन एकेडमी, गोविंदगंज, दमोहनाका, जबलपुर।

क्या आप जानते हैं? (गणितीय तथ्य)

1 महान भारतीय गणितज्ञ आर्यभट्ट और ब्रह्मगुप्त ने शून्य की अवधारणा को विकसित किया, जिसने आधुनिक गणित और कंप्यूटर विज्ञान की नींव रखी।

2 पाई कभी समाप्त नहीं होती। वृत्त की परिधि और व्यास का अनुपात एक अपरिमेय संख्या है। इसके दशमलव अंक कभी समाप्त नहीं होते और न ही किसी निश्चित क्रम में दोहराते हैं।

3 दुनिया की भाषाएँ अलग-अलग हो सकती हैं, लेकिन गणित के चिन्ह और सूत्र पूरे विश्व में एक समान समझे जाते हैं। इसलिए गणित को सार्वभौमिक भाषा भी कहा जाता है।

4 फिबोनाची श्रेणी प्रकृति में भी दिखाई देती है। 1, 1, 2, 3, 5, 8, 13 यह क्रम केवल गणित तक सीमित नहीं है। सूरजमुखी के बीज, पाइन कोन, अनानास और कई फूलों की पंखुड़ियों में भी यही क्रम दिखाई देता है।

5 मधुमक्खियाँ अपने छत्ते की कोशिकाएँ षट्भुज आकार की बनाती हैं, क्योंकि यह आकार कम मोम में अधिक स्थान उपलब्ध कराता है। इसे प्रकृति की सर्वोत्तम ज्यामितीय संरचनाओं में माना जाता है।

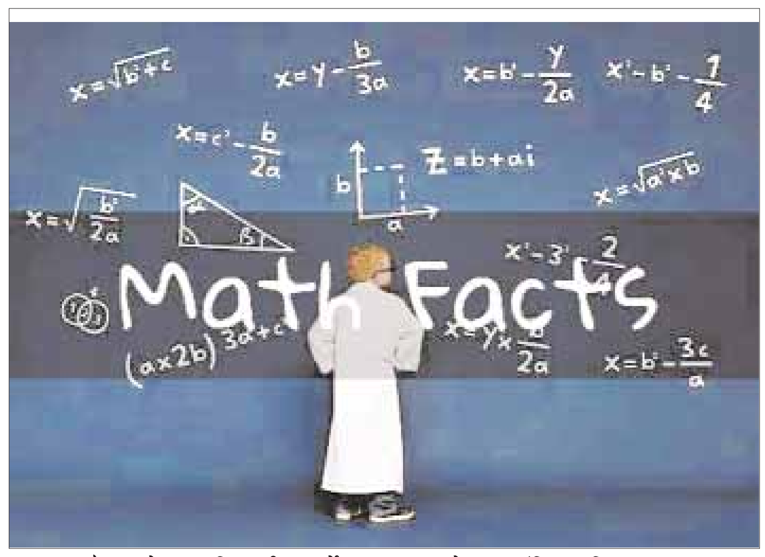

6 यदि किसी तीन अंकों की संख्या के पहले और अंतिम अंक में कम से कम 2 का अंतर हो, तो एक विशेष प्रक्रिया अपनाने पर अंतिम परिणाम प्रायः 1089 प्राप्त होता है। यह एक प्रसिद्ध गणितीय ट्रिक है।

7 कंप्यूटर केवल 0 और 1 (बाइनरी संख्या प्रणाली) को समझता है। यही दो अंक आधुनिक डिजिटल दुनिया की आधारशिला हैं।

8 भारत में 22 दिसंबर को महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय गणित दिवस मनाया जाता है।

9 अनंत कोई सामान्य संख्या नहीं, बल्कि एक ऐसी अवधारणा है जिसका कोई अंतिम मान नहीं होता। इसका उपयोग गणित, भौतिकी और खगोल विज्ञान में व्यापक रूप से किया जाता है।

10 1 न तो अभाज्य है और न ही संयुक्त, यह एक विशेष संख्या है, क्योंकि इसके केवल एक ही गुणनखंड (1) होता है।

गणित सीखने का सही रास्ता

पहले समझें, फिर अपनाएं शॉर्ट ट्रिक्स

गणित को अक्सर कठिन विषय माना जाता है, लेकिन सही दृष्टिकोण और मजबूत आधार के साथ यही विषय सबसे रोचक बन सकता है। आज के दौर में विद्यार्थी जल्दी उत्तर पाने के लिए शॉर्ट ट्रिक्स का सहारा लेते हैं, वहीं विशेषज्ञ हमेशा मूल अवधारणाओं को मजबूत करने पर जोर देते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि गणित में सफलता के लिए शॉर्ट ट्रिक्स बेहतर हैं या फिर मूल अवधारणाएं?

मूल अवधारणा ही गणित की मजबूत नींव

गणित की मूल अवधारणा किसी भी विद्यार्थी की सबसे बड़ी ताकत होती है। यदि विद्यार्थी यह समझ ले कि कोई सूत्र क्यों काम करता है, किसी प्रश्न को हल करने की प्रक्रिया क्या है और उसके पीछे का तर्क क्या है, तो वह कठिन से कठिन सवालों को आसानी से हल कर सकता है।

मूल अवधारणा के लाभ

इससे समस्या को समझने की क्षमता बढ़ती है। नए प्रकार के प्रश्नों को हल करना आसान होता है। गलतियों की संभावना कम होती है साथ ही गणित के प्रति आत्मविश्वास बढ़ता है इसके अलावा उच्च कक्षाओं और प्रतियोगी परीक्षाओं में मदद मिलती है। गणित में केवल उत्तर तक पहुंचना ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि यह समझना भी जरूरी है कि उत्तर तक पहुंचने का तरीका सही क्यों है।

शॉर्ट ट्रिक्स, समय बचाने का प्रभावी माध्यम

प्रतियोगी परीक्षाओं और समय सीमा वाले प्रश्नपत्रों में शॉर्ट ट्रिक्स का महत्व बहुत अधिक है। ये तकनीकें कठिन गणनाओं को कम समय में हल करने में मदद करती हैं। शॉर्ट ट्रिक्स से कम समय में प्रश्न हल किए जा सकते हैं। लंबी गणनाओं से बचा जा सकता है। प्रतियोगी परीक्षाओं में गति बढ़ती है साथ ही मानसिक गणना की क्षमता विकसित होती है। लेकिन केवल ट्रिक्स याद कर लेना पर्याप्त नहीं है। यदि विद्यार्थी यह नहीं समझता कि ट्रिक किस आधार पर काम कर रही है, तो वह नए और अलग प्रकार के प्रश्नों में परेशानी महसूस कर सकता है।

ट्रिक्स और कॉन्सेप्ट का संतुलन जरूरी

गणित में सफलता के लिए शॉर्ट ट्रिक्स और मूल अवधारणाएं एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि सहयोगी हैं। पहले किसी विषय की मूल समझ विकसित करनी चाहिए और उसके बाद समय बचाने के लिए शॉर्ट ट्रिक्स का प्रयोग करना चाहिए। उदाहरण के लिए, प्रतिशत, लाभ-हानि, ब्याज या बीजगणित जैसे अध्यायों में यदि आधार मजबूत है, तो विद्यार्थी ट्रिक्स का उपयोग अधिक प्रभावी ढंग से कर सकता है।

बिग डेटा और गणित, एक नई शक्ति

इक्कीसवीं सदी को यदि डेटा का युग कहा जाए तो यह अतिशयोक्ति नहीं होगी। आज हमारे द्वारा किए जाने वाले लगभग हर कार्य, मोबाइल का उपयोग, ऑनलाइन खरीदारी, डिजिटल भुगतान, सोशल मीडिया, स्वास्थ्य सेवाएँ, बैंकिंग, शिक्षा और वैज्ञानिक अनुसंधान, से प्रतिदिन विशाल मात्रा में डेटा उत्पन्न होता है। इस अत्यधिक मात्रा में उपलब्ध जानकारी को बिग डेटा कहा जाता है। लेकिन यह डेटा तभी उपयोगी बनता है जब उसका सही विश्लेषण किया जाए, और यही कार्य गणित की सहायता से संभव होता है। गणित बिग डेटा की आधारशिला है, क्योंकि इसके बिना डेटा का विश्लेषण, पूर्वानुमान और निर्णय लेना संभव नहीं है।

बिग डेटा में गणित की भूमिका

बिग डेटा का वास्तविक महत्व उसके विश्लेषण में है। गणितीय सिद्धांतों और सांख्यिकीय विधियों की सहायता से लाखों-करोड़ों आँकड़ों में छिपे पैटर्न, प्रवृत्तियों और संबंधों की पहचान की जाती है। प्रायिकता, सांख्यिकी, रेखीय बीजगणित, कलन तथा अनुकूलन जैसी गणितीय शाखाएँ बिग डेटा विश्लेषण की प्रमुख आधारशिलाएँ हैं। गणितीय मॉडल यह अनुमान लगाने में सक्षम होते हैं कि भविष्य में कौन-सी घटनाएँ घट सकती हैं, किस उत्पाद की माँग बढ़ेगी, कौन-सी बीमारी फैल सकती है या किसी क्षेत्र में किस प्रकार का परिवर्तन आने वाला है।

एआइ और बिग डेटा

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग की सफलता का आधार बिग डेटा और गणित है। मशीनें जितना अधिक डेटा प्राप्त करती हैं, उतना ही बेहतर सीखती हैं। गणितीय एल्गोरिद्म डेटा से पैटर्न पहचानकर भविष्यवाणियाँ करते हैं और स्वचालित निर्णय लेने में सहायता करते हैं।

विद्यार्थियों के लिए महत्व

आज के समय में गणित केवल परीक्षा का विषय नहीं, बल्कि भविष्य के अनेक रोजगारों का आधार बन चुका है। डेटा साइंटिस्ट, डेटा एनालिस्ट, मशीन लर्निंग इंजीनियर, बिजनेस एनालिस्ट, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ और वित्तीय विश्लेषक जैसे आधुनिक व्यवसायों में गणित और डेटा विश्लेषण का गहन ज्ञान आवश्यक है। इसलिए विद्यार्थियों को गणित के साथ-साथ सांख्यिकी, कंप्यूटर विज्ञान और डेटा विश्लेषण की मूलभूत जानकारी भी प्राप्त करनी चाहिए।

चार भुजाओं की दुनिया, समझें चतुर्भुज का पूरा गणित

ज्यामिति में चार भुजाओं से बनी बंद आकृति को चतुर्भुज कहते हैं। हमारे आसपास खिड़की, दरवाजा, किताब, टेबल का ऊपरी भाग और कई तरह के बोर्ड चतुर्भुज के उदाहरण हैं। चतुर्भुज को समझने के लिए उसकी भुजाओं, कोणों और विकर्णों को समझना जरूरी है।

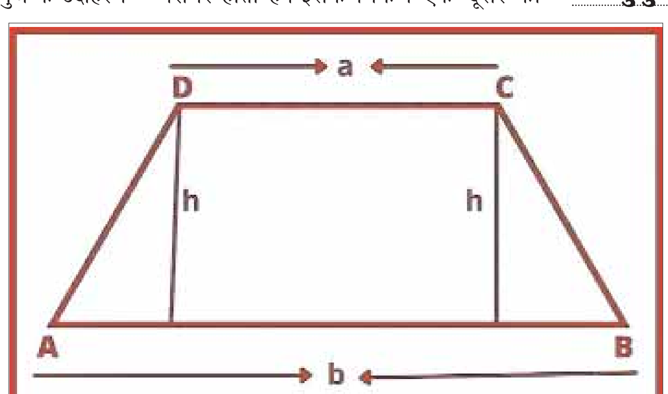

चार भुजाएं, चार कोण

किसी भी चतुर्भुज में चार भुजाएं, चार शीर्ष और चार कोण होते हैं। इसके चारों आंतरिक कोणों का योग हमेशा 360 डिग्री होता है। उदाहरण के लिए यदि किसी चतुर्भुज के तीन कोण 80 डिग्री, 90 डिग्री और 100 डिग्री हैं, तो चौथा कोण 90 डिग्री होगा।

चतुर्भुज के प्रमुख प्रकार

1 वर्ग- वर्ग की चारों भुजाएं बराबर होती हैं और प्रत्येक कोण 90 डिग्री का होता है। इसके दोनों विकर्ण बराबर होते हैं और एक-दूसरे को समकोण पर काटते हैं।

2 आयत- आयत की आमने-सामने की भुजाएं बराबर होती हैं और चारों कोण 90 डिग्री के होते हैं। इसके विकर्ण भी बराबर होते हैं।

3 समांतर चतुर्भुज- इसमें आमने-सामने की भुजाएं समानांतर और बराबर होती हैं। इसके आमने-सामने के कोण बराबर होते हैं, जबकि पास-पास के कोणों का योग 180 डिग्री होता है।

4 समचतुर्भुज- इसकी चारों भुजाएं बराबर होती हैं। इसके विकर्ण एक-दूसरे को समकोण पर काटते हैं और कोणों को भी विभाजित करते हैं।

5 समलंब- इसमें कम से कम एक जोड़ी आमने-सामने की भुजाएं समानांतर होती हैं। इसका उपयोग कई ज्यामितीय आकृतियों और संरचनाओं को समझने में किया जाता है।

विकर्ण क्यों महत्वपूर्ण हैं?

चतुर्भुज के दो विपरीत शीर्षों को मिलाने वाली रेखा को विकर्ण कहते हैं। किसी चतुर्भुज में दो विकर्ण होते हैं। विकर्णों के गुणों की मदद से हम यह पहचान सकते हैं कि दिया गया चतुर्भुज वर्ग, आयत, समचतुर्भुज या समांतर चतुर्भुज है।

रोजमर्रा की जिंदगी में चतुर्भुज

चतुर्भुज केवल गणित की किताब में नहीं हैं। घर की खिड़की, दरवाजा, फर्श की टाइलें, मोबाइल की स्क्रीन और सड़क के कई संकेतक बोर्डों में इनके अलग-अलग रूप दिखाई देते हैं। इंजीनियर और वास्तुकार भी भवनों की डिजाइन में ज्यामितीय आकृतियों का उपयोग करते हैं।

आसान तरीका याद रखें

- चार भुजा यानि चतुर्भुज,
- चार कोणों का योग यानि 360ए,
- दो विपरीत शीर्षों को जोड़ने वाली रेखा यानि विकर्ण।
- चतुर्भुज को रटने के बजाय चित्र बनाकर और आसपास की वस्तुओं से जोड़कर समझें। इससे इसके गुण लंबे समय तक याद रहते हैं और ज्यामिति के सवाल हल करना भी आसान हो जाता है।

बोर्ड एग्जाम में इन छोटी गलतियों से कट जाते हैं अच्छे अंक

बोर्ड परीक्षा में केवल सही उत्तर लिखना ही पर्याप्त नहीं है। उत्तर को सही तरीके, स्पष्टता और निर्धारित निर्देशों के अनुसार प्रस्तुत करना भी उतना ही जरूरी है। कई बार विद्यार्थी पूरे प्रश्न का सही हल जानते हैं, लेकिन छोटी-छोटी लापरवाहियों के कारण उनके अंक कट जाते हैं।

गणित में चिन्हों की गलती पड़ सकती है भारी- गणित में प्लस-माइनस के चिन्ह, दशमलव, इकाई और सूत्रों की छोटी गलती पूरे उत्तर को प्रभावित कर सकती है। कई विद्यार्थी जल्दबाजी में प्लस की जगह माइनस या सही चिन्ह लगाना भूल जाते हैं। समाधान के प्रत्येक चरण को व्यवस्थित ढंग से लिखें और अंतिम उत्तर निकालने के बाद एक बार गणना जरूर जांचें।

डायग्राम बनाएं तो साफ और स्पष्ट- विज्ञान के पेपर में डायग्राम महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विद्यार्थी अक्सर चित्र तो बना देते हैं, लेकिन उसमें जरूरी भागों के नाम स्पष्ट नहीं लिखते। कभी-कभी डायग्राम बहुत छोटा, अस्पष्ट या गलत लेबलिंग वाला होता है। इससे उत्तर सही होने के बावजूद पूरे अंक मिलना मुश्किल हो जाता है। इसलिए डायग्राम बनाते समय पेंसिल का इस्तेमाल करें, चित्र साफ रखें और सभी आवश्यक भागों की लेबलिंग सही स्थान पर करें।

अंग्रेजी में स्पेलिंग और विराम चिह्न पर ध्यान- अंग्रेजी विषय में सही उत्तर के साथ सही स्पेलिंग, क्वेश्चन मार्क, फुलस्टॉप और कॉमा का भी ध्यान रखना चाहिए। जल्दबाजी में विद्यार्थी कई बार शब्दों की स्पेलिंग गलत कर देते हैं या वाक्य के अंत में उचित विराम चिह्न नहीं लगाते। उत्तर लिखने के बाद कुछ समय निकालकर स्पेलिंग और ग्रामर की सामान्य गलतियां जरूर जांचें।

हिंदी में मात्राओं और वाक्य विन्यास का रखें ध्यान- हिंदी के उत्तरों में मात्राओं की गलतियां, वर्तनी और वाक्य विन्यास पर ध्यान देना जरूरी है। जल्दबाजी में लिखे गए उत्तर में कई बार शब्दों की मात्राएं छूट जाती हैं। उत्तर लिखने के बाद एक बार उसे पढ़ने से ऐसी गलतियां आसानी से पकड़ी जा सकती हैं।

प्रश्नपत्र के निर्देश न पढ़ना भी नुकसानदायक- कई विद्यार्थी परीक्षा शुरू होते ही उत्तर लिखना शुरू कर देते हैं और प्रश्नपत्र के निर्देश ठीक से नहीं पढ़ते। यदि किसी खंड में निर्धारित संख्या में प्रश्न हल करने हैं, तो उससे अधिक या कम प्रश्न करना समय और अंक दोनों के लिए नुकसानदायक हो सकता है। इसलिए शुरुआत में प्रश्नपत्र को ध्यान से पढ़ें और समय का सही विभाजन करें।

आखिरी 10 मिनट रखें जांच के लिए- परीक्षा में अंतिम समय तक लगातार लिखते रहने के बजाय कम से कम 10 मिनट उत्तर-पुस्तिका की जांच के लिए रखें। छूटे हुए प्रश्न, गलत क्रमांक, गणना, स्पेलिंग, डायग्राम, जरूरी चिन्ह जांच लें।

बोर्ड परीक्षा में बड़ी गलतियों से ही नहीं, छोटी लापरवाहियों से भी अंक कटते हैं। सही उत्तर के साथ साफ-सुथरी प्रस्तुति, निर्देशों का पालन और अंतिम जांचकृअच्छे अंक पाने की कुंजी है।

शब्द पहेली - 9003

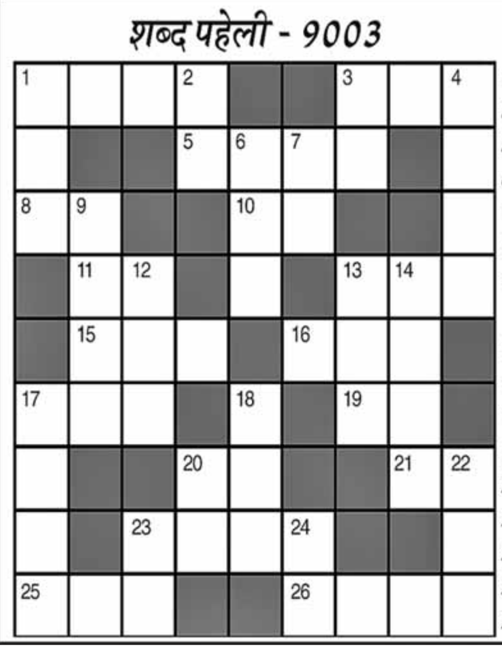

बाएँ से दाएँ

1. ओस की बूंदे (उर्दू-4)
3. आसमान, गगन-3
5. निम्न, जो स्तरीय न हो-4
8. रात्रि, निशा-2
10. सिलना, छाती
11. नश, नाड़ी-2
13. एक समाज सुधारक जिनके दोहे काफी प्रसिद्ध हैं-2
15. इसे आंखों में लगाते हैं-3
16. प्रभाव-3
17. समीप, पास, नजदीक-3
19. भगवान, खुदा-2
20. जानवर इसे खाते हैं-2
21. होठ, अधर-2
23. लूटपाट, डाका-4
25. प्रकार-3
26. बेबस, लाचार-4

ऊपर से नीचे

1. चिंगारी, अंगारा-3
2. मस्ती में चूर-2
3. इज्जत, साख-2
4. तलवार (उर्दू-4)
6. रसदार, रस से भरा-3
7. मेहंदी, ऋषि कपूर की फिल्म-2
9. सब्जी, भाजी-4
13. कमी-3
14. अकबर के एक हिंदू सलाहकार-4
17. अचरज भरा कार्य-4
18. वायुसेना के एक विमान का नाम-3
20. चाहत, प्रेम-2
22. ऋतुराज, मौज-मस्ती-3
23. रास्ता, डगर-2
24. एक पेड़ जिसकी टहनी से दातुन करते हैं-3

शब्द पहेली -9002 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

9 सूत्रीय मांगों पर मुख्यमंत्री ने गंभीरता के साथ निर्णय लेने का आश्वासन दिया

भारतीय किसान संघ, महाकोशल प्रांत जिला नरसिंहपुर ईकाई ने ज्ञापन सौंपा

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत।

भारतीय किसान संघ, महाकोशल प्रांत जिला नरसिंहपुर ने मुख्यमंत्री के आगमन पर ज्ञापन सौंपकर खेती किसानी, किसानों से जुड़ी समस्याओं के निदान की मांग की। इन 9 सूत्रीय मांगों पर मुख्यमंत्री ने गंभीरता के साथ निर्णय लेने का आश्वासन दिया। साथ ही भारतीय किसान संघ के पदाधिकारियों ने कृषि उपज मंडी प्रांगण के विस्तार हेतु 9 एकड़ जमीन एवं लंबित ट्रांसफार्मर एरिया स्टोर नरसिंहपुर में स्वीकृत करने पर धन्यवाद दिया । संगठन के जिला अध्यक्ष संतोष राय एवं जिला मंत्री अभिषेक पटेल के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में बताया गया कि जिले के किसान मंडी व्यवस्था, विद्युत आपूर्ति एवं धान पंजीयन को लेकर परेशान हैं। प्रमुख मांगों में कृषि उपज मंडियों में मंडी अधिनियम 36(3) का कड़ाई से पालन हो, नरसिंहपुर कृषि उपज मंडी का स्वीकृत विस्तार कार्य शीघ्र शुरू किया जाए, गोटेगांव तहसील मटर उत्पादक क्षेत्र है, अतः वहां पृथक मटर मंडी स्थापित की जाए, जिले के लिए स्वीकृत ट्रांसफार्मर एरिया स्टोर को जिले के सेंटर ग्राम कठौतिया की शासकीय भूमि पर, फोरलेन के समीप स्थापित किया जाए, करकबेल डी.सी. के अंतर्गत झिरी, गुटोरी, मल्हैआ, घाटपिंडरई क्षेत्र में लंबे फीडर के कारण वोल्टेज की समस्या है, वहां नया सब-स्टेशन बनाया जाए, धान की पंजीयन तिथि बढ़ाई जाए और धान के रकबे को असिंचित के स्थान पर सिंचित माना जाए,जिले में गन्ने का मूल्य 600 रुपए प्रति क्विंटल की दर से प्रारंभ हो , खरीफ फसल के अंतर्गत सोयाबीन एवं उड़द की फसल 90त्न खराब हो चुकी है निम्न ग्रामों का सर्वे कर आरबीसी एक्ट 6(4) के तहत क्षतिपूर्ति राशि प्रदान की जावे खमरिया अंडिया खापा धन्ना नयागांव झिरी सूरज गांव डोंगरगांव रानी पिंडरई डुडी पिंडरई उमरिया सुपला मेहका आदि हैं एवं जिले में किसानों को मक्का का घटिया बीज दिया गया जांच उपरांत भी कंपनियों पर कार्रवाई नहीं की गई शीघ्र कार्यवाही कर किसानों को क्षतिपूर्ति राशि दिलवाई जाए। किसान संघ के जिला पदाधिकारियों ने कहा कि यदि मांगों पर शीघ्र कार्यवाही नहीं हुई तो भारतीय किसान संघ को आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ेगा। ज्ञापन सौंपते समय जिला अध्यक्ष संतोष राय, जिला मंत्री अभिषेक पटेल, प्रांत मंत्री स्वदेश कोठारी, संभाग अध्यक्ष अनिरुद्ध पटेल ,विष्णु प्रसाद पटेल दिनेश पटेल सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

दीपावली पर गौकाष्ठ से निर्मित दीपों को प्रोत्साहित करें : कलेक्टर

जन संवाद शिविरों की शिकायतों और सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का प्राथमिकता से करें निराकरण

नरसिंहपुर,स्वतंत्रमत। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने कहा कि आगामी दीपावली पर्व पर पर्यावरण संरक्षण और गौकाष्ठ से निर्मित उत्पादों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से गौकाष्ठ से निर्मित दीपों के उपयोग को बढ़ावा दिया जाए। साथ ही इन दीपों की बाजार में पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक पहल की जाए। उन्होंने मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाले जन संवाद शिविरों में प्राप्त शिकायतों का तत्परता से निराकरण करने तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सशस्त्र सेना झंडा दिवस के लिए निर्धारित राशि जमा कराने के संबंध में भी आवश्यक निर्देश दिए।

उक्त निर्देश कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा बैठक में दिए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री अरविंद कुमार सिंह सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर श्रीमती सिंह ने सीएम एवं सीएस मॉनिट, आयोग से प्राप्त पत्रों तथा सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों का गंभीरता से परीक्षण कर समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनसमस्याओं के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं हो। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने बैठक में संबल 2.0 योजना, कृषि विभाग से संबंधित विषयों, लंबित पेंशन प्रकरणों, समग्र ई-केवायसी तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा की। इसके अलावा एक बगिया मां के नाम सहित विभिन्न विभागीय योजनाओं, अभियानों और कार्यक्रमों की प्रगति पर भी चर्चा की गई। उन्होंने निर्देश दिए कि योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाएं, लंबित प्रकरणों निराकरण करें कोई भी पात्र हितग्राही शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ तत्परता से दिया जाए।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह/ निकाह योजना के तहत सामूहिक विवाह सम्मेलन 21 नवंबर को

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत।

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के अंतर्गत वर्ष 2026- 27 का सामूहिक विवाह सम्मेलन 21 नवंबर 2026 को कृषि उपज मंडी, तेन्दूखेड़ा में आयोजित किया जाएगा। शासन के निर्देशानुसार एक जिले में एक तिथि पर अधिकतम 200 जोड़ों को ही सामूहिक विवाह सम्मेलन में सम्मिलित किया जा सकेगा। इस संबंध में पोर्टल पर दर्ज प्रथम 200 पात्र आवेदनों को ही कार्यक्रम के लिए मान्य किया जाएगा। इच्छुक हितग्राही एक अक्टूबर से 23 अक्टूबर 2026 तक उपसंचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग नरसिंहपुर के कार्यालय में आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन जमा कर सकते हैं। प्रथम पात्र 200 आवेदनों को ही सम्मेलन में सम्मिलित किया जाएगा।

पात्रता एवं आवश्यक दस्तावेज

योजना का लाभ लेने के लिए कन्या का मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना तथा कन्या एवं उसके अभिभावक के पास बीपीएल कार्ड होना आवश्यक है। बीपीएल सत्यापन भी अनिवार्य है। वर एवं वधू की समग्र ई-केवायसी तथा कन्या के बैंक खाते में डीबीटी एवं ई-केवायसी होना आवश्यक है। संबंधित निकाय के सक्षम अधिकारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत अथवा मुख्य नगरपालिका अधिकारी का अनापत्ति प्रमाण-पत्र भी प्रस्तुत करना होगा। कन्या की आयु 18 वर्ष से अधिक तथा वर की आयु 21 वर्ष से अधिक होना आवश्यक है। आवेदन के साथ आयु प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड, समग्र आईडी, पासपोर्ट साइज फोटो, मूल निवासी प्रमाण-पत्र एवं बैंक पासबुक की स्पष्ट छायाप्रति सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा।

विद्यार्थियों को वितरित किए स्कूली बैग

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। सेवा संकल्प अभियान के तहत शासकीय एकीकृत नवीन माध्यमिक शाला लोकीपार में विद्यार्थियों को स्कूल बैग वितरित किए गए। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को आवश्यक सुविधाएं और उन्हें शिक्षा के प्रति प्रेरित करना था। विद्यार्थियों को नियमित रूप से विद्यालय आने, मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर प्रयास शिक्षण एवं सामाजिक संगठन के श्री विक्रांत सिंह, श्री विक्रमादित्य सिंह पटेल, श्री शैलेन्द्र शर्मा, श्री केदार पटेल, श्री मिलन शर्मा, श्री विक्रम शर्मा, शाला प्रबंधन समिति की अध्यक्ष श्रीमती सपना चौधरी, सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं और विद्यार्थी मौजूद थे।

वॉलीबाल के विकास और संगठन विस्तार पर मंथन, नई योजनाओं पर बनी सहमति

मध्यप्रदेश एमेच्योर वॉलीबाल संघ की वार्षिक बैठक नरसिंहपुर में संपन्न, प्रतिभाओं को अवसर देने पर जोर

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत।

मध्यप्रदेश एमेच्योर वॉलीबाल संघ की वार्षिक बैठक यशोदा गार्डन में प्रदेश अध्यक्ष एस.के. खुराना की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में प्रदेश में वॉलीबाल खेल के विकास, संगठन की मजबूती, खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण एवं प्रतियोगिताओं के अवसर उपलब्ध कराने और आगामी कार्ययोजनाओं पर चर्चा की गई। पिछली बैठक के निर्णयों की समीक्षा कर उनके क्रियान्वयन की जानकारी भी साझा की गई। संघ के प्रदेश सचिव मनीष कटारे ने कहा कि वॉलीबाल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए सभी जिला संघों को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को पहचानकर उन्हें प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। जिला संघों, प्रशिक्षकों और निर्णायकों के समन्वित प्रयासों से मध्यप्रदेश के खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना सकते हैं। उन्होंने संगठनात्मक चुनौतियों के समाधान के लिए पारदर्शिता, आपसी सहयोग और योजनाबद्ध कार्यप्रणाली पर जोर दिया।बैठक में एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट डॉ. आर.के. यादव, ठाकुर शैलेन्द्र सिंह, बद्रीनारायण बैस, अशोक दीक्षित, प्रकाश व्यास, अमर सिंह नरडे सहित विभिन्न जिलों के पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे। चंबल से राजेन्द्र श्रीवास्तव, ग्वालियर से नरेन्द्र तिवारी, भोपाल से मयूर श्रीवास्तव, नर्मदापुरम से आशुतोष तिवारी, उज्जैन से त्रिभुवन कवीश्वर, इंदौर से ममता देव, छिंदवाड़ा से सुशील पटवा, सागर से मिथुन लोधी, जबलपुर से मदन शर्मा, शहडोल से संतोष सिंह (उमरिया) तथा रीवा से संतोष सिंह (सतना) सहित कार्यकारिणी सदस्य शामिल हुए।बैठक में रेफरी बोर्ड के चेयरमैन आर.ए. पांडे, टेक्निकल कमेटी के पी.एन. ठाकुर, स्क्रीनिंग कमेटी के संतोष सिंह, चयन समिति के पी. मजूमदार, महिला शिकायत निवारण समिति की नीलम चांसोरिया, अनुशासन समिति के एस.एस. राजपूत, स्टेटिक्स कमेटी के जी.पी. वैद्य और कोचिंग कमेटी के इन्द्रसेन ठाकुर सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। सदस्यों ने प्रदेश में वॉलीबाल के प्रचार-प्रसार, प्रतिभाओं की पहचान और खेल गतिविधियों को गति देने के लिए सामूहिक प्रयासों का संकल्प लिया।

भारत विकास परिषद ने वरिष्ठ प्रेस फोटोग्राफर संजय राय को किया सम्मानित

फोटोग्राफी के साथ सामाजिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक गतिविधियों में भी निभा रहे महत्वपूर्ण भूमिका

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। समाज में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करने वाले व्यक्तित्वों का सम्मान न केवल उनके योगदान का अभिनंदन होता है, बल्कि यह समाज के अन्य लोगों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनता है। इसी उद्देश्य को आत्मसात करते हुए भारत विकास परिषद द्वारा आयोजित शाखा स्तरीय समूहगान प्रतियोगिता-2026 के गरिमामय समारोह में नगर के वरिष्ठ प्रेस फोटोग्राफर संजय राय को सम्मानित किया गया। उक्त अवसर पर परिषद एवं अतिथियों ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रतिभाओं का सम्मान कर उनकी उपलब्धियों की सराहना की।

फोटोग्राफी के क्षेत्र में बनाई विशिष्ट पहचान

वरिष्ठ प्रेस फोटोग्राफर संजय राय लंबे समय से फोटोग्राफी के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाए हुए हैं। अपने अनुभव, कलात्मक दृष्टि और कार्य के प्रति समर्पण के चलते उन्होंने नगर में एक प्रतिष्ठित स्थान हासिल किया है। उनकी फोटोग्राफी में घटनाओं को जीवंत रूप में प्रस्तुत करने के साथ-साथ सामाजिक जीवन की विविध गतिविधियों और महत्वपूर्ण क्षणों को सहेजने की विशेषता भी देखने को मिलती है।

सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में सर्ि य सहभागिता

संजय राय की पहचान केवल एक कुशल फोटोग्राफर तक सीमित नहीं है, बल्कि वे सामाजिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक आयोजनों में भी सक्रिय सहभागिता निभाते रहे हैं। विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं संस्थाओं द्वारा उत्कृष्ट कार्यों और उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें अनेक बार सम्मानित किया जा चुका है। उनकी सक्रियता और समाज के प्रति समर्पण उन्हें एक बहुआयामी व्यक्तित्व के रूप में स्थापित करता है।

जनसेवा के कार्यों में भी अग्रणी

संजय राय मिलन समिति के माध्यम से जनसेवा के कार्यों में भी निरंतर अपनी सहभागिता निभाते हैं। सामाजिक सरोकारों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और सेवा-भावना उनके व्यक्तित्व की महत्वपूर्ण विशेषताएं हैं। फोटोग्राफी के माध्यम से समाज की गतिविधियों को अभिव्यक्ति देने के साथ-साथ जनसेवा के क्षेत्र में उनकी सक्रियता सराहनीय है।

भारत विकास परिषद द्वारा किया गया उनका सम्मान-उनकी रचनात्मक प्रतिभा, कार्यनिष्ठा और सामाजिक योगदान का सम्मान है। परिषद की इस पहल को समाज में सकारात्मक कार्य करने वाले व्यक्तित्वों को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

अध्ययन सामग्री पाकर खिले बच्चों के चेहरे, शिक्षा और संस्कार का दिया संदेश

सतना स्वतंत्रमत। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शासकीय विद्यालय पिपरी टोला में शिवा ग्रामीण विकास संस्थान और जय बिरसा मुंडा ग्रामीण विकास एवं शोध समिति द्वारा विद्यार्थियों को स्टेशनरी वितरित की गई। इस पहल का उद्देश्य बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना और उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में सहयोग देना रहा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य सलाहकार शिव नारायण पटेल ने कहा कि पढ़ाई के लिए आवश्यक साधन मिलने से बच्चे तेजी से आगे बढ़ सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को जल्दी सोने.जागनेए बड़ों का सम्मान करनेए ईमानदारी से कार्य करने तथा पर्यावरण और जल संरक्षण की सीख दी। जिला समन्वयक आशीष ताम्रकार ने कहा कि समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाना ही सच्चे अर्थों में देशभक्ति है। विकास खंड समन्वयक अरुण सिंह ने कहा कि छोटे.छोटे प्रयासों से बड़े परिणाम हासिल किए जा सकते हैं। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका देवकी दहायत ने कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों का मनोबल बढ़ता है और उन्हें पढ़ाई के लिए नई प्रेरणा मिलती है। राजेश त्रिपाठी ने स्वागत भाषण दिया जबकि संध्या अग्निहोत्री ने अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को स्टेशनरी वितरित कर नियमित अध्ययन और मेहनत के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर शिव नारायण पटेल का शाल एवं स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन शिवा ग्रामीण विकास संस्थान के बृजेंद्र सिंह ने किया तथा आभार प्रदर्शन परामर्शदाता शिखा सिंह ने किया।

5 महीने बाद भी नहीं हुई कार्रवाई अब कलेक्टर से न्याय की गुहार

जमीन पर जबरन निर्माण और जान से मारने की धमकी का मामला सिविल लाइन थाना का

सतना स्वतंत्रमत। जमीन पर जबरन कब्जा कर निर्माण करने और विरोध करने पर गाली.गलौज व जान से मारने की धमकी देने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। पीड़ित ने 21 मई को सिविल लाइन थाने में आवेदन दिया था लेकिन आरोप है कि 5 महीने बीत जाने के बाद भी पुलिस ने आज तक कोई कार्रवाई नहीं की। अब थक.हार कर मोहम्मद नसीम ने सतना कलेक्टर से मामले की जांच कर न्याय दिलाने की मांग की है। गौरतलब है कि सिविल लाइन थाना क्षेत्र के वार्ड 29 यू एस ए होटल के सामने चर्च के पीछे रहने वाले मोहम्मद नसीम ने आवेदन में बताया था कि सुबह करीब 8.30 बजे उसके घर के सामने स्थित जमीन पर कुछ लोगों द्वारा जबरन निर्माण किया जा रहा है। यह जमीन पर जब उसने निर्माण रोकने को कहा तो पड़ोस में ही रहने वाले अमीन खान ने अपने साथ कई लोगों को लेकर नसीम के साथ गाली.गलौज की और बोले कि यहां से चले जाओ नहीं तो जान से खत्म कर देंगे और पूरी जमीन पर कब्जा कर लेंगे। पीड़ित के अनुसार इस संबंध में उसने 21/5/26 को सिविल लाइन थाने में लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की थी। लेकिन पुलिस ने न तो मौके पर जांच की और न ही आरोपियों पर कोई कार्रवाई की जिससे आरोपियों के हौसले बुलंद हैं बताया जाता है कि मोहम्मद नसीम ने अपने जमीन का पूर्व में सीमांकन भी कर चुका है और जमीन पर पत्थर गद्दी भी पटवारी द्वारा की गई थी। अब फरियादी ने कलेक्टर कार्यालय में आवेदन देकर मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और उसे न्याय दिलाया जाए।

मंत्री उदय प्रताप सिंह ने किया 6 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि पूजन

गाडरवारा। (स्वतंत्र मत) । विगत दिवस पीएम श्री शासकीय कन्या नवीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गाडरवारा में लगभग 6 करोड़ रुपये की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण मध्य प्रदेश शासन के स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री तथा क्षेत्रीय विधायक उदय प्रताप सिंह के मुख्य आतिथ्य में भव्य समारोह के साथ संपन्न हुआ। विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री श्री सिंह ने लगभग 3 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले अत्याधुनिक इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का विधि-विधान से भूमिपूजन किया। इसके साथ ही विद्यालय में पूर्ण हो चुके अन्य विकास कार्यों का लोकार्पण भी उनके द्वारा किया गया। इस कॉम्प्लेक्स के बनने से बैडमिंटन, टेबल टेनिस, शतरंज, योग, कैरम सहित विभिन्न इनडोर खेलों की अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधा अपने ही नगर में मिल सकेगी। भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम के पश्चात मंत्री उदय प्रताप सिंह ने विद्यालय की छात्राओं से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने कक्षाओं में जाकर छात्राओं से उनकी पढ़ाई, शिक्षकों की उपलब्धता, गणवेश, पुस्तकें, स्मार्ट क्लास, प्रयोगशाला एवं विद्यालय की अन्य व्यवस्थाओं की विस्तार से जानकारी ली।

छात्राओं ने भी उत्साह के साथ अपनी बातें मंत्री जी के समक्ष रखीं। इस अवसर पर अपने संबोधन में कैबिनेट मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार का संकल्प है कि प्रदेश की बेटियों को शिक्षा के साथ-साथ खेल एवं अन्य गतिविधियों के लिए भी बेहतर से बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। हमारा प्रयास है कि हमारी बेटियां सिर्फ किताबी ज्ञान तक सीमित न रहें, बल्कि वे शारीरिक, मानसिक रूप से सशक्त बनें और अपने सपनों को साकार कर सकें। पीएम श्री योजना के तहत हर स्कूल को मॉडल स्कूल के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहाँ स्मार्ट क्लास, आधुनिक लैब, डिजिटल लाइब्रेरी, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स जैसी सभी सुविधाएं एक ही परिसर में मिलेंगी। बेटियों की शिक्षा और सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती साधना स्थापक ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश सरकार बेटियों की शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए लगातार काम कर रही है। बेटियां आगे बढ़ेंगी तो समाज आगे बढ़ेगा।

पूर्व विधायक नरेश पाठक ने भी छात्राओं को मन लगाकर पढ़ाई करने और जीवन में बड़े लक्ष्य निर्धारित करने की प्रेरणा दी ।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए नगरपालिका अध्यक्ष पं. शिवाकांत मिश्रा ने कहा कि गाडरवारा नगर में शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य हो रहे हैं। मंत्री जी के प्रयासों से गाडरवारा को शिक्षा हब के रूप में विकसित किया जा रहा है, यह हम सभी के लिए गर्व की बात है।

कार्यक्रम का सफल मंच संचालन पूर्व पार्षद रीतेश राय ने किया। इस अवसर पर प्राचार्य सतीश नायक, मुख्य नगर पालिका अधिकारी रितु मेहरा, पार्षद सुरेंद्र गुर्जर, आनंद दुबे, चंचल कोरी, सतीश कौरव, नगरपालिका कर्मचारी, विद्यालय के समस्त शिक्षकगण, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

कान्हा नेशनल पार्क में लंबे इंतजार के बाद जंगली भैंसों की पुनर्स्थापना
मुख्यमंत्री ने की जंगल सफारी, भाजपा जिला अध्यक्ष ने किया अभिवादन

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

कान्हा टाइगर रिजर्व में मध्यप्रदेश से विलुप्त हो चुके जंगली भैंसा को पुनः स्थापित करने के उद्देश्य से संचालित महत्वाकांक्षी पुनर्स्थापना परियोजना के द्वितीय चरण का शुभारंभ मुख्यमंत्री के करकमलों से किया गया। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत जंगली भैंसा के पुनर्स्थापन के लिए कान्हा टाइगर रिजर्व के सुपखार क्षेत्र का चयन किया गया है। परियोजना के तहत 28 अप्रैल एवं 9 मई को असम से कुल 8 जंगली भैंसों को लगभग 2200 किलोमीटर की सड़क यात्रा के माध्यम से सुरक्षित रूप से कान्हा टाइगर रिजर्व लाया गया था। परियोजना के प्रथम चरण का शुभारंभ 28 अप्रैल को मुख्यमंत्री द्वारा किया गया था। परियोजना के द्वितीय चरण के अंतर्गत सभी 8 जंगली भैंसों को बड़े बाड़े में स्थानांतरित किया गया। यह पहल जंगली भैंसों के अनुकूलन, संरक्षण एवं मध्यप्रदेश में उनकी आबादी को पुनः स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कान्हा टाइगर रिजर्व में संचालित जंगली भैंसा पुनर्स्थापना परियोजना जैव विविधता संरक्षण, पारिस्थितिक संतुलन की बहाली तथा प्रदेश की प्राकृतिक विरासत को संरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। इस परियोजना के माध्यम से जंगली भैंसा के लिए अनुकूल प्राकृतिक आवास विकसित करने तथा भविष्य में मध्यप्रदेश में इसकी स्थायी आबादी स्थापित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

अधिकारी कर्मचारियों का सम्मान

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने असम के काजीरंगा क्षेत्र से जंगली भैंसों को सुरक्षित रूप से मध्यप्रदेश के कान्हा टाइगर रिजर्व अंतर्गत सुपखार तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले परिवहन दल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया। इस दौरान दल के प्रत्येक सदस्य को 10 हजार की राशि का चेक प्रदान किया गया। यह सम्मान वन्यजीव संरक्षण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता समर्पण एवं योगदान के प्रति सराहना का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने की जंगल सफारी

मुख्यमंत्री ने कहा है कि कान्हा नेशनल पार्क हमारे देश का नहीं पूरे एशिया महाद्वीप का सबसे बड़ा नेशनल पार्क है। सघन वनों से आच्छादित कान्हा नेशनल पार्क मुख्यत बाघ चीता लकड़बग्घा

हाथी एवं अन्य कई वन्यजीवों से समृद्ध है। उन्होंने सभी वन्य जीव प्रेमियों पर्यटकों और नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वन्य प्राणियों के साहचर्यपूर्ण नैसर्गिक जीवन को क़रीब से निहारने के लिए कम से कम एक बार कान्हा नेशनल पार्क जरूर आएं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में श्योपुर जिले के कूनो नेशनल पार्क में हमारा चीता पुनर्बसाहट प्रोजेक्ट बड़ी सफलता के साथ आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री सोमवार को जिले के किसली कान्हा में स्थानीय मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा कर रहे थे।

पदोन्नित मुख्यमंत्री ने लगाए बैच

सोमवार को मंडला आए मुख्यमंत्री ने जिले के दो पुलिस अधिकारियों को पदोन्नत होने पर बैच लगाकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने डीएसपी पद पर पदस्थ सतीश चतुर्वेदी और पीएस वालरे को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के पद पर पदोन्नत होने पर बैच लगाए। इस अवसर पर कमिश्नर जबलपुर धनंजय सिंह, कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

बच्चों से किया आत्मीय संवाद

मुख्यमंत्री ने जिले के टाटरी में स्कूली बच्चों के बीच पहुंचकर आत्मीयता और सहज संवाद की मिसाल पेश की। टाटरी हेलीपेड जाते समय मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एक निजी पब्लिक स्कूल में अपना काफिला रुकवाया और वहां प्रार्थना सभा में शामिल विद्यार्थियों से मुलाकात की मुख्यमंत्री को अचानक अपने बीच पाकर बच्चे और उनके टीचर्स बेहद उत्साहित नजर आए। स्कूल में उस समय बच्चों की रुटीन असेम्बली चल रही थी मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों को परमपिता परमेश्वर से सबके कल्याण की प्रार्थना करते देखा तो वे उनके बीच पहुंच गए। उन्होंने बच्चों से प्यार से बातचीत की उनके नाम पूछे और यह भी जाना कि वे किस कक्षा में पढ़ते हैं तथा उनकी पढ़ाई कैसी चल रही है मुख्यमंत्री ने बच्चों को दुलारते हुए खूब मन लगाकर पढ़ने-लिखने के लिए प्रेरित किया। बच्चों के साथ उनका संवाद नितान्त सहज आत्मीय और अपनत्व से भरा रहा।

भाजपा जिला ने किया स्वागत अध्यक्ष

मुख्यमंत्री दो दिवसीय प्रवास पर मंडला पहुंचे। मुख्यमंत्री ने सुपखार पहुंचकर असम के काजीरंगा टाइगर रिजर्व से लाए गए 8 जंगली भैंसों को छोटे बाड़े से निकालकर बड़े बाड़े में सॉफ्ट रिलीज किया। इस अभियान का उद्देश्य कान्हा के प्राकृतिक वातावरण में जंगली भैंसों की आबादी को फिर से स्थापित करना है। इसके बाद मुख्यमंत्री ने मुक्की में रात्रि विश्राम किया। अगले दिन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुक्की से सफारी करते हुए कान्हा के किसली क्षेत्र पहुंचे। यहां भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने मुख्यमंत्री का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया। इस दौरान मुख्यमंत्री और भाजपा जिलाध्यक्ष के बीच विभिन्न स्थानीय एवं संगठनात्मक विषयों को लेकर चर्चा हुई। चर्चा के दौरान निवास और बिछिया विधानसभा क्षेत्र से जुड़े विषय भी मुख्यमंत्री के समक्ष रखे गए। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने मुख्यमंत्री से दोनों विधानसभा क्षेत्रों के दौरे का आग्रह किया।

अधिकारियों जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति-कार्यक्रम में मध्यप्रदेश शासन के वन विभाग के प्रमुख सचिव राघवेंद्र सिंह, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख शुभरंजन सेन, प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्यजीव डॉ. समीता राजौरा, मध्यप्रदेश अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य भगत सिंह नेताम, बालाघाट के पुलिस उप महानिरीक्षक विनीत जैन, क्षेत्र संचालक कान्हा टाइगर रिजर्व रवीन्द्र मणि त्रिपाठी, कलेक्टर कुमार सत्यम, पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा, उप संचालक प्रकाश कुमार वर्मा, पिछड़ा वर्ग आयोग की सदस्य श्रीमती मौसम बिसेन, पूर्व मंत्री रामकिशोर कांवरे तथा जिला पंचायत सदस्य श्रीमती अनुपमा नेताम सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

विश्व रिकॉर्ड में दर्ज कराया नाम

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिले के बम्हनी बंजर के शीतला वार्ड निवासी नन्ही बालिका क्रिषा दुबे ने महज 5 माह 20 दिन की उम्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धि हासिल कर मंडला का नाम रोशन किया है। क्रिषा ने 32 विभिन्न फ्लैश कार्ड्स की पहचान कर यंगेस्ट फ्लैश कार्ड रिकॉग्निशन प्रॉडिजी का खिताब अपने नाम किया और विश्व रिकॉर्ड में जगह बनाई क्रिषा, कृष्ण कुमार दुबे एवं आशिमा दुबे की पुत्री तथा पंडित ओमप्रकाश दुबे एवं बसंत दुबे की पौत्री हैं। क्रिषा ने पांच अलग-अलग रंगों, पांच प्रकार के फलों, तीन जानवरों, 16 ब्लैक एंड व्हाइट कार्ड्स तथा तीन पक्षियों सहित कुल 32 फ्लैश कार्ड्स की पहचान कर अपनी स्मरण क्षमता का प्रदर्शन किया।

नदी में गिरते बचा वाहन

मण्डला/मोहगांव(स्वतंत्रमत)। जिले के मोहगांव क्षेत्र में एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। बुढ़नेर नदी के पुल पर मुर्गियों से लदी एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर पुल की बाउंड्री से टकरा गई। गनीमत रही कि पुल में रेलिंग न होने के बावजूद पिकअप किसी तरह लटक गई और नदी में गिरने से बच गई नहीं तो बड़ी जनहानि हो सकती थी प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पिकअप वाहन मंडला की ओर से आ रहा था। बुढ़नेर पुल पर पहुंचते ही चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया। वाहन पुल के एक किनारे जाकर अटक गया। घटना में चालक को मामूली चोटें आई हैं और सैकड़ों मुर्गियां घायल हो गईं।

खाई में गिरा ऑटो, 12 घायल

मण्डला/निवास(स्वतंत्रमत)। निवास थाना क्षेत्र में रविवार को एक बड़ा हादसा हो गया। ग्राम डुंगरिया से नर्मदा स्नान के लिए जा रहे श्रद्धालुओं से भरा ऑटो बसगढ़ी घाट के पास अनियंत्रित होकर करीब 25 फीट गहरी खाई में जा गिरा। हादसे में दो बच्चों सहित करीब 12 श्रद्धालु घायल हो गए। इनमें तीन महिलाओं की हालत गंभीर बताई जा रही है जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।

शांति समिति की बैठक

मण्डला(स्वतंत्र मत)। जिला योजना भवन में कलेक्टर की अध्यक्षता में आगामी दुर्गोत्सव दशहरा और शरद पूर्णिमा पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने हेतु जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में दुर्गा अष्टमी 18 अक्टूबर को दशहरा 20 अक्टूबर को एवं शरद पूर्णिमा 26 अक्टूबर को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा स्वच्छता और व्यवस्थापन को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। कलेक्टर ने कहा कि नवरात्रि का पावन उत्सव में आयोजन समितियों का सहयोग आवश्यक है।

कन्या हाईस्कूल रामनगर को प्रथम पुरस्कार

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

राष्ट्रीय पोषण माह 2026 के अंतर्गत जिले के विभिन्न विद्यालयों में 28 सितंबर से 10 अक्टूबर तक पोषण एवं स्वास्थ्य जागरूकता से जुड़े विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। भारत स्काउट्स एंड गाइड्स एवं यूनिसेफ के संयुक्त तत्वावधान में संचालित क्लेप प्रोजेक्ट के तहत आयोजित गतिविधियों में पीएमश्री शासकीय कन्या हाईस्कूल रामनगर को प्रथम तथा शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नैनपुर को द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग एवं जिला कमिश्नर स्काउट डॉ. अरुण कुमार शुक्ला तथा डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर लोक सिंह पदम के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रमों की थीम संतुलित पोषण समग्र स्वास्थ्य रही। विद्यार्थियों को संतुलित आहार आयरन की उपयोगिता एनीमिया से बचाव स्वस्थ टिफिन और जंक फूड के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। इसके साथ ही पोषण जागरूकता रैली कार्यशाला बिंगो गेम स्वच्छता अभियान और घर-घर जागरूकता गतिविधियां आयोजित हुईं नैनपुर विद्यालय में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने 480 विद्यार्थियों का एनीमिया एवं स्वास्थ्य परीक्षण किया, जबकि मेरी थाली सेहत वाली कार्यक्रम से लगभग 115 विद्यार्थी लाभान्वित हुए। 10 अक्टूबर को आयोजित समापन समारोह में प्रमाणपत्र एवं पुरस्कार वितरित किए गए।

मद्य निषेध सप्ताह का समापन

मण्डला। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग के निर्देशानुसार 2 से 8 अक्टूबर तक जिले में नशा मुक्त भारत अभियान अंतर्गत मद्य निषेध संकल्प सप्ताह आयोजित किया गया। सप्ताह का शुभारंभ 2 अक्टूबर को गांधी मैदान मंडला में गांधी प्रतिमा के समक्ष नशामुक्ति शपथ के साथ हुआ। इस दौरान ग्राम पंचायतों वार्डों महाविद्यालयों एवं स्कूलों में नुक्कड़ नाटक नृत्य संगीत निबंध रंगोली ड्राइंग भाषण आदि के माध्यम से नशे के दुष्प्रभावों पर जागरूकता कार्यक्रम हुए। समापन अवसर पर आरडी कॉलेज में सामाजिक सुरक्षा अधिकारी पीयूष पांडेय द्वारा प्रतियोगिताओं के विजेताओं को ट्रॉफी मेडल एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए तथा ई-प्लेज के माध्यम से शपथ दिलाई गई।

विद्यार्थियों को बांटी शैक्षिणक सामग्री

मण्डला/घुघरी(स्वतंत्रमत)।

सेवा संकल्प अभियान के तहत कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय घुघरी में सेवा मेरा योगदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं को शिक्षण सामग्री स्कूल बैग एवं अन्य उपयोगी उपहार वितरित कर उत्साहवर्धन किया गया। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि दिव्येश तिवारी ने बताया कि सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. फग्गन सिंह कुलस्ते के प्रयासों से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने घुघरी एवं मोहगांव विकासखंड में महाविद्यालय खोलने घोषणा की है।

इसकी जानकारी मिलते ही विद्यार्थियों ने तालियां बजाकर खुशी जताई साथ ही विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य और वर्ष 2047 तक विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत के संकल्प पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम

में जनपद पंचायत उपाध्यक्ष सिहारेलाल करचाम, भाजपा जिला उपाध्यक्ष रामप्रकाश साहू, मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र धुर्वे, मंडल मंत्री मणिकांत चौरसिया, पूर्व मंडल अध्यक्ष शंभू प्रसाद साहू, अवधेश चौरसिया, विकासखंड शिक्षा अधिकारी एल.एस. उइके, बीआरसी हर्ष ज्योतिषी एवं विद्यालय प्राचार्या दुलारी सैयाम सहित शिक्षक, विद्यार्थी और पालक उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन शिक्षक श्री यादव ने किया। आयोजन में वरिष्ठ शिक्षक श्यामसुंदर अग्रवाल, सुनील झारिया एवं अभिलाषा पाठक का विशेष सहयोग रहा।

महाराजा अग्रसेन की जयंती मनाई

मण्डला/नारायणगंज(स्वतंत्रमत)। महाराजा अग्रसेन महाराज की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में समाज के लोगों में उत्साह एकजुटता और सामाजिक सहभागिता देखी गई। कार्यक्रम को भव्य एवं सफल बनाने में समाज के युवा कार्यकर्ताओं ने अथक मेहनत और सराहनीय प्रयास किए युवा कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका और सामाजिक बंधुओं के सहयोग से कार्यक्रम भव्यता के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर युवाओं के प्रयासों की सराहना करते हुए सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। साथ ही आशा जताई गई कि युवा साथी भविष्य में भी इसी तरह सामाजिक कार्यक्रमों को उत्साहपूर्वक आयोजित करते रहेंगे। कार्यक्रम की सफलता में प्रवेश अग्रवाल, राजा अग्रवाल सागर अग्रवाल, अमन अग्रवाल, समीर अग्रवाल, योगेश अग्रवाल एवं मयंक अग्रवाल सहित अन्य सामाजिक बंधुओं का विशेष सहयोग रहा।

मंगली शिविर में पहुंचे सांसद किया भूमिपूजन

मण्डला/मवई(स्वतंत्रमत)। ग्राम पंचायत मनोरी के पोषक ग्राम मंगली में मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना और ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देना रहा। इस दौरान ग्रामीणों को विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी देकर पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया साथ ही क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया गया कार्यक्रम में पूर्ण हुए चार विकास कार्यों का लोकार्पण भी किया गया। इनमें ग्राम पंचायत भीमडोंगरी के सास-बहू तालाब में घाट निर्माण, कलवा खेरो में नाली निर्माण तथा ग्राम पंचायत मनोरी में खेरमाई रंगमंच निर्माण और मंगली के कबीर मोहल्ले में नाली निर्माण कार्य शामिल हैं। ग्राम पंचायत भीमडोंगरी के सरई पड़ाव में दुर्गा सामुदायिक भवन निर्माण, कलवा खेरो में खेरमाई रंगमंच निर्माण तथा गुरु महाराज दरबार में चौपाल फर्श निर्माण शामिल हैं इसके अतिरिक्त ग्राम पंचायत इंद्री के सरई टोला में

खेरमाई रंगमंच निर्माण कार्य का भी भूमिपूजन किया गया। कार्यक्रम में मंडला लोकसभा क्षेत्र के सांसद एवं पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते, जिला पंचायत मंडला अध्यक्ष संजय कुशराम, बिछिया के पूर्व विधायक एवं भाजपा मंडला के महामंत्री पंडितसिंह धुर्वे सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में भाजपा मंडल मवई अध्यक्ष प्रहलाद मरकाम, सांसद प्रतिनिधि विपिन राय, जनपद सदस्य अनंत सिंह राठौर एवं हरे सिंह पंद्रे, मुन्ना मरकाम, अक्षय परते, चंद्र कुमार झरिया, ग्राम पंचायत की सरपंच रेखा धुर्वे, ओम प्रकाश मरावी, करन सिंह मरावी, सहस राम धुर्वे, सोहन मरावी, आलम दास धारया, नीलेश यादव, गणेश मरावी, हीरा सैयाम और सुरेंद्र धुर्वे सहित क्षेत्र के अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

रेलवे सुरक्षा बल नैनपुर में पदस्थ आरक्षक पर अवैध वसूली के आरोप

रूपये न देने पर चालानी कार्यवाही,आरक्षक के संरक्षण में फल-फूल रहा रेल्वे क्षेत्र में अवैध कारोबार

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। रेलवे संपत्ति और यात्रियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने वाले रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) नैनपुर में पदस्थ तथाकथित आरक्षक पर अवैध वसूली के गंभीर आरोप सामने आए हैं। आरोप है कि रेलवे क्षेत्र में संचालित कथित अवैध गतिविधियों पर कार्रवाई करने के बजाय संबंधित आरक्षक द्वारा वसूली की जा रही है।

सुरक्षा की जिम्मेदारी या अवैध वसूली का खेल- रेलवे क्षेत्र में अवैध कारोबार संचालित होने और उसके बदले कथित रूप से रकम वसूले जाने के आरोपों ने रेलवे सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि इन आरोपों में सच्चाई है तो यह रेलवे सुरक्षा बल की छवि को धूमिल करने वाला गंभीर मामला है। वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी पर सवाल उठ रहा है।

निष्पक्ष जांच से सामने आएगी सच्चाई-मामले की गंभीरता को देखते हुए रेलवे सुरक्षा बल के वरिष्ठ अधिकारियों से आरोपों आरक्षक की निष्पक्ष जांच कराने की मांग उठ रही है। सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार उक्त आरक्षक नैनपुर में 5-6 वर्षों से जमे रहकर अपना सिक्का चलाते आ रहा है। सबसे बड़ा सवाल रत है कि रेलवे क्षेत्र में अवैध कारोबार रोकने वाले ही यदि वसूली के आरोपों में घिर जाएं, तो सुरक्षा व्यवस्था पर जनता का भरोसा कैसे कायम रहेगा?

नियति पब्लिक स्कूल पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

अचानक रुका मुख्यमंत्री का काफिला, नौनिहालों से की मुलाकात; शिक्षकों और विद्यालय प्रबंधन के प्रयासों को सराहा

नैनपुर(स्वतंत्र मत)। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का कान्हा अभ्यारण्य प्रवास से राजधानी भोपाल लौटते समय एक आत्मीय और यादगार पड़ाव देखने को मिला। टाटरी हेलीपेड जाते समय मुख्यमंत्री का काफिला अचानक नियति पब्लिक स्कूल में रुक गया। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर विद्यालय के नौनिहालों, शिक्षकों और प्रबंधन में उत्साह की लहर दौड़ गई। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बच्चों से मुलाकात की, उनके साथ कुछ समय बिताया और ग्रामीण अंचल में शिक्षा की अलख जगाने के विद्यालय के प्रयासों की सराहना

की। मुख्यमंत्री के साथ प्रशासनिक अधिकारियों का काफिला भी विद्यालय पहुंचा। अचानक हुए इस आगमन से विद्यालय परिसर में उत्सुकता और उल्लास का माहौल बन गया। बच्चों के लिए यह पल किसी विशेष उपलब्धि से कम नहीं था। प्रदेश के मुखिया को अपने सामने पाकर उनके चेहरे खिल उठे। मुख्यमंत्री ने भी बच्चों के बीच सहजता से समय बिताते हुए उनके प्रति स्नेह और अपनत्व प्रदर्शित किया।

ग्रामीण अंचल में शिक्षा की पहल को सराहा-कान्हा अंचल का ग्रामीण परिवेश अपनी प्राकृतिक सुंदरता और विशिष्ट पहचान के लिए जाना जाता है। ऐसे क्षेत्र में नियति पब्लिक स्कूल द्वारा नन्हे विद्यार्थियों को शिक्षा से जोड़ने और उनके भविष्य की नींव मजबूत करने का प्रयास महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मुख्यमंत्री ने विद्यालय पहुंचकर यहां की शैक्षणिक गतिविधियों और व्यवस्थाओं को देखा तथा बच्चों के भविष्य निर्माण में जुटे शिक्षकों एवं विद्यालय प्रबंधन के प्रयासों की सराहना कर उनका उत्साहवर्धन किया। मुख्यमंत्री का यह आकस्मिक आगमन विद्यालय परिवार के लिए केवल एक औपचारिक मुलाकात नहीं, बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर बेहतर कार्य करने की प्रेरणा बन गया। ग्रामीण परिवेश में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में जुटे शिक्षकों के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री का प्रोत्साहन निश्चित ही उत्साह बढ़ाने वाला क्षण रहा।

पुराना जुड़ाव भी बना आगमन की वजह-बताया जाता है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का नियति पब्लिक स्कूल से पहले का परिचय भी रहा है। मुख्यमंत्री बनने से पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री के रूप में वे एक कार्यक्रम के सिलसिले में इस विद्यालय में आए थे। विद्यालय से जुड़ी पुरानी स्मृतियां उनके मन में बनी हुई थीं। ऐसे में कान्हा प्रवास से वापसी के दौरान विद्यालय पहुंचकर बच्चों से मिलने और शिक्षकों व प्रबंधन का उत्साह बढ़ाने का उनका यह कदम विशेष महत्व रखता है।

// आम सूचना पत्र//

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार मेसर्स वृंदावन एसोसिएट शासकीय जिला अस्पताल के पीछे आजाद वार्ड मंडला तहसील व जिला मंडला (मप्र) की ग्राम देवदरा मंडला में स्थित भूमि खसरा नम्बर 157 के बावद श्रीमति सीमा धुर्वे एवं श्री गंधू सिंह धुर्वे से जो विक्रय अनुबंधो हुए थे जो कि इनके द्वारा (श्रीमति सीमा धुर्वे एवं श्री गंधू सिंह धुर्वे) द्वारा समय अवधि अनुबंधो की शर्तो का पालन न करने एवं अन्य अपवादिक कारणो से अनुबंधो समाप्त (निरस्त) हो चुके है। अतः ऐसे अनुबंधो के आधार पर उक्त भूमि के संबंध में कोई भी व्यक्ति/बैंक/ शासकीय /अशासकीय / संस्था /निगम अथवा कोई भी संयुक्त परिवार इत्यादि कोई भी लेन देन/ संव्यवहार या अनुबंध न करें। अन्यथा ऐसे लेन-देन यदि कोई भी व्यक्ति/ बैंक/ शासकीय/ अशासकीय/ संस्था/ निगम संयुक्त परिवार यदि लेन देन करता है तो वह स्वतः जवाबदार होगा उक्त अनुबंधी हेतु मेरे पक्षकार मेसर्स वृंदावन एसोसिएट शासकीय जिला अस्पताल के पीछे आजाद वार्ड मंडला तहसील व जिला मंडला(मप्र) अथवा फर्म का कोई भी भागीदार जिम्मेदार नहीं होगा।

अनुराग चौरसिया
अधिवक्ता वास्ते
मेसर्स वृंदावन एसोसिएट
शासकीय जिला अस्पताल के पीछे
आजाद वार्ड मंडला तहसील व जिला
मंडला (मप्र)
दिनांक - 12.10.2026
स्थान - मंडला

संपादकीय

सरकार का यह कैसा डर?

10 अक्टूबर 2026 को इतिहास में एक काली, डरावनी, दमनकारी तारीख के तौर पर दर्ज किया जाएगा। पुलिस ने सड़कों पर कीलें गाड़ दी थीं, ताकि कोई गाड़ी उन रास्तों से गुजरे, तो टायर में पंक्चर हो जाए। यह कैसा लोकतंत्र है? देश की राजधानी दिल्ली में ऐसे दृश्य हमने युद्धों के दौरान भी नहीं देखे। वैश्विक महामारी कोरोना के दौरान भी तालाबंदी थी, लेकिन नागरिक अधिकार तब भी जिंदा थे। 7000 से अधिक युवाओं और कुछ नेताओं-सांसदों को हिरासत में लिया गया। रात होने लगी, तो उन्हें छोड़ भी दिया गया। राजधानी दिल्ली की चौतरफा किलेबंदी की गई, सीमाएं लगभग सील कर दी गईं, ड्रोन उड़ते देखे गए मानो किसी बाहरी आक्रमण या आतंकी हमले की आशंका हो! मानो कोई विदेशी आक्रांता हमारे देश को लूटने आ रहा हो! मेट्रो ट्रेन के 45 स्टेशन बंद किए गए। न प्रवेश, न ही निकास और न ही इंटरचेंज! करीब 62 लाख लोग हररोज मेट्रो के जरिए इधर से उधर जाते हैं। कल्पना करें, कितने लोगों के पांव बांध दिए गए होंगे! करीब 250 ट्रेन रद्द कर दी गईं, जो दिल्ली से अन्य राज्यों को जाती थीं और वहां से दिल्ली की ओर आती थीं। करीब 38,000 जवान, अर्द्धसैन्य बल और अन्य बलों के जवान दिल्ली में चारों तरफ तैनात कर दिए गए। नतीजतन 'जंतर-मंतर' तक कोई नहीं पहुंच पाया, लेकिन कनॉट प्लेस की गलियों में युवा नारेबाजी करते रहे। पुलिस से कई जगह टकराव भी हुए, लेकिन उन्होंने साबित कर दिया कि वे भी देश की ताकत हैं।

अहम सवाल है कि क्या कॉकरोचों से इतने खतरे या उपद्रवों की आशंकाएं थी? क्या खुफिया एजेंसियों ने भी ऐसी रपटें दी थीं कि कॉकरोच राजधानी में उत्पात मचा सकते हैं और काट कर जहर फैला सकते हैं? सर्वोच्च अदालत के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली न्यायिक पीठ ने कहा था कि मक्खी को मारने के लिए हथौड़ा न चलाएं। मेट्रो, ट्रेनें, सड़कें, परिवहन आदि के कारण आम नागरिक को परेशानी नहीं होनी चाहिए। सरकार धरने-प्रदर्शन की वैकल्पिक जगह तय कर सकती है। चूंकि सरकार और पुलिस ने सर्वोच्च अदालत की टिप्पणियों को हल्के में लिया, लिहाजा अब 'अदालत की अवमानना' के तहत केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन को अदालत में तलब किया गया है। बहरहाल, त्योहारों का मौसम शुरू हो चुका है। इस दौरान औसतन 3-4 लाख लोग हररोज दिल्ली के बाजारों में आते हैं। करीब 5 लाख व्यापारी काम करते हैं। मेट्रो और ट्रेनें बंद कर दी गईं, तो खरीददार दिल्ली तक कैसे आएंगे? पेट्रोल पंपों में भी भीड़ बहुत कम देखी गई। होटल, रेस्तरां, सिनेमा की बुकिंग रद्द कर दी गईं। व्यापार संगठनों का अनुमान है कि करीब 2000 करोड़ रुपए का नुकसान एक ही दिन में हुआ है! यह कैसी जन-व्यवस्था, कानून-व्यवस्था, आंतरिक सुरक्षा है कि नागरिक ही पिस रहा है? यह धारणा मोदी सरकार के खिलाफ भी जा सकती है। क्या प्रदर्शनकारी कॉकरोच इतने खतरनाक और ताकतवर आंके गए हैं कि राजधानी दिल्ली को बंद, लगभग ठप, करने की नौबत आ गई? कॉकरोच जनता पार्टी कोई मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल नहीं है, कुंठित और महत्वाकांक्षी युवाओं का समूह भर है, लेकिन युवाओं, खासकर जेन-जी, को एक ऐसा मंच मिल चुका है, जहां से वे अपना आक्रोश, गुस्सा और अपने मुद्दों को बयां कर सकते हैं। अब इन कॉकरोचों को ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस, केजरीवाल की 'आप' और वामपंथी दलों का सहयोग और समर्थन भी मिल गया है। कल तक जो चेहरे अज्ञात और अनजान थे, दिल्ली की इस किलेबंदी ने उन्हें 'युवा नेता' बना दिया है। वे भविष्य में देश की जनता की धारणा के वाहक नेता भी बन सकते हैं। लिहाजा, सरकार को युवा पीढ़ी जो कह रही है, उन बातों पर गौर करना चाहिए।

पत्नी, मां और गृहिणी से आगे

परिवर्तन की नई आवाज बनती भारतीय लड़कियां

राज कुमार सिन्हा

परंपरागत रूप से, महिलाएं घरेलू क्षेत्र तक अपने को सीमित रखती हैं, जिसमें पत्नी, मां और गृहिणी के रूप में उनकी भूमिकाओं पर बल दिया जाता है। परन्तु भारत में महिलाओं की भूमिका में व्यापक परिवर्तन देखा जा रहा है। हाल ही में दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए दो बड़े विरोध प्रदर्शनों,जुलाई 2026 में तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ और अक्टूबर 2026 में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ भारतीय छात्र राजनीति और सामाजिक आंदोलनों में लड़कियों और महिलाओं की भूमिका का एक नया खाका तैयार किया है।कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और छात्र संगठनों के नेतृत्व में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के लिए चले लगभग एक महीने के लंबे आंदोलन में लड़कियों ने वैचारिक और जमीनी दोनों स्तरों पर कमान संभाली थी। राजनीतिक विश्लेषकों ने इस आंदोलन को रेखांकित करते हुए लिखा है कि छात्राओं ने %कमजोर% समझे जाने वाले मुहावरों को तोड़कर खुद को आंदोलन के मोर्चे पर स्थापित किया है।मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ चल रहे हालिया प्रदर्शनों के दौरान महिलाओं की भागीदारी और उनके प्रति पुलिसिया रवैये ने %व्यवस्था% के एक अलग पहलू को सामने लाया है। आंदोलनकारी छात्राओं ने अपने साक्षात्कारों में यह स्पष्ट किया है कि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती मात्र से राज्य का रवैया संवेदनशील नहीं हो जाता है। उनके अनुसार, राज्य व्यवस्था का चरित्र पुरुष प्रधान ही रहता है, चाहे वर्दी पुरुष ने पहनी हो या महिला ने। जंतर-मंतर के ये हालिया घटनाक्रम दर्शाते हैं कि आधुनिक भारत में लड़कियां सिर्फ शैक्षणिक या आर्थिक सुधारों तक सीमित नहीं हैं। चाहे वह शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता का मुद्दा हो या लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की शुचिता या चुनाव आयोग की जवाबदेही? का, देश की युवतियां राजनीतिक और संवैधानिक तंत्र को चुनौती देकर व्यवस्था परिवर्तन की सबसे मुखर आवाज बन चुकी हैं।

दूसरी ओर जनरेशन अल्फा की छात्राओं और छात्रों ने शिक्षा व्यवस्था की जर्जर और अपर्याप्त स्थिति के खिलाफ एक अभूतपूर्व और बड़े स्तर पर विरोध संघर्ष छेडा हुआ है।जेन जी% के पेपर लीक आंदोलनों से प्रेरणा लेकर स्कूली बच्चे सीधे सड़कों पर उतरकर व्यवस्था से जवाबदेही मांग रहे हैं। सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाली छात्राओं को बुनियादी अधिकारों से वंचित रहना पड़ रहा है, जिससे लेकर देशव्यापी आंदोलन खड़ा हुआ है। यह असंतोष केवल भारत तक सीमित नहीं है। फ्रांस में भी मैक्रों सरकार की शिक्षा नीतियों के खिलाफ जेन अल्फा के स्कूली छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में सड़कों पर उतरे हैं। वहां छात्राओं की मांग है कि कक्षाओं में भीड़ कम की जाए, जर्जर इमारतों की मरम्मत हो और लंबे स्कूल समय (स्कूल ऑवर) की समीक्षा की जाए क्योंकि पढ़ाई का दबाव उनकी मानसिक स्थिति को प्रभावित कर रहा है। इतिहास और वर्तमान दोनों इस बात का गवाह है कि सड़कों पर व्यवस्था परिवर्तन की अलख जगाने वाली युवा लड़कियां आगे चलकर देश और दुनिया की नीतियां तय करने वाली शीर्ष राजनीतिक नेता बनी हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इसके कुछ सबसे सशक्त उदाहरण हैं। न्यूजीलैंड की पूर्व प्रधानमंत्री जैसिंडा अर्डर्न ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत युवावस्था में एक सामाजिक कार्यकर्ता और लेबर पार्टी के युवा विंग के सदस्य के रूप में की थी। उन्होंने मानवाधिकारों, बाल गरीबी और पर्यावरण के मुद्दों पर आंदोलनों में भाग लिया। युवावस्था में जमीनी मुद्दों पर सक्रियता के कारण ही वह मात्र 37 वर्ष की उम्र में दुनिया की सबसे युवा महिला राष्ट्राध्यक्षों में से एक बनीं। चिली में 2011 और 2019 के बड़े छात्र आंदोलनों का नेतृत्व युवा छात्राओं और लड़कियों ने किया था। इनमें से कैमिला वैलेजो एक प्रमुख छात्र आंदोलनकारी थी, जो बाद में चिली की संसद में पहुंचीं और वर्तमान में सरकार में मंत्री हैं। इसी तरह, इरीना करामानोस ने एक नारीवादी कार्यकर्ता के रूप में शुरुआत की और चिली की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

फिनलैंड की पूर्व प्रधानमंत्री साना मारिन एक बेहद सामान्य पृष्ठभूमि से आती थीं और उन्होंने युवावस्था में ही सामाजिक-राजनीतिक सक्रियता शुरू कर दी थी। वह सोशल डेमोक्रेटिक यूथ की उपाध्यक्ष बनीं और नागरिक अधिकारों के आंदोलनों से जुड़कर आगे बढ़ीं। वह 34 वर्ष की आयु में फिनलैंड की प्रधानमंत्री बनीं और उनके नेतृत्व वाले गठबंधन दल की सभी पांचों नेता महिलाएं थीं, जिनमें से चार की उम्र 35 वर्ष से कम थी।लड़कियों की शिक्षा के लिए तालिबान जैसे क्रूर संगठन के खिलाफ आंदोलन की शुरुआत करने वाली युसुफजई मलाला आज वैश्विक स्तर पर नीति-निर्धारकों को प्रभावित करती है। जलवायु परिवर्तन के खिलाफ %फ्राइडेज़ फॉर फ्यूचर% आंदोलन शुरू करने वाली ग्रेटा थनबर्ग ने दुनिया भर के राष्ट्राध्यक्षों और संयुक्त राष्ट्र को सीधे तौर पर कटघरे में खड़ा किया है। उन्होंने यह साबित किया कि एक स्कूली लड़की भी वैश्विक राजनीतिक एजेंडे को बदल सकती है।अंतर्राष्ट्रीय अध्ययनों से पता चलता है कि आंदोलनकारी पृष्ठभूमि से आने वाली महिला नेता स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण और बाल कल्याण जैसे संवेदनशील मुद्दों को राजनीतिक एजेंडे में सबसे ऊपर रखती हैं। पारंपरिक पुरुष-प्रधान राजनीति के मुकाबले, ये युवा महिला नेता व्यवस्था परिवर्तन का एक नया और अधिक समावेशी खाका पेश करती हैं।जंतर-मंतर या वैश्विक मंचों पर प्रदर्शन करने वाली लड़कियों में सत्ता से सीधे सवाल पूछने का साहस होता है, जो भविष्य के एक अच्छे राजनेता का प्राथमिक गुण है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर आज जो लड़कियां पेपर लीक या चुनाव आयोग के फैसलों के खिलाफ आंदोलन का चेहरा बनी हुई हैं, वे केवल आज का प्रदर्शन नहीं कर रहीं, बल्कि वे अपनी राजनीतिक क्षमता को निखार रही हैं। अंतर्राष्ट्रीय उदाहरण बताते हैं कि कल की यही आंदोलनकारी लड़कियां भविष्य में देश और दुनिया की मुख्यधारा की राजनीति की दिशा और दशा बदलने वाली नेता बनेंगी।यह केवल महिला सशक्तीकरण का प्रश्न नहीं है, बल्कि देश की मानवीय क्षमता का बेहतर उपयोग करने का प्रश्न भी है। जिस देश की आधी आबादी लंबे समय तक घरेलू भूमिकाओं तक सीमित रही हो, वहां यदि लड़कियां शिक्षा, लोकतंत्र, पर्यावरण, सामाजिक न्याय और संवैधानिक अधिकारों के सवालों पर नेतृत्व की भूमिका में आगे आ रही हैं, तो इसे केवल आंदोलनों तक सीमित रखना देश के लिए एक बड़ा अवसर गंवाना होगा। इन युवा महिलाओं की सबसे बड़ी ताकत यह है कि उनका राजनीतिक अनुभव केवल चुनाव लड़ने तक सीमित नहीं है। वे विश्वविद्यालयों, सड़कों, ग्राम सभाओं, सामाजिक आंदोलनों और डिजिटल मंचों पर सवाल उठाते हुए लोकतांत्रिक प्रक्रिया को करीब से समझ रही हैं। वे प्रशासनिक निर्णयों के प्रभाव को सीधे महसूस करती हैं और सत्ता से जवाब मांगने का साहस भी रखती हैं। आज के आंदोलनों में नेतृत्व कर रही ये लड़कियां भविष्य के राजनीतिक और सामाजिक नेतृत्व के लिए एक महत्वपूर्ण आधार तैयार कर रही हैं। आंदोलनों को केवल महिलाओं के मुद्दों तक सीमित नहीं समझना चाहिए। जब कोई छात्रा पेपर लीक, बेरोजगारी, चुनावी पारदर्शिता, पर्यावरण या संविधान की रक्षा के सवाल को लेकर सड़क पर उतरती है, तो वह केवल अपने अधिकार के लिए नहीं लड़ रही होती, बल्कि लोकतंत्र के व्यापक हित में नागरिक की भूमिका निभा रही होती है। भारतीय लड़कियों का आंदोलनों में बढ़ता नेतृत्व इस बात का संकेत है कि देश की नई पीढ़ी केवल व्यवस्था के निर्णयों को स्वीकार करने के बजाय उनसे सवाल पूछने, जवाबदेही तय करने और बदलाव की दिशा निर्धारित करने के लिए तैयार है। जंतर-मंतर से लेकर वैश्विक मंचों तक, छात्राओं और युवा महिलाओं की सक्रियता लोकतंत्र को अधिक जवाबदेह, संवेदनशील और समावेशी बनाने की संभावना प्रस्तुत करती है। इसलिए उनके संघर्षों को केवल तात्कालिक विरोध या छात्र राजनीति की गतिविधि मानकर नजर अंदाज नहीं किया जाना चाहिए। आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा संस्थानों, राजनीतिक दलों और लोकतांत्रिक संस्थाओं में उन्हें समान अवसर, स्वतंत्र अभिव्यक्ति और नेतृत्व के लिए अनुकूल वातावरण मिले। आज व्यवस्था से सवाल पूछने वाली लड़कियों को यदि निर्णय लेने की प्रक्रिया में उचित स्थान दिया जाता है, तो वे केवल अपने भविष्य का निर्माण नहीं करेंगी, बल्कि देश की राजनीति और समाज को भी अधिक न्यायपूर्ण, समानतापूर्ण और लोकतांत्रिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

यही परिवर्तन की उस नई आवाज का वास्तविक अर्थ है, जो आज की युवा लड़कियों के संघर्षों से उभर रही है। इसलिए जंतर-मंतर पर खड़ी आज की लड़की को केवल प्रदर्शनकारी के रूप में देखना उसकी क्षमता को कम करके आंकना होगा। वह संभावित सांसद, विधायक, मंत्री, प्रशासक, न्यायविद, सामाजिक कार्यकर्ता या नीति-निर्माता भी हो सकती है। सवाल यह है कि क्या भारतीय लोकतंत्र उसे आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर देगा?

व्यंग्य आलेख : चमचागिरी आर्ट सेंटर

रमेश सैनी

तखतमल कल रास्ते में मिल गये। आजकल उनका बाहर निकलना लगभग बंद हो गया है। बहुत जरूरी हो तभी बाहर दिखते हैं। शायद आज जरूरत होगी तभी दिखे।उन्होंने नया काम शुरू कर दिया है। वे अपने ऑफिस में जाने माने चमचे कहलाते थे। जो लोग नई भर्ती होकरआते थे। वे उनकी प्रतिभा से प्रभावित होकर चमचागिरी करने के तरीका जानना चाहते थे। बाबू मुंशी लोग उनसे चाय समोसा भी डकार जाते थे। (के बाद भी ऑनलाइन भारतीयों को कुछ भी) इसके बाद भी नये लोगों को चमचागिरी के बारे में नहीं सिखाते थे। नए लोगों को अपने अनुभव से ही चमचागिरी करने का गुण सीखना पड़ता था। यह देखकर तखतमल जी को लगा कि नई बच्चों की मदद करना चाहिए। तब नौकरी में रहते तखतमल ने अपने लड़कों कुछ नुस्खे बता देते। बाद में गुरु दक्षिणा में से चाय समोसा खा लेते थे। वे चमचागिरी के प्रैक्टिकल तरीके से खास गुर भी सिखाते थे। तबसे लोगों ने गुरु कहना शुरू कर दिया। इसी गुरुत्व को बनाए रखने के लिए सेवा निवृत होने के बाद इस विषय पर गंभीरता से विचार किया। इस क्षेत्र में बहुत सारे स्कोप है। इस तरह कोर्स, कोई विश्वविद्यालय नहीं चलाता है। इस विद्या का उपयोग अपना काम निकालने में किया जाता है।इस विद्या की चर्चा आम जनमानस बहुत होती है। पर लोग आश्चर्य करते हैं कि विश्व में इस विषय का स्कूल कालेज नहीं है।पर लोग पारंगत हो जाते हैं।अभी तक कहीं पर भी इसके सीखने की चर्चा भी नहीं सुनी होगी।यह विद्या दूसरे के अनुभव से सीखते हैं। इस तरह सीखने में लम्बा समय लगता है। लोग तकनीकी रूप से सीख भी नहीं पाते हैं। कई लोग तो श्रम और समय अधिक लगने इसे बीच में छोड़ देते हैं और अपना बड़ा नुक़सान कर बैठते हैं। उन्होंने सोचा अपने पास लंबा चौड़ा अनुभव है। इस अनुभव का कौन सा उपयोग किया जाए और महाविद्यालय नहीं तो विद्यालय स्तर पर स्कूल खोल लिया जाए। उन्होंने अपने दो-तीन साथियों के साथ एक स्कूल खोल लिया। स्कूल का नाम रखा चमचा कला केंद्र अंग्रेजी में सी के सी ।

एक तखतमल जी बाज़ार में घूम रहे थे। टहलते हुए तखतमल की नजर मुझ पर पड़ गई थी। मैं उनसे बचना चाहता था। किंतु उन्होंने मुझे पकड़कर रोक लिया। वे मेरा हाथ पकड़ कर मुझे किनारे ले गये और सवाल किया - कहाँ जा रहे हो और आजकल क्या कर रहे हो। वैसे तखतमल जी सदा सवालों से बचते रहे हैं। जब मैंने कहा- कोई खास नहीं, बस ऐसे ही छोटे-मोटे काम से निकला हूँ।तब उन्होंने बोला - मैंने बहुत अच्छी स्कीम निकाली है। उसमें तुम चाहो तो शामिल हो सकते हो,या उपयोग में ला सकते हो। मैंने सोचा कोई आर्थिक विनियोग स्कीम होगी अगर सही होगी तो थोड़ा बहुत पैसा लगाया जा सकता है। तब मैंने ने उत्साह से पूछा,- तखतमल जी बताइए -क्या शुरू किया है। तो उन्होंने बहुत जोश के साथ कहा- मैंने अपना पूरा जीवन ऑफिस में इसी विद्या में अर्पित कर दिया है। इस विद्या से इसमें मुझे बहुत लाभ मिला। इसमें नुकसान की तो कोई गुंजाइश ही नहीं है और मेरे पास एक लंबा अनुभव भी है। इस कारण मैंने सोचा है। इस अनुभव का लाभ जनता जनार्दन और खासकर नए युवकों और अपने लोगों को जरूर मिलना चाहिए। जिससे वे भी अपने जीवन में सफल हो सके। तब मैंने ने पूछा- क्या काम है? तो उन्होंने धीर गम्भीर हो कर धीमे स्वर में कहा - मैने चमचागिरी सिखाने का स्कूल खोल लिया है। फिलहाल अभी स्कूल से चालू किया है और यह चल निकला तो बाद में इसे कालेज में प्रोमोट कर लेंगे।तो मैंने कहा- इसमें धीरे कहने की क्या बात है।इसे जोर से भी कह सकते थे और इस तरह के स्कूल खोलने से क्या होगा। लोग तो एक दूसरे को देखकर ही यह विद्या सीख जाते है। फिर लोग आपके पास सीखने क्यों आएंगे। लोग इसे बिना पैसा खर्च ही अपने काम का गुर सीख जाते हैं।तब उन्होंने बिना झिझक कहा- आप तो काफी सीनियर है और आपको याद भी होगा। पहले पत्रकारिता का कोई स्कूल या कॉलेज नहीं था और न ही किसी प्रकार की डिग्री थी। सब लोग अखबार में अपनी जान पहचान या योग्यता के बल पर काम मिल जाता था और शुरू कर देते थे और धीरे-धीरे पत्रकारिता में पारंगत हो जाते थे। इस स्थिति को देखते ही विश्वविद्यालय ने पत्रकारिता की डिग्री का कोर्स कर दिया है,और हर विश्वविद्यालय में यह कोर्स होता है।कुछ विश्व विद्यालय तो इसी कोर्स के लिए ही बने हैं। मुझे ऐसा अनुभव होता है। चमचागिरी कोर्स में भी काफी स्कोप है और हो सकता है कि यह बाद में यह विश्वविद्यालय स्तर पढ़ाया जाने लगे।मैंने कहा- -आप सही कह रहे हैं, पर मुझे करना क्या होगा और मैं तो इस मामले में फिसड्डी हूँ उन्हे याद आते ही वे अचानक बोल पड़े -अरे तुम तो इस मामले में सिफर हो और कुछ नहीं कर सकते हो, बिल्कुल नालायक हों। इसी ईमानदारी के कारण ऐसे पड़े हुए हो। रुको! मैं सोचता हूँ ।तुम्हारी कैसी मदद ले सकते हैं। आखिर हम है, हम वरिष्ठ।उनकी बात सुनते ही मुझे अपनी ईमानदारी पर लज्जा आने लगी। मुझे लगा कि ईमानदारी भी लज्जा का विषय है। मुझे ही अपने आप में कमी महसूस होने लगी। मैं इस समय अनुपयोगी हूँ। समाज में किसी भी काम का नहीं। फिर थोड़ा साहस बटोरते हुए उनसे पूछा - चमचागिरी की कितने विषय में होगी। तब उन्होंने उत्साह से कहा- फिलहाल अभी हम तीन विषय पर केंद्रित कर रहे हैं। पहले समाज में चमचागिरी का उपयोग, दूसरा सरकारी कार्यालय में चमचागिरी का महत्व और तीसरा राजनीति में इसकी भूमिका। दूसरे विषय के कोर्स में विस्तार हो सकता है। इसमें हम सरकारी कार्यालय में चमचागिरी और प्राइवेट कार्यालय में चमचागिरी का महत्व आदि विषय, कोर्स में रख सकते हैं। यह तो बिल्कुल सही है। आपने कोर्स बहुत सोच समझ कर रखे हैं। यह कोर्स हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण है और यह भी आपने अच्छा तय किया है कि स्कूल में यह तीनों विषय पढ़ाई जाएंगे।इन विषयों के बेसिक कोर्स से युवा पीढ़ी अपने भविष्य को बेहतर बना सकती है। आगे लोग अपने भविष्य को और बेहतर बनाने में मेहनत करना चाहते हैं तो कॉलेज में अपने क्षेत्र के अनुसार विषय का चयन कर सकते हैं और वे अपने भविष्य के अनुसार अपने क्षेत्र में विशेषज्ञ हो जाएंगे।अपने जीवन को सफल बना सकते है। बस मैं सोच रहा था कि इस क्षेत्र में भी स्कूल खुल जाएंगे। तब निष्पक्षता, ईमानदारी भाई भतीजाबाज का क्या होगा? जब हम देश में लोकतंत्र में समान अवसर की बात करते हैं फिर सबको अवसर मिलना चाहिए। इस समान अवसर का क्या होगा? इस तरह की विद्या से नवयुवक दिशा हीन हो जाएंगे।

वोट चोरी पर हंगामा, नोट चोरी पर सन्नाटा!

वीरेंद्र हीरालाल पथरिया

महंगाई की मार झेलती जनता पूछ रही है, हमारी जेब से हो रही नोट चोरी की लड़ाई कौन लड़ेगा? देश में इन दिनों वोट चोरी को लेकर राजनीतिक बहस और आंदोलन का माहौल है। विपक्षी दल लोकतंत्र, मताधिकार और चुनावी पारदर्शिता से जुड़े सवाल उठा रहे हैं। ये सवाल लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण हैं और इनकी निष्पक्ष जांच तथा समाधान भी जरूरी है। लेकिन इसी शोर के बीच एक सवाल ऐसा भी है, जो आम आदमी की रसोई से उठता है और उसकी जेब तक पहुंचकर दम तोड़ देता है, आखिर आम आदमी की जेब पर पड़ रही महंगाई की मार के खिलाफ कौन आंदोलन करेगा?

जी हां, एक आंदोलन नोट चोरी के खिलाफ भी होना चाहिए!

आप सोच रहे होंगे कि नोट चोरी कहां हो रही है? न कोई जेब काट रहा है, न कोई पर्स छीन रहा है, न बैंक में डकैती पड़ रही है। फिर नोट चोरी कैसी? जरा बाजार जाकर देखिए। जेब में उतने ही रुपये हैं, लेकिन थैले में सामान कम हो गया है। महीने का बजट वही है, मगर महीने के आखिरी दिनों में जेब पहले से जल्दी खाली हो जाती है। आम आदमी की कमाई का बड़ा हिस्सा रोजमर्रा की जरूरतों में खप रहा है। यह कानूनी अर्थों में चोरी नहीं, लेकिन आम आदमी को महसूस होने वाली आर्थिक चोट किसी चोरी से कम भी नहीं है। आंकड़े भी चिंता की ओर इशारा करते हैं। अगस्त 2026 में देश की खुदरा महंगाई दर 4.82 प्रतिशत और खाद्य महंगाई दर 5.95 प्रतिशत दर्ज की गई। उधर, 9 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड की कीमत लगभग 103 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचने की खबर आई। कमजोर मानसून और असमान बारिश ने भी कृषि उत्पादन तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को लेकर चिंताएं बढ़ाई हैं। इन परिस्थितियों का असर केवल पेट्रोल-डीजल तक सीमित नहीं रहता। परिवहन महंगा होता है तो माल ढुलाई की लागत बढ़ सकती है। कृषि उत्पादन प्रभावित होता है तो खाद्य पदार्थों की उपलब्धता और कीमतों पर दबाव पड़ सकता है। इसका बोझ अंततः उपभोक्ता तक पहुंचता है। हालांकि हर वस्तु की कीमत बढ़ने का कारण एक जैसा नहीं होता, लेकिन आम आदमी को कारणों की व्याख्या से अधिक जरूरी राहत चाहिए।

विडंबना देखिए, राजनीति में मुद्दों की कमी नहीं है। आरोप-प्रत्यारोप हैं, रैलियां हैं, धरने हैं, बयान हैं और एक-दूसरे को कठघरे में खड़ा करने की होड़ है। लेकिन क्या किसी आंदोलन का एजेंडा यह भी हो सकता है कि गरीब परिवार की रसोई का खर्च कैसे घटे? दाल, तेल, सब्जी, दूध और रसोई गैस आम आदमी की पहुंच में कैसे रहें? किसानों को उचित दाम मिलें और उपभोक्ताओं को उचित कीमत पर सामान कैसे मिले?

लोकतंत्र केवल वोट डालने का अधिकार नहीं है। लोकतंत्र का उद्देश्य यह भी है कि नागरिक सम्मान के साथ जीवन जी सके। जिस व्यक्ति के पास मतदान का अधिकार है, उसे महंगाई के सामने असहाय छोड़ देना लोकतांत्रिक जवाबदेही की भावना को कमजोर करता है।

यहां सवाल किसी एक पार्टी का नहीं, सभी राजनीतिक दलों का है। सत्ता पक्ष की जिम्मेदारी है कि वह कीमतों पर नियंत्रण, आपूर्ति व्यवस्था और जनकल्याणकारी उपायों पर प्रभावी काम करे। विपक्ष की जिम्मेदारी है कि वह केवल विरोध न करे, बल्कि ठोस सुझावों के साथ जनता के आर्थिक सवालों को भी उतनी ही ताकत से उठाए। महंगाई पर आंदोलन का अर्थ केवल नारे लगाना नहीं, बल्कि सरकार से समयबद्ध राहत, पारदर्शी मूल्य निगरानी और ठोस कार्ययोजना की मांग करना भी है।

वोट चोरी पर बहस होनी चाहिए, लेकिन नोट की घटती ताकत पर भी आवाज उठनी चाहिए। लोकतंत्र की रक्षा जरूरी है, मगर लोकतंत्र में जीने वाले आम आदमी की जिंदगी भी उतनी ही जरूरी है।

राजनीतिक दलों से निवेदन है, जनता के मत की चिंता कीजिए, लेकिन उसकी जेब और रसोई को भी अपने एजेंडे में जगह दीजिए। आखिर जनता केवल मतदाता नहीं है; वह परिवार चलाने वाला पिता, घर का बजट संभालने वाली मां, पढ़ाई का खर्च उठाता युवा और महंगाई से जूझता किसान भी है।

क्योंकि जब वोट की कीमत पर राजनीति होती है, तब लोकतंत्र चर्चा में आता है; लेकिन जब रुपये की कीमत घटती है, तब आम आदमी की पूरी जिंदगी प्रभावित होती है। अब समय है कि देश में एक ऐसी आवाज भी उठे जो पूछे, वोट की रखवाली के साथ-साथ आम आदमी की कमाई की रखवाली कौन करेगा?

सिंहासन डोल उठा है

तनवीर जाफ़री

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफ़े,मतदाता सूची से कथित तौर पर करोड़ों मतदाताओं के नाम हटाए जाने,एस आई आर/स्पेशल इंटेंसिव रिवीज़न को रद्द करने व चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़ा 2023 का क़ानून रद्द करने आदि के विरोध में गत दस 10 अक्टूबर को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में अभूतपूर्व सुरक्षा,लॉक डाउन, भारी जन आक्रोश और व्यापक गिरफ़्तारियों का माहौल रहा। इस प्रदर्शन को रोकने के लिए प्रशासन ने पूरी दिल्ली को एक क़िले के रूप में तब्दील कर दिया था। दिल्ली पुलिस सहित केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के लगभग 40 हज़ार जवानों को तैनात किया गया था। 57 मेट्रो स्टेशन पूरी तरह बंद थे। मध्य दिल्ली की ओर आने वाली कई ट्रेनों को रद्द या री-रूट किया गया था। धारा 163 पूर्ववर्ती 144 लागू करके किसी भी प्रकार की सभा या जुलूस पर पूर्ण रोक लगा दी गई थी। जंतर-मंतर जाने वाले सभी रास्तों पर कई स्तरों की भारी बैरिकेडिंग की गई थी। मोबाइल इंटरनेट सेवाओं को निलंबित कर दिया गया और मध्य दिल्ली के प्रमुख स्कूल, कॉलेज तथा बाज़ार बंद रहे। आंदोलन को कुचलने के लिए पुलिस ने देश भर में व्यापक धरपकड़ की। सी जे पी के प्रमुख नेताओं को दिल्ली में एयर इंडिया के विमान के अंदर से ही हिरासत में ले लिया गया। अनेक प्रमुख नेता व सामाजिक कार्यकर्ता गिरफ़्तार किये गये,कई पत्रकारों को भी जहाँ दिल्ली में गिरफ़्तार किया गया वहीँ महात्मा गांधी के परपोते तुषार गांधी को मुंबई पुलिस ने चुनाव आयोग के ख़िलाफ़ प्रदर्शन करने से पहले ही हिरासत में ले लिया और उन्हें मुंबई में प्रदर्शन में शामिल होने के लिये अगस्त क्रांति मैदान जाते समय गिरफ़्तार कर लिया गया। पुलिस ने जंतर-मंतर पर लगभग 2,500 से 3,000 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया। प्रदर्शन से पहले ही पुलिस ने संदिग्धों और छात्र कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए रात भर तलाशी अभियान चलाकर 100 से अधिक लोगों को निवारक नजरबंदी में लिया था।

इन बंदिशों के बावजूद युवाओं, छात्रों और नागरिकों का भारी आक्रोश सड़कों पर फूट पड़ा। प्रदर्शनकारियों के कई जत्थों ने इंडिया गेट और संसद मार्ग के पास पुलिस बैरिकेड्स को लांघने की कोशिश की, जिससे माहौल काफ़ी तनावपूर्ण हो गया। जब पुलिस ने मुख्य प्रदर्शन स्थल जंतर-मंतर को पूरी तरह सील कर दिया, तो आक्रोशित जनता और छात्र संगठनों ने रणनीति बदलते हुए सफ़दरजंग फ़्लाई ओवर, दिल्ली हाट, राजघाट और कनॉट प्लेस जैसे अलग-अलग इलाक़ों को ही प्रदर्शन स्थल में परिवर्तित कर दिया। अफ़रातफ़री के इसी वातावरण में कनॉट प्लेस और जंतर-मंतर के आसपास पुलिस, प्रदर्शनकारियों के पीछे दौड़ती और उन्हें लाठियों के बल पर खदेड़कर बसों में भरती नज़र आई। कड़ी सुरक्षा के बीच प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हिंसक झड़पें भी हुईं, जिसमें कई लोगों के घायल होने की ख़बरें आईं। पुलिस की मौजूदगी में ही सादे लिबास में सत्ता समर्थक भाजपा और आर एस एस के तथाकथित गुंडों का कायरों की तरह एक मासूम बच्ची पर टूटना, प्रदर्शनकारी बच्चियों को मारना,नोचना व उन्हें खींचना पूरे देश को विचलित कर गया। कहाँ तो मोदी सरकार बेटी बचाओ का नारा देती है तो कहाँ सत्ता समर्थक गुंडे देश की बहन बेटियों के साथ इस तरीक़े का घिनौना व शर्मनाक व्यवहार करते हैं? जिस प्रधानमंत्री के क़ाफ़िले को कभी एम्बुलेंस को रास्ता देते प्रचारित किया गया था आवागमन ठप्प होने के कारण उसी प्रधानमंत्री की नाकों के नीचे अनेक मरीज़ व तीमारदार दवा इलाज से वंचित व परेशान दिखाई दिये। कुछ उपद्रवी तत्वों के हाथों में तलवारें देखे जाने की खबरें आईं, जिससे हिंसक टकराव की स्थिति पैदा हो गई।दिल्ली में हुए इस अभूतपूर्व पारगमन प्रतिबंध और बड़े पैमाने पर हुई गिरफ़्तारियों के ख़िलाफ़ क़ानूनी विशेषज्ञों और विपक्ष ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

भारत के इन प्रदर्शनों व जन आक्रोश ने पूरे विश्व का ध्यान भी आकर्षित किया है। संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार उच्चायुक्त ने 10 अक्टूबर को ही दिल्ली में बड़े पैमाने पर हुई गिरफ़्तारियों पर गहरी चिंता व्यक्त की। संयुक्त राष्ट्र ने भारत सरकार से आग्रह किया कि वह शांतिपूर्ण प्रदर्शन के अधिकार का सम्मान करे और मनमाने ढंग से हिरासत में लिए गएसभी कार्यकर्ताओं और नेताओं को तुरंत रिहा करे। इसके जवाब में जेनेवा में भारत के स्थायी मिशन ने संयुक्त राष्ट्र की इस टिप्पणी को भारत के आंतरिक मामलों में अनुचित हस्तक्षेप बताया। भारत ने स्पष्ट किया कि देश का संविधान शांतिपूर्ण सभा की गारंटी देता है, लेकिन सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए उचित प्रतिबंध लगाने का अधिकार क़ानून के दायरे में पुलिस के पास है। वैश्विक मीडिया संस्थानों भी इस आंदोलन को प्रमुख स्थान दिया।अंतरराष्ट्रीय मीडिया का सामान्य निष्कर्ष यह रहा कि दिल्ली में बुनियादी पारगमन सुविधाओं जैसे मेट्रो और रास्ते को बंद करना और शांतिपूर्ण मार्च से पहले ही नेताओं को हवाई जहाज़ व घरों से हिरासत में लेना आदि लोकतांत्रिक अधिकारों के हनन की श्रेणी में आता है।

परन्तु वास्तविकता तो यही है कि अब आने वाले दिनों में दिल्ली सहित देश के तमाम शहरों के जंतर मंतर बनने की संभावना है। इन्हीं मांगों के साथ 12 अक्टूबर को कांग्रेस सहित पूरा विपक्षी इण्डिया गठबंधन और देश के युवा बड़ी संख्या में एक बार फिर सड़कों पर उतरने जा रहे हैं। पूरी संभावना है कि इस बार भी जनता की यह आवाज़ पूरे देश में पहले से कहीं ज़्यादा गूंजेगी।

विपक्ष की ओर से चेतावनी दी जा चुकी है कि जितनी पुलिस लानी है जितने गुंडे बुलाने हैं, बुला लीजिए। हम डरने और पीछे हटने वाले नहीं हैं। 12 अक्टूबर सोमवार को ही विपक्ष का मुख्य न्यायाधीश से भी मिलने का कार्यक्रम है। विपक्ष दल मुख्य न्यायाधीश से यह बतायेंगे कि जब दिल्ली की सड़कों पर संविधान को तार-तार किया जा रहा है और लोकतंत्र को कुचला जा रहा है, तब कानून के संरक्षक आंखों पर पट्टी डाल कर नहीं बैठ सकते। संविधान की धज्जियां उड़ेंगी तो विपक्ष चुप नहीं बैठ सकता। जवाबदेही तय करना ही होगी। ऐसा लगता है कि ये लड़ाई अब रुकने वाली नहीं है। युवा आक्रोश को दबाने की जितनी भी कोशिश सरकार करेगी उतना ही यह आंदोलन और तीव्र हो सकता है। अब तो राम धरी सिंह दिनकर की यह पंक्तियाँ ही धरातल पर साकार होती नज़र आती हैं कि...

सदियों की ठंढी-बुझी राख सुगबुगा उठी,
मिट्टी सोने का ताज पहन इठलाती है।
दो राह, समय के रथ का
घर्घर-नाद सुनो।
सिंहासन ख़ाली करो कि जनता आती है।

स्वतंत्र मत
जबलपुर
मंगलवार 13 अक्टूबर 2026

रियाद एयरपोर्ट पर हूती के हमलों के बाद मिडिल ईस्ट में तनाव, जंग में सीधे शामिल हो सकता है अमेरिका

रियाद

सऊदी अरब की राजधानी रियाद के मुख्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर इस हफ्ते के अंत में दो घातक हमले हुए जिसने यमन के हूती विद्रोहियों की क्षमता को दिखाया है। जिससे क्षेत्र में एक और बड़े संघर्ष का खतरा मंडराने लगा है और इसमें अमेरिका के भी सीधे शामिल होने की संभावना बढ़ गई है। सऊदी अरब के मुख्य हवाई अड्डे को निशान बनाकर शनिवार और रविवार को लगातार दो दिन हमले किए गए। शनिवार को हुए इस हमले में 12 लोगों की मौत हुई और 309 घायल हुए, जबकि रविवार के हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और 11 लोग घायल हो गए। हूतियों ने तुरंत इन हमलों की जिम्मेदारी ली और कहा कि ये सऊदी आक्रामकता का जवाब था। जिसमें यमन की राजधानी सना के एयरपोर्ट पर हुए हमले भी शामिल हैं। सऊदी लड़ाकू विमान पहले से ही यमनी सरकारी बलों के जवाबी हमले में मदद कर रहे हैं। यह जवाबी कार्रवाई हूतियों द्वारा बाब अल-मंडेब के पास के इलाके पर कब्जा करने के बाद शुरू हुई है, जो लाल सागर के दक्षिणी प्रवेश द्वार पर ग्लोबल शिपिंग के लिए एक अहम रास्ता है।

फरवरी में ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजरायल युद्ध शुरू होने के बाद से हूती अलग-थलग रहे थे। लेकिन हालिया हमले में पता चला कि यह समूह जो ईरान के तथाकथित एक्सिस ऑफ रेजिस्टेंस का सदस्य है कैसे अपनी खुद की स्वतंत्र लड़ाकू ताकत के रूप में विकसित हुआ है। उनके पास हथियारों की अपनी आधुनिक सप्लाई चेन है और वे अपनी मर्जी से कार्रवाई करने और तनाव बढ़ाने में सक्षम हैं। वे सस्ती बैलिस्टिक मिसाइलों और स्थानीय स्तर पर असेंबल किए गए अटैक ड्रोनों के जरिए रियाद जैसे दूरदराज के क्षेत्रों को भी निशाना बनाने में सक्षम हैं। हाल ही में उन्होंने बाब अल-मंदेब और मोखा बंदरगाह के पास के अहम इलाकों पर कब्जा कर लिया था, जो वैश्विक तेल और समुद्री व्यापार का मुख्य मार्ग है। एयरपोर्ट

और जलडमरूमध्य के आस-पास टैंकरों पर हमलों के बाद भी सोमवार को तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। ट्रेडर्स ने रूस और यूक्रेन के बीच एनर्जी सीजफायर के बारे में राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के दावे पर गौर किया, जिससे दो दिन की बढ़त के बाद ब्रेंट क्रूड की कीमत 104 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गई।

इन हमलों ने सऊदी अरब के वास्तविक शासक क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान पर दबाव बढ़ा दिया है। इन हमलों के बाद उन्हें एक ऐसे युद्ध को आगे बढ़ाने का दबाव महसूस हो रहा है जिससे देश सालों से बाहर निकलने की कोशिश कर रहा था, और यह युद्ध एक ऐसे दुश्मन के खिलाफ है जो शायद पहले से कहीं ज्यादा सक्षम हो गया है। इंटरनेशनल क्राइसिस ग्रुप में यमन के लिए सीनियर एनालिस्ट अहमद नागी ने कहा, अपने हमलों को तेज करके, वे सऊदी अरब पर पीछे हटने और अपना हवाई अभियान रोकने का दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, रियाद इन हमलों को तनाव में गंभीर बढ़ोतरी के तौर पर देखता है, खासकर इसलिए क्योंकि ये हमले पहले कभी नहीं देखे गए थे। ऐसे में संभावना है कि रियाद और ज्यादा सैन्य दबाव के साथ जवाब देगा। शनिवार को मारे गए लोगों में एक अमेरिकी नागरिक भी शामिल था, इसलिए ट्रंप पर भी कार्रवाई करने का दबाव बढ़ रहा है। शनिवार को जब उनसे पूछा गया कि क्या अमेरिका हूतियों के खिलाफ हमलों में शामिल होगा, तो उन्होंने कहा, %हम ऐसा कर सकते हैं, हम इस पर विचार करेंगे। इन हमलों ने सऊदी अरब के सहयोगियों, खासकर अमेरिका के सामने भी मुश्किल विकल्प खड़े कर दिए हैं। अमेरिका ने पिछले साल हूतियों के खिलाफ बड़े हमले किए थे और बाद में युद्धविराम के लिए सहमत हो गया था। ट्रंप नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों से पहले ईरान के साथ सैन्य तनाव और नहीं बढ़ाना चाहते हैं, और वॉशिंगटन ने अब तक सऊदी हमले के लिए अपना समर्थन केवल खुफिया जानकारी साझा करने तक ही सीमित रखा है।

पेटीजॉन ने कहा, इस बात की बहुत कम संभावना है कि सऊदी इन हमलों को रोक पाएंगे, जब अमेरिका भी ऐसा नहीं कर सका - सिवाय इसके कि वे जमीनी सेना भेजें या उन यमनी लड़ाकों की क्षमता में भारी सुधार करें जिनका वे समर्थन कर रहे हैं।

नीचे आ रहा हूं... 13 हजार फीट ऊंची चोटी से गिरने से पहले कैलिफोर्निया के हाइकर ने भेजा आखिरी मैसेज

सैक्रामेंटो

कैलिफोर्निया में 13,000 फीट ऊंचे माउंट मॉर्गन की चोटी पर पहुंचने के बाद 53 वर्षीय हाइकर ब्रायन सीबर्ट ने अपने परिजनों को आखिरी मैसेज भेजा- ऑन माई वे डाउन (नीचे आ रहा हूं)। लेकिन यह मैसेक इसके जीवित होने का अंतिम प्रमाण बन गया। NYPost की रिपोर्ट के मुताबिक, ऊपर पहुंचने के बाद सीबर्ट एक जानलेवा हादसे का शिकार हो गए। ग्रैंड सेंट्रल कूलॉयर के पास चट्टान से गिर जाने के कारण उनकी दुखद मौत हो गई। रविवार, 4 अक्टूबर को शाम लगभग 7 बजे ब्रायन सीबर्ट ने मैसेज भेजकर परिजनों को जानकारी दी थी कि वे नीचे उतर रहे हैं। हालांकि, तय समय (रात 11:30 बजे) तक जब वे वापस नहीं लौटे, तो चिंता बढ़ गई। इसके बाद सोमवार, 5 अक्टूबर को उनके लापता होने की सूचना मिलने पर मोनो काउंटी शेरिफ की सर्च एंड रेस्क्यू टीम तुरंत हरकत में आई। बचाव दल ने उसे खोजने के लिए 12,500 फीट की ऊंचाई पर सर्च टीम को उतारने के लिए कैलिफोर्निया गार्ड के ष्ट॥-47 चिनूक हेलिकॉप्टर का भी इस्तेमाल किया। 72 घंटे से अधिक समय तक चले गहन खोज एवं बचाव अभियान के बाद आखिरकार योसेमाइट सर्च टीम और स्पेशल हेलीकॉप्टरों की मदद से उसका शव अत्यंत दुर्गम इलाके से बरामद किया गया।इस खोज अभियन में फोटोग्राफिक मैचिंग, मोबाइल फोन की गहन फारेंसिक जांच और च-9 टीम द्वारा सीबर्ट की गाड़ी की तलाशी जैसे तरीकों से सबूतों को इकट्ठा किया। 6 अक्टूबर को सर्च टीम को पहाड़ की चोटी के पास पूर्वी तरफ मौजूद एक खास रास्ते, ग्रैंड सेंट्रल कूलॉयर के निचले हिस्से में हवा से कुछ असामान्य चीज दिखाई दी।

जंगल में बचाव कार्य करने वाली स्वयंसेवी संस्था मोनो काउंटी सर्च एंड रेस्क्यू के अनुसार, मंगलवार दोपहर 2 बजे के बाद शूनर क्रू ने हवा से एक असामान्य वस्तु देखी। वहीं, कूलॉयर से बर्फ में बने पैरों के निशानों का पीछा कर रही दूसरी ग्राउंड टीम ने उस स्थान पर पहुंचकर लापता हाइकर ब्रायन सीबर्ट को ढूंढ निकाला। हालांकि, शव और निकटतम लैंडिंग जोन के बीच अत्यधिक दुर्गम इलाका होने और समय की कमी के कारण मंगलवार को शव निकालना संभव नहीं हो सका। आखिरकार बुधवार सुबह योसेमाइट नेशनल पार्क के हेलीकॉप्टर 551 और योसेमाइट सर्च टीम ने संयुक्त कार्रवाई कर सीबर्ट का शव सुरक्षित बाहर निकाला।

अब सेना को मिलेगा भारत राइस, दूर-दराज की चौकियों तक सीधे पहुंचेगा चावल

नई दिल्ली, (वार्ता)

भारतीय सेना के जवानों को अब बेहतर गुणवत्ता वाला चावल सीधे सेना के आपूर्ति डिपो तक पहुंचाया जाएगा।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी की मौजूदगी में सोमवार को यहां भारत राइस की शुरुआत की गई। इसके साथ ही सेना और भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के बीच एक समझौता भी हुआ, जिसके तहत जरूरत पड़ने पर सेना अपने अभियान के दौरान एफसीआई के गोदामों, श्रमिकों और सामान ढोने वाले उपकरणों का इस्तेमाल कर सकेगी। भारत राइस के तहत चावल तय रक्षा मानकों के अनुसार तैयार किया जाएगा। इसे वित्त वर्ष 2026-27 में भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड) के माध्यम से सेना को दिया जाएगा। चावल की गुणवत्ता की जांच होगी और उसमें बाहरी चीजें या मिलावट नहीं होगी। टूटे, खराब और बदरंग दानों की मात्रा भी कम रखी जाएगी। चावल 10 और 30 किलो के बोरों में उपलब्ध होगा, जिससे इसे उठाने और दूर-दराज के इलाकों तक पहुंचाने में आसानी होगी। लद्दाख और पूर्वोत्तर के दूरस्थ क्षेत्रों में स्थित सेना के आपूर्ति डिपो तक भी इसकी सीधी आपूर्ति की जाएगी।

श्री सिंह ने कहा कि भारत राइस% किसान के खेत से जवान की थाली तक भरोसे का रिश्ता है। यह जय जवान, जय किसान की भावना को साकार करता है। उन्होंने कहा कि कठिन इलाकों में राशन पहुंचाने वाले जवानों के लिए छोटे और सुविधाजनक बोरों में चावल उपलब्ध कराना बड़ी राहत देगा। जवानों की सेहत, मनोबल और शारीरिक क्षमता राष्ट्रीय सुरक्षा का अहम हिस्सा हैं।

सेना और एफसीआई के बीच हुआ समझौता जरूरत पड़ने पर राशन और जरूरी सामान की आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करेगा। इसके तहत सेना तय किए गए एफसीआई गोदामों, भंडारण सुविधाओं, श्रमिकों और सामान संभालने वाले उपकरणों का इस्तेमाल कर सकेगी।

रॉबर्ट ई. हॉल और माइकल वुडफोर्ड को मिला अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार, मैक्रोइकॉनॉमिक्स में योगदान के लिए हुए सम्मानित

स्टॉकहोम। रॉबर्ट ई. हॉल और माइकल वुडफोर्ड को 2026 का अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार मिला है। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने सोमवार को स्टॉकहोम में दोनों अर्थशास्त्रियों को मैक्रोइकॉनॉमिक स्टेबलाइजेशन (समष्टि-आर्थिक स्थिरीकरण) के माइक्रोइकॉनॉमिक आधारों पर उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए इस प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया है। अर्थशास्त्र में दिया जाने वाला यह पुरस्कार, जिसे आधिकारिक रूप से अल्फ्रेड नोबेल की याद में बैंक ऑफ स्वीडन प्राइज इन इकोनॉमिक साइंसेज कहा जाता है, इस साल की नोबेल पुरस्कार श्रृंखला की अंतिम घोषणा थी। पिछले सप्ताह चिकित्सा, भौतिकी, रसायन विज्ञान, साहित्य और शांति के क्षेत्रों में नोबेल पुरस्कार विजेताओं के नामों का एलान किया गया था।

Robert E. Hall
Stanford University, USA
Born 1943, USA

Michael Woodford
Columbia University, USA
Born 1955, USA

तेलंगाना सरकार संयुक्त आरटीसी-मेट्रो पास के किराए की समीक्षा करेगी : पोन्नम

हैदराबाद, (वार्ता)। तेलंगाना के परिवहन और पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार ने हाल ही में शुरू किये गये संयुक्त बस-मेट्रो पास के किराए की समीक्षा करने का फैसला किया है, क्योंकि जनता की ओर से शिकायतें मिल रही थीं कि यह बहुत अधिक है। श्री प्रभाकर ने एक बयान में कहा कि उप मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क के सुझाव के बाद किराए के ढांचे की जांच के लिए जल्द ही वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक बुलायी जायेगी। मौजूदा किराया प्रणाली के तहत दैनिक संयुक्त पास की कीमत 400 रुपये है, जिसमें मेट्रो सेवाओं के लिए 300 रुपये और आरटीसी बसों के लिए 100 रुपये शामिल हैं।

ओमान के तटीय इलाकों में अमेरिका कर रहा ईंधन की तस्करी : ईरानी सुरक्षा परिषद

तेहरान, (स्पुतनिक/वार्ता)। ईरान की सुरक्षा परिषद के सचिव मोहसेन रेजाई ने कहा कि अमेरिकी सेना संयुक्त अरब अमीरात की मदद से ओमान के तटीय इलाकों में ईंधन की तस्करी कर रही है।

श्री रेजाई ने ईरान के प्रेस टीवी चैनल से रविवार को बातचीत में कहा, अमेरिकी मध्य कमान के प्रमुख यूएई की सेना की मदद से तस्करी अभियान चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका बड़े टैंकरों में तेल भरने के लिए पांच या छह छोटे जहाजों का इस्तेमाल करता है हालांकि, ईरान हर रात उन पर हमला करता है। गौरतलब है कि 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल ने ईरान में ठिकानों पर हमले शुरू किये जिसके जवाब में ईरान ने भी हमले किए। मार्च में, अमेरिका और इजरायल ने दक्षिणी ईरान में दक्षिण पार्स गैस क्षेत्र और असालुयेह औद्योगिक क्षेत्र में मौजूद ठिकानों पर हमले किए। मध्य जून में, ईरान और अमेरिका ने शत्रुता समाप्त करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए लेकिन इसके कुछ ही समय बाद दोनों पक्षों ने फिर से एक-दूसरे पर हमले किए। फिलहाल, यह संघर्ष अनसुलझा हुआ है। संघर्ष के बढ़ने से वैश्विक स्तर पर तेल, पेट्रोलियम उत्पादों और द्रवीकृत प्राकृतिक गैस की आपूर्ति के प्रमुख मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही लगभग ठप हो गई है। इसके परिणामस्वरूप, अधिकांश देशों में ईंधन की कीमतें बढ़ गई हैं।

बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने में आमजन बनें मददगार : योगी

लखनऊ, (वार्ता)

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए बेटियों की शिक्षा और सुरक्षा तथा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग करने का आह्वान किया है। योगी ने अपने संदेश में कहा कि महिषासुरमर्दिनी की विजय और शक्ति की आराधना का पर्व शारदीय नवरात्र सभी के जीवन में सुख, शांति और सकारात्मक ऊर्जा लेकर आए। उन्होंने कहा कि अहंकार, दुराग्रह, आसक्ति और बढ़ती नकारात्मक प्रवृत्तियों पर विनम्रता, साहस, शक्ति, संकल्प, न्याय और धर्म की विजय का भाव मां दुर्गा के नौ स्वरूपों में निहित है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज भी जब समाज ऐसी प्रवृत्तियों से संघर्ष करता है, तब नवरात्र हमें यह याद दिलाता है कि सजनता तभी प्रभावी होती है, जब उसमें शक्ति और संकल्प का सामर्थ्य हो। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आज आस्था, संस्कृति और परंपरा के पुनर्जागरण का सशक्त केंद्र बन रहा है। इस चेतना को सार्थक बनाने के लिए बेटियों को शिक्षा, सुरक्षा और समान अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

योगी ने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे नवरात्र में उपासना और उपवास के साथ सामाजिक जिम्मेदारियों के निर्वहन का भी संकल्प लें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को यह प्रयास करना चाहिए कि वह किसी बहन की सुरक्षा के लिए उसकी आवाज बने, किसी बालिका की शिक्षा में सहयोग करे और किसी महिला के आत्मनिर्भर बनने की राह में उसका संबल बने।

मुख्यमंत्री ने अपने संदेश के माध्यम से नवरात्र को शक्ति की उपासना के साथ-साथ महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तीकरण के संकल्प से जोड़ने का आह्वान किया।

भाकपा सांसद ने गृहमंत्री को लिखा पत्र, पत्रकारों को हिरासत में लेने पर उठाया सवाल

नयी दिल्ली, (वार्ता)। भाकपा नेता एवं राज्यसभा सदस्य संदोष कुमार पी. ने दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शनों की कवरेज कर रहे पत्रकारों के कथित उत्पीड़न, हिरासत और रिपोर्टिंग में बाधा डालने पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर कड़ा विरोध जताया है। कुमार ने कहा कि दिल्ली में पत्रकारों को पुलिस की कार्रवाई का सामना करना पड़ रहा है। कई संस्थानों के पत्रकारों को रिपोर्टिंग से रोके जाने और हिरासत में लिए जाने की घटनाएं गंभीर हैं। सांसद ने पीआईबी मान्यता को पत्रकारिता की अनिवार्य शर्त बनाने पर भी सवाल उठाये।

जेलेंस्की में संघर्ष खत्म करने की कोई राजनीतिक इछाशक्ति नहीं : रूस

मास्को, (स्पुतनिक/वार्ता)

रूस ने कहा कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमीर जेलेंस्की में संघर्ष खत्म करने की कोई राजनीतिक इछाशक्ति नहीं हैं। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से नए यूक्रेनी राष्ट्रपति की मांग को श्री जेलेंस्की के उस इनकार से जोड़ा जिसमें उन्होंने संघर्ष खत्म करने के लिए जरूरी मुश्किल फैसले लेने से मना कर दिया था। ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से यूक्रेन में ऐसे नए नेतृत्व की मांग की है जो रूस के साथ समझौता करने में सक्षम हो। पेस्कोव ने स्पूतनिक से कहा, यूक्रेन के राष्ट्रपति को इस युद्ध को रोकने के लिए बेहद जिम्मेदारी भरे और कठिन फैसले लेने होंगे। या तो जेलेंस्की ऐसी जिम्मेदारी लेते हैं और ऐसी राजनीतिक इछाशक्ति दिखाते हैं, या फिर ऐसा नहीं करते। प्रवक्ता ने कहा कि रूस को यूक्रेन में ऐसे व्यक्ति की जरूरत है जो जमीनी हकीकत को स्वीकार करने एवं शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में आगे बढ़ने के लिए तैयार हो। वहीं रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया ज़खारोवा ने भविष्य के यूक्रेनी राष्ट्रपति के बारे में राष्ट्रपति ट्रंप की टिप्पणी का जवाब देते हुए श्री जेलेंस्की द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा का मजाक उड़ाया। उन्होंने टेलिग्राम पर लिखा श्री जेलेंस्की ने निर्वाचित के बजाय चयन और राष्ट्रपति के बजाय नेता शब्द का इस्तेमाल किया। सुश्री ज़खारोवा ने लिखा, हो सकता है कि उन्हें भाषा की जानकारी न हो या हो सकता है कि उन्होंने राज खोल दिया हो। उन्होंने इसके निहितार्थ को स्पष्ट करते हुए कहा, यूक्रेन के लोग पहले ही एक नेता चुन चुके हैं, तो फिर राष्ट्रपति चुनने के लिए चुनाव कराने की क्या जरूरत है? श्री जेलेंस्की देश के बचे हुए हिस्से को आदिम सामुदायिक समाज के स्तर पर वापस ले जा रहे हैं।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

नवरात्रि के दूसरे दिन सफेद परिधान में नजर आईं कृति खरबंदा

अभिनेत्री कृति खरबंदा नवरात्रि के पावन पर्व को पूरे उत्साह के साथ मना रही हैं। नवरात्रि के दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी को नमन करते हुए कृति सफेद और सुनहरे रंग के पारंपरिक परिधान में नजर आईं। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें साझा की हैं, जिनमें वह बेहद खूबसूरत लग रही हैं। कृति के परिधान पर की गई बारीक कढ़ाई और आकर्षक सजावट ने उनके उत्सवी लुक को खास बना दिया। तस्वीरों के साथ उन्होंने लिखा, नवरात्रि का दूसरा दिन, धैर्य और आंतरिक शक्ति के नाम, आज मां ब्रह्मचारिणी की शांत भावना को अपनाते हुए। गौरतलब है कि नवरात्रि के दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी की पूजा की जाती है। मां ब्रह्मचारिणी धैर्य, तपस्या, दृढ़ संकल्प और आंतरिक शक्ति की प्रतीक मानी जाती हैं। वहीं, सफेद रंग शांति और पवित्रता का प्रतीक है।

कृति ने अपने पारंपरिक अंदाज और संदेश के जरिए नवरात्रि के आध्यात्मिक महत्व को रेखांकित किया है।

नखरेवाली 30 अक्टूबर को होगी रिलीज, रोमांटिक कॉमेडी में दिखेगा प्यार का अनोखा अंदाज

नए कलाकार अंश दुग्गल और प्रगति श्रीवास्तव अभिनीत फिल्म नखरेवाली 30 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। राहुल शंकल्या के निर्देशन में बनी यह फिल्म रोमांटिक कॉमेडी को एक नए अंदाज में पेश करने के लिए तैयार है।फिल्म के पोस्टर पर लिखी पंक्ति, कभी-कभी प्यार में मजनू को भी लैला बनना पड़ता है, इसकी कहानी के अनूठे अंदाज की ओर इशारा करती है। फिल्म में प्यार और रिश्तों को पारंपरिक नजरिये से अलग हटकर दिखाने की कोशिश की गई है। हास्य और भावनाओं के मेल के साथ यह कहानी स्त्री-पुरुष संबंधों तथा लैंगिक समानता जैसे विषयों को भी सामने लाती है। दिव्य निधि शर्मा ने फिल्म की कहानी और पटकथा लिखी है। वॉमांटिक कॉमेडी के रूप में पेश की जा रही यह फिल्म मनोरंजन के हल्के-फुल्के अंदाज में महिला सुरक्षा और सामाजिक मान्यताओं से जुड़े मुद्दों पर भी ध्यान आकर्षित करने का प्रयास करती है। फिल्म का ट्रेलर जल्द ही जारी किया जाएगा, जिससे दर्शकों को इसकी कहानी और किरदारों की एक और झलक मिलेगी।

अक्षय कुमार की समुक की यूके में शूटिंग पूरी, मुंबई में 20 दिनों का आखिरी शेड्यूल, 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार और फिल्म निर्माता विपुल अमृतलाल शाह की आने वाली साइंस-फिक्शन एक्शन थ्रिलर फिल्म समुक की शूटिंग यूके में पूरी हो गई है। फिल्म का आखिरी शेड्यूल मुंबई में शूट किया जाएगा, जहां टीम अगले 20 दिनों तक शूटिंग करेगी। कनिष्क वर्मा के निर्देशन में बन रही इस फिल्म का निर्माण विपुल अमृतलाल शाह अपने प्रोडक्शन हाउस सनशाइन पिक्चर्स के बैनर तले कर रहे हैं।फिल्म की टीम अगस्त के आखिर से यूके में शूटिंग कर रही थी। बताया जा रहा है कि फिल्म का करीब 80 प्रतिशत हिस्सा पूरा हो चुका है। अब मुंबई में होने वाले आखिरी शेड्यूल में शेष हिस्सों की शूटिंग की जाएगी। इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर पिछले दो वर्षों से अधिक समय से काम चल रहा है। फिल्म में अक्षय कुमार मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। उनके साथ रुक्मिणी मैत्रा, विनीत कुमार सिंह, रजत कपूर, स्वानंद किरकिरे, बनिता संधू और सुशांत सिंह भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे। हालांकि, फिल्म की कहानी और कलाकारों के किरदारों को लेकर निर्माताओं ने अभी विस्तृत जानकारी साझा नहीं की है। समुक में विज्ञान-कथा, रोमांच, एक्शन और सर्वाइवल के तत्व देखने को मिलेंगे। फिल्म के मुख्य एलियन किरदार को ऑस्कर के लिए नामांकित क्रिएचर इफेक्ट्स डिजाइनर एलेक गिलिस ने तैयार किया है। वह एलियन और प्रिडेटर जैसी चर्चित फिल्मों में अपने काम के लिए जाने जाते हैं। फिल्म में क्रिएचर इफेक्ट्स के साथ बड़े स्तर के एक्शन दृश्य भी दर्शकों के आकर्षण का केंद्र होंगे। इस फिल्म के जरिए अक्षय कुमार और विपुल अमृतलाल शाह करीब 13 वर्षों बाद फिर साथ काम कर रहे हैं। आशीष ए. शाह फिल्म के सह-निर्माता हैं।

निर्माताओं को उम्मीद है कि विज्ञान-कथा और एक्शन के अनूठे मेल वाली यह फिल्म दर्शकों को नया सिनेमाई अनुभव देगी। समुक को वर्ष 2027 में देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज करने की योजना है।

सिवनी के मोक्षधाम में पिंडदान के चबूतरे पर कर लिया कब्जा

सिवनी (स्वतंत्र मत)

मोक्षधाम में पिंडदान के चबूतरे पर कब्जा, गैरेज वालों ने जमा दिए कबाड़ वाहन शोकाकुल परिजनों को अंतिम संस्कार में हो रही भारी परेशानी प्रशासन मौन सिवनी मृत्यु के बाद अंतिम विदाई के लिए बना नगर के कटंगी रोड स्थित मोक्षधाम आज अतिक्रमण और लापरवाही का शिकार हो गया है शहर के इस पवित्र स्थान में लगे चबूतरे और आसपास की सरकारी जमीन पर वर्षों से दो पहिया, चार पहिया और कबाड़ में तब्दील ट्रक-ऑटो खड़े रहते हैं आलम यह है कि जिस चबूतरे पर दिवंगत को अंतिम संस्कार के पूर्व अंतिम पिंडदान किया जाता है उसी पर आज गैरेज वाले अपनी गाड़ियां खड़ी कर मरम्मत कर रहे हैं पहली तस्वीर में आप साफ देख सकते हैं कि सड़क किनारे सफेद कपड़े में लिपटा एक दिवंगत शरीर रखा है और परिजन अंतिम संस्कार के रूप में पिंडदान की तैयारी कर रहे हैं। ठीक उसके बगल में सड़क और कच्ची जमीन पर टूटा-फूटा ऑटो मोटरसाइकिल और कबाड़ ट्रक वर्षों से खड़े हैं शोकाकुल परिवार को न तो जगह मिल रही है न ही शांति वहीं दूसरी तस्वीर में मोक्षधाम के ठीक सामने लगा एक टिनशेड का गैरेज बना हुआ है यहाँ ऑटो और बाइक की खुलेआम मरम्मत हो रही है सरकारी जमीन पर बने इस गैरेज के कारण आने-जाने का रास्ता भी संकरा हो गया है शोकाकुल परिवारों का दर्द अंतिम संस्कार में भी जूझना पड़ रहा है स्थानीय नागरिकों और दिवंगत के परिजनों का कहना है कि मोक्ष धाम के बाहर पिंडदान की जगह नहीं बची है जिस चबूतरे पर शव रखकर अंतिम पिंडदान और धार्मिक क्रिया की जाती है, वहाँ अब ऑटो और कबाड़ खड़े रहते हैं। मजबूरी में लोगों को सड़क पर ही क्रिया करनी पड़ रही है। अंतिम संस्कार के लिए आने वाले लोगों को परिसर के बाहर गाड़ी खड़ी करने का स्थान नहीं मिल पाता है। मोक्षधाम जैसी पवित्र जगह पर तेल ग्रीस और कबाड़ का अंबार लगा है। यह मृतात्मा और परिजनों दोनों का अपमान है वर्षों से शिकायत कोई सुनवाई नहीं लोगों ने कई बार नगर पालिका और प्रशासन को मौखिक-लिखित शिकायत दी, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। सबसे बड़ा सवाल यह है कि मोक्षधाम की परिसर से लगी भूमि पर कबाड़ में तब्दील गाड़ियां तथा गैरेज कैसे संचालित हो रहा है। क्या नगर पालिका ने इसे लाइसेंस दिया है या यह अवैध कब्जा है। यदि अवैध है तो वर्षों से प्रशासनिक अमला आंखें क्यों मूंदे बैठा है। शहर के जागरूक नागरिकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने जिला कलेक्टर, नगर पालिका सीएमओ और पुलिस प्रशासन से मांग की है कि मोक्षधाम परिसर से लगे सभी दो पहिया, चार पहिया और कबाड़ वाहनों को 24 घंटे के अंदर हटाया जाए। अवैध गैरेज को तत्काल सील कर उस पर कड़ी कार्रवाई की जाए। चबूतरे को अतिक्रमण मुक्त कर उसे साफ-सुथरा किया जाए ताकि शोकाकुल परिवारों को सम्मान के साथ अंतिम संस्कार करने दिया जा सके। प्रतिदिन निगरानी की जाए ताकि भविष्य में दोबारा कब्जा न हो। यदि समय रहते प्रशासन नहीं जागा तो आने वाले दिनों में कोई बड़ा विवाद होना तय है। मोक्षधाम मृत्यु के बाद शांति का स्थान है, उसे पार्किंग और कबाड़खाना बनने नहीं दिया जाएगा।

शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय धनौरा की छात्राओं ने क्रिकेट प्रतियोगिता में किया शानदार प्रदर्शन

धनौरा (स्वतंत्र मत)

शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, धनौरा की छात्राओं ने एक बार फिर खेल के मैदान पर अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से विद्यालय और पूरे जिले का नाम रोशन किया है। अमरवाड़ा (छिंदवाड़ा) में आयोजित च्क्षेत्र स्तर क्रिकेट प्रतियोगिताज् में धनौरा विद्यालय की सात खिलाड़ी छात्राओं का चयन आगामी प्रतियोगिताओं के लिए हुआ है। यह पूरी सफलता विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती गायत्री साहू के कुशल निर्देशन और पी.टी.आई. प्रेमशिला ऐडे के बेहतरीन मार्गदर्शन का परिणाम है।

जूनियर वर्ग में महिमा और रजनी चमकीं

प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग में विद्यालय की दो होनहार छात्रा महिमा यादव और रजनी मर्सकोले ने अपने शानदार खेल कौशल और प्रतिभा का प्रदर्शन किया। अपने इस बेहतरीन प्रदर्शन के आधार पर अब ये दोनों खिलाड़ी झाबुआ में आयोजित होने वाली अगली खेल प्रतियोगिता में अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी।

सीनियर वर्ग से पांच खिलाड़ियों का राज्य स्तर पर चयन

वहीं दूसरी ओर, सीनियर वर्ग में भी धनौरा की छात्राओं का दबदबा रहा। विद्यालय की पांच प्रतिभावान छात्राओं का चयन शहडोल में आयोजित होने वाली राज्य स्तर क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए किया गया है। जिसमें सोनिका गोल्हानी,सोनम कोरेती,शिवानी मरावी,भूमिका कुमरे एवं प्राची सेन शामिल हैं । ये सभी पांचों खिलाड़ी राज्य स्तरीय मंच पर अपनी शानदार खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर सिवनी जिले का प्रतिनिधित्व करेंगी।

पूरे विद्यालय परिवार ने दी शुभकामनाएं

छात्राओं की इस शानदार उपलब्धि पर शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय धनौरा की प्राचार्य एवं समस्त स्टाफ और छात्र-छात्राओं में हर्ष का माहौल है। संपूर्ण शाला परिवार ने चयनित खेल प्रतिभाओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और आगामी प्रतियोगिताओं में जीत के लिए अपनी हार्दिक शुभकामनाएं व्यक्त की हैं।

मानवता की मिसाल: 200 लोग देखते रहे तमाशा, दो युवकों ने बचाई घायल की जान

कान्हीवाड़ा कलारवाकी । बंडोल थाना क्षेत्र के कलारबाकी गांव के पास शनिवार को तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने खेत से लौट रहे बुजुर्ग को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी।हादसे में कलारबाकी निवासी रामकुमार पटेल गंभीर रूप से घायल हो गए, वहीं बाइक सवार को भी गंभीर चोटें आई हैं। घटना के समय मौके पर करीब 200 लोग मौजूद थे, लेकिन सभी तमाशा देखते रहे। किसी ने मदद के लिए हाथ नहीं बढ़ाया। इसी बीच राहगीर नाहिद खान और फरदीन खान ने मानवता की मिसाल पेश की। उन्होंने घायल बाइक सवार को अपनी मोटरसाइकिल पर बैठाकर अस्पताल पहुंचाना शुरू किया। रास्ते में 112 वाहन मिलने पर घायल को उसमें शिफ्ट कर जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। बुजुर्ग रामकुमार पटेल को भी जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है, जहां दोनों का इलाज जारी है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद नाहिद खान और फरदीन खान की लोग जमकर प्रशंसा कर रहे हैं।

स्वच्छ सिवनी-सुंदर सिवनी अभियान को मिलेगी गति, व्यापारी संघ संभालेगा जनजागृति की कमान

नगर पालिका अध्यक्ष ज्ञानचंद सनोडिया ने व्यापारी संघ के प्रतिनिधियों को सौंपे 1000 स्वच्छता जागरूकता पर्चे

सिवनी (स्वतंत्र मत)

शहर को स्वच्छ, सुंदर और हरा-भरा बनाने के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद सिवनी द्वारा 'स्वच्छ सिवनीङ्कसुंदर सिवनी सेवा एवं स्वच्छता संकल्प अभियान' के तहत जनजागृति की पहल की गई है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन तथा सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 11 अक्टूबर 2026 को नगर पालिका अध्यक्ष ज्ञानचंद सनोडिया ने व्यापारी संघ के अध्यक्ष गौरी शंकर शर्मा, नगर पालिका एल्डरमैन कविता शर्मा एवं व्यापारी संघ के प्रवक्ता हरीश रावलानी को 1000 स्वच्छता जागरूकता पर्चे सौंपे। अभियान के आगामी चरण में व्यापारी संघ के प्रतिनिधि अशोक वार्ड एवं सुभाष वार्ड में घर-घर और दुकान-दुकान

पहुंचकर नागरिकों तथा व्यापारियों से सीधा संवाद करेंगे। इस दौरान लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए शहर को साफ-सुथरा बनाए रखने में अपनी भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। स्वच्छता अभियान के अंतर्गत दुकानदारों को अपनी दुकानों के सामने डस्टबिन रखने, सड़क पर कचरा नहीं फेंकने तथा कचरा केवल नगर पालिका के कचरा वाहन में डालने के लिए जागरूक किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना और सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी फैलने से रोकना है। नगर पालिका परिषद सिवनी ने शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने के लिए व्यापारी संघ और नागरिकों से सहयोग की अपेक्षा की है। अभियान के माध्यम से जनभागीदारी बढ़ाकर स्वच्छता को जन-आंदोलन का रूप देने का प्रयास किया जाएगा। इस पहल के लिए गौरी शंकर शर्मा सहित सभी प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। उम्मीद जताई गई कि व्यापारी संघ के सहयोग और नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से सिवनी शहर को स्वच्छता के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने की दिशा में सार्थक प्रयास होंगे।

बरघाट में प्राइवेट स्कूल संचालक मंच की बैठक 14 अक्टूबर को, संगठन विस्तार सहित विभिन्न मुद्दों पर होगी चर्चा

बरघाट। प्राइवेट स्कूल संचालक मंच, ब्लॉक बरघाट की आवश्यक बैठक बुधवार, 14 अक्टूबर 2026 को शाम 4 बजे ग्लोबल प्ले स्कूल, वार्ड क्रमांक 1, एसडीओपी कार्यालय के पास बरघाट में आयोजित की जाएगी। बैठक का आयोजन प्राइवेट स्कूल संचालक मंच, जिला सिवनी के कार्यकारी अध्यक्ष नरेश सिंह राजपूत के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। बैठक में बरघाट ब्लॉक के समस्त निजी विद्यालय संचालकों को आमंत्रित किया गया है। इस दौरान संगठन को मजबूत बनाने, ब्लॉक कार्यकारिणी के विस्तार, मंच की सदस्यता तथा जिला कार्यकारिणी के लिए योग्य और सक्रिय संचालकों के नामों पर चर्चा की जाएगी। इसके साथ ही निजी विद्यालयों के संचालन के दौरान संचालकों को आने वाली विभिन्न समस्याओं और कठिनाइयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। आपसी संवाद और संगठनात्मक एकजुटता के माध्यम से समस्याओं के समाधान की दिशा में आवश्यक पहल करने पर भी चर्चा होगी। प्राइवेट स्कूल संचालक मंच, ब्लॉक बरघाट के अध्यक्ष राजूलाल सिंह पटेल ने क्षेत्र के सभी निजी विद्यालय संचालकों से बैठक में समय पर उपस्थित होने की अपील की है। उन्होंने संचालकों से अपने संपर्क में आने वाले अन्य विद्यालय संचालकों को भी बैठक की सूचना देकर साथ लाने का आग्रह किया है, ताकि संगठन के विस्तार और संचालकों की समस्याओं पर व्यापक चर्चा हो सके। बैठक के प्रमुख विषयों में ब्लॉक कार्यकारिणी का विस्तार, सदस्यता अभियान, जिला कार्यकारिणी के लिए नामों पर विचार तथा विद्यालय संचालन से जुड़ी समस्याओं का निराकरण शामिल रहेगा।

मॉयल दुर्गा मंदिर परिसर में दुकानदारों को दिया स्वच्छता ही सेवा का संदेश

बालाघाट (स्वतंत्र मत)

जिला मुख्यालय से करीब 5 किलोमीटर दूर भारत सरकार के इस्पात मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले मिनीरत्न सरकारी उपक्रम मॉयल लिमिटेड भरवेली का सार्वजनिक दुर्गा उत्सव पूरे जिले में अपनी अलग पहचान रखता है। नवरात्रि पर्व के दौरान यहां 10 दिनों तक भव्य मेले का आयोजन किया जाता है। मेले में प्रतिदिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु माता रानी के दर्शन करने, सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लेने और परिवार के साथ मेले का भ्रमण करने पहुंचते हैं। मेले में बड़ी संख्या में अस्थायी दुकानें लगने के कारण मंदिर एवं मेला परिसर में स्वच्छता बनाए रखना एक बड़ी जिम्मेदारी बन जाती है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए नवरात्रि के दूसरे दिन सोमवार, 12 अक्टूबर को सुबह करीब साढ़े सात बजे सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति द्वारा मंदिर एवं मेला परिसर में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने दुकानदारों से संपर्क कर उन्हें स्वच्छता के प्रति जागरूक किया और 'स्वच्छता ही सेवा' का संदेश दिया। समिति सदस्यों ने दुकानदारों से अपील की कि वे अपनी दुकानों के आसपास किसी भी प्रकार

की गंदगी जमा न होने दें। दुकान से निकलने वाले कचरे को इधर-उधर फेंकने के बजाय निर्धारित स्थान पर ही डालें, ताकि मेला परिसर साफ-सुथरा और व्यवस्थित बना रहे। समिति ने कहा कि नवरात्रि के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की आवाजाही होती है। ऐसे में स्वच्छ वातावरण बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। समिति पदाधिकारियों ने कहा कि स्वच्छता केवल आयोजन समिति की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक दुकानदार, श्रद्धालु और नागरिक का कर्तव्य है। यदि सभी लोग अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें तो पूरे मेला परिसर को साफ और आकर्षक रखा जा सकता है। समिति ने दुकानदारों से अपील की कि वे स्वच्छता अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाएं और श्रद्धालुओं को भी कचरा निर्धारित स्थान पर डालने के लिए प्रेरित करें। इस अवसर पर सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति के अध्यक्ष विवेक कुमार, सचिव नरेश सोमवंशी, कार्यक्रम सचिव मंगेश डहाके सहित समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे। सभी ने दुकानदारों से नवरात्रि के पूरे आयोजन के दौरान स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने में पूर्ण सहयोग प्रदान करने का आह्वान किया।

धान उपार्जन के लिए 01 लाख 27 हजार 80 किसानों का हुआ पंजीयन

बालाघाट (स्वतंत्र मत) । खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर किसानों से धान की खरीदी के लिए किसानों का पंजीयन किया गया है। किसानों के पंजीयन की निर्धारित अंतिम तिथि 10 अक्टूबर तक जिले के 01 लाख 27 हजार 80 किसानों का पंजीयन किया गया है। जिन किसानों का पंजीयन किया गया है राजस्व विभाग द्वारा उनके रकबे का सत्यापन किया जा रहा है। जिला खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी संत कुमार भलावी ने बताया कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए लालबर्रा तहसील में 18 हजार 716, खैरलांजी में 15 हजार 698, लांजी में 12 हजार 718, बालाघाट में 13 हजार 554, कटंगी में 10 हजार 151, वारासिवनी में 14 हजार 769, बिरसा में 9679, किरनापुर में 13 हजार 778, परसवाडा में 7271, तिरोडी में 5877 एवं बैहर तहसील में 4869 किसानों का पंजीयन किया गया है।

वीबी जीराम जी योजना के मेटो का प्रशिक्षण सम्पन्न

कटंगी (स्वतंत्र मत)। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन के तहत मेट प्रशिक्षण का आयोजन रविवार, 12 अक्टूबर को शहर के पाथरवाड़ा रोड स्थित प्रशांति वाटिका लॉन में किया गया। प्रशिक्षण में जनपद पंचायत कटंगी से अतिरिक्त कायक्रम अधिकारी मनरेगा शैलेश अड़मे, हितेश पिपलेवार, उपयंत्री चैनलाल बोपचे, कंप्यूटर ऑपरेटर दुर्गेश शेंडे सहित बड़ी संख्या में ग्राम पंचायतों के मेट उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा शैलेश अड़मे ने मेटों को संबोधित करते हुए कहा कि मनरेगा का नाम बदलकर अब वीबी जीराम जी योजना यानी विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन कर दिया गया है, लेकिन इसका उद्देश्य आज भी वही है गांव के हर जरूरतमंद को रोजगार की गारंटी देना। उन्होंने मनरेगा की शुरुआत से लेकर अब तक के सफर पर प्रकाश डालते हुए बताया कि जब 2005 में मनरेगा शुरू हुआ था, तब से लेकर आज तक मेट इस योजना की रीढ़ रहा है। जैसे पंचायत में सरपंच और सचिव की जिम्मेदारी होती है, वैसे ही कार्यस्थल पर मेट की जिम्मेदारी होती है। मेट ही सरकार और मजदूर के बीच की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। शैलेश अड़मे ने मेट की जिम्मेदारियों को विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि मेट की पहली जिम्मेदारी है कि वह गांव-गांव जाकर ऐसे हितग्राहियों की तलाश करे, जिन्हें वास्तव में काम की जरूरत है। कई बार गरीब मजदूर जानकारी के अभाव में काम नहीं मांग पाते, मेट को खुद उनके पास जाकर उन्हें जागरूक करना है। दूसरी जिम्मेदारी है डिमांड लेकर पंचायत में जाना और उनके जॉब कार्ड से लेकर कार्य स्वीकृति तक की पूरी प्रक्रिया को पूरा कराना।

मनमोहन का गट्टू में मोहक खेल!

राशि निकलते ही जियो टैग और कार्य गायब, ग्राम पंचायत मौदा का कारनामा

बालाघाट (स्वतंत्र मत)

जिले की ऐसी पंचायत का कारनामा उजागर ग्रामीणों ने किया है कि सब हैरान है! जनपद पंचायत किरनापुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत मौदा में सरपंच मनमोहन वैध पर भ्रष्टाचार के ग्रामीणों ने आरोप लगाते हुए मोहक खेल उजागर किया है। ग्राम पंचायत सरपंच का खेल भी ऐसा कि ना तो धरातल पर गट्टू लगे, ना कार्य हुआ और राशि निकलते ही कुछ ही घंटों में ग्राम पंचायत से जनपद पंचायत के कर्मचारियों ने धरातल पर गट्टू (वेबर ब्लॉक) निर्माण की तस्वीर डाल कर जिओ टैग कर अधिकारियों को ऑनलाइन निर्माण कार्य पूर्ण बताकर 2,39,000 की राशि बगैर टीएस/एएस के ही गायब कर दिए। वह भी । भ्रष्टाचार का ऐसा खेल सरपंच मनमोहन वैध, सचिव बेनीराम तिलासी, रोजगार सहायक, जनपद के कर्मचारियों की बुनी हुई तस्वीर ने साफ कर दिया हैं कि ऑनलाइन जमाने में भी भ्रष्ट तंत्र का बोलबाला है, वाह रे कर्मचारियों!

जानकारी अनुसार, मौदा के ग्रामीणों ने सरपंच, सचिव और रोजगार सहायक पर आरोप लगाया है कि ऐसी भ्रष्टाचार जोड़ने की कड़ी है कि वह ऑनलाइन जमाने में भी भ्रष्टाचार का बड़ा खेल कर रहे हैं। सरपंच पर आरोप लगाते हुए कहा कि 2,39,000 की राशि आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक केंद्र 01, क्रमांक 2 और केंद्र क्रमांक 3 के परिसर में गट्टू का निर्माण कार्य कराया जाना है इसलिए राशि आहरण की गई है यह सरपंच द्वारा कहा जाता हैं, लेकिन राशि आहरण किए गए करीब 3 महीना हो गए और आंगनबाड़ी परिसर में किसी भी तरह का निर्माण कार्य नहीं किया गया है।

कैसे हुआ जिओ टैग...- निर्माण कार्य का जियो टैग मतलब निर्माण कार्य की फोटो के साथ उसकी वास्तविक भौगोलिक लोकेशन और समय/तारीख दर्ज करना होता है। इस जानकारी के बजाए सरपंच, सचिव और रोजगार सहायक ने ऐसा कारनामा किया कि सब हैरान! आरोप है कि उन्होंने आंगनबाड़ी परिसर में बगैर गट्टू लगाए जिस दिन फर्म हितेश गजभिए के वैंडर पर अलग-अलग बिलों के माध्यम से राशि 2,39000 आहरण दिनांक 15-07-2026 में किया गया उसके कुछ ही देर बाद जनपद के कर्मचारियों ने भी शाम 5 बजे तक जिओ टैग कर दिया। लेकिन सवाल है कि आखिर जिओ टैग में कहां कि पेपर ब्लॉक (गट्टू लगी) की फ़ोटो लगाई गई हैं?

वहां! रे कर्मचारियों... धन्यवाद!

एक ओर सरकार गांव के विकास के लिए लाखों की राशि पंचायत मद में हस्तांतरित करती है तो वहीं दूसरी ओर पंचायत से लेकर जनपद में बैठे कर्मचारी एआई के जमाने की तस्वीर लगाकर ऑफलाइन जनता को ऑनलाइन में मूर्ख बनाने की कोशिश की जा रही हैं। गांव का विकास हो ना हो लेकिन सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक से लेकर जनपद के कर्मचारियों का विकास जरूर दिखाई दे रही हैं। लेकिन ग्रामीण भी गांव के मुखिया मनमोहन वैध के कारनामों की पोल खोलने में कोई कसर नहीं रख रहें और आरोप-प्रत्यारोप का दौर लगातार जारी हैं।

इनका कहना हैं

ग्राम विकास के लिए पैसा आया हैं सरपंच मनमोहन वैध के द्वारा धरातल पर कोई काम नहीं किया गया हैं। गट्टू निर्माण कोई भी नहीं लगा हैं और उसकी राशि 2 लाख 39 हजार आहरण कि गई हैं उसी दिन जियो टैग कर दिया गया वह जियो टैग में फोटो रजेगांव की लगाई गई हैं जिसकी निश्पक्ष जांच करनी चाहिए।

त्रिवेणी बनकर, ग्रामीण

मुझे करीब दो माह ही हुए हैं ग्राम पंचायत मौदा का अतिरिक्त प्रभार मिला है, आंगनवाड़ी में गट्टू लगाने के लिए बुलवाए है। गट्टू निर्माण की राशि सरपंच और रोजगार सहायक ने निकाली होंगी, जिओ टैग रोजगार सहायक ने ही किया होंगा मुझे नहीं मालूम हैं।

बेनीराम तिलासीसचिव, ग्राम पंचायत मौदा

अखिल भारतीय शिक्षा समागम 2026 के अंतर्गत भारत में शिक्षा का भविष्य विषय पर पैनल चर्चा का आयोजन

कटनी (स्वतंत्रमत)।

शासकीय कन्या महाविद्यालय, कटनी में प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात के मार्गदर्शन में अखिल भारतीय शिक्षा समागम 2026 के अंतर्गत भारत में शिक्षा का भविष्य विषय पर पैनल चर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को भारतीय शिक्षा व्यवस्था में हो रहे परिवर्तनों, आधुनिक शिक्षा की संभावनाओं तथा भविष्य की चुनौतियों से अवगत कराना और उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में नवीन दृष्टिकोण विकसित करने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम के प्रारंभ में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात ने अपने उद्बोधन में भारत में शिक्षा का भविष्य विषय के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शिक्षा किसी भी राष्ट्र के सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक एवं बौद्धिक विकास का आधार होती है। वर्तमान समय में शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में व्यावहारिक कौशल, तार्किक चिंतन, रचनात्मकता, नैतिक मूल्यों तथा आत्मनिर्भरता की भावना का विकास करना भी है। उन्होंने आधुनिक तकनीक, डिजिटल शिक्षा, कौशल विकास और रोजगारोन्मुखी शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि बदलते समय के अनुरूप शिक्षा प्रणाली में सकारात्मक परिवर्तन आवश्यक हैं। डॉ. चित्रा प्रभात ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में समग्र एवं बहुविषयक शिक्षा, विद्यार्थियों की रुचि के अनुरूप अध्ययन तथा भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण और संवर्धन की आवश्यकता पर भी अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने छात्राओं को निरंतर सीखने, नवीन तकनीकों को अपनाने और अपनी क्षमताओं को विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि भविष्य की शिक्षा ऐसी होनी चाहिए, जो विद्यार्थियों को ज्ञानवान बनाने के साथ-साथ जिम्मेदार नागरिक के रूप में तैयार करे। इसके पश्चात कार्यक्रम प्रभारी डॉ. सुनील कुमार ने विषय से संबंधित अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने शिक्षा के बदलते स्वरूप, तकनीकी नवाचार, डिजिटल माध्यमों की उपयोगिता तथा वर्तमान समय में कौशल आधारित शिक्षा की बढ़ती आवश्यकता पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि भविष्य की शिक्षा में विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी, समस्या समाधान की क्षमता और व्यावहारिक ज्ञान का विशेष महत्व होगा। शिक्षण प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने के लिए शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के बीच संवाद, विचारों का आदान-प्रदान तथा नवीन शिक्षण पद्धतियों को अपनाना आवश्यक है। कार्यक्रम के अगले चरण में छात्राओं के मध्य भारत में शिक्षा का भविष्य विषय पर पैनल चर्चा आयोजित की गई। इस चर्चा में छात्राओं ने शिक्षा व्यवस्था में संभावित बदलावों, तकनीक के बढ़ते उपयोग, ऑनलाइन एवं ऑफलाइन शिक्षा, कौशल विकास, महिला शिक्षा, रोजगार के अवसरों तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की आवश्यकता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। छात्राओं ने अपने तर्कों और दृष्टिकोण के माध्यम से शिक्षा के वर्तमान स्वरूप तथा भविष्य की संभावनाओं को समझने का प्रयास किया। इस गतिविधि ने छात्राओं में तार्किक चिंतन, आत्मविश्वास, अभिव्यक्ति कौशल और संवाद क्षमता को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के माध्यम से छात्राओं को शिक्षा के क्षेत्र में आने वाले अवसरों एवं चुनौतियों को समझने का अवसर प्राप्त हुआ। साथ ही, उन्हें यह संदेश दिया गया कि गुणवत्तापूर्ण, समावेशी, तकनीक-सक्षम और मूल्यपरक शिक्षा ही विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षकगण एवं छात्राएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम ने शिक्षा के भविष्य पर सार्थक संवाद स्थापित करने के साथ-साथ छात्राओं को जागरूक, आत्मनिर्भर और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार होने के लिए प्रेरित किया।

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में शांति समिति की बैठक आयोजित

नागरिकों को नवरात्रि पर्व के दौरान आपसी भाईचारा, सामाजिक सौहार्द एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश

कटनी (स्वतंत्रमत)। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन एवं अति पु. अधीक्षक कमल मौर्य व उप पु अधी. अनिमेष द्विवेदी के मार्गदर्शन में दिनांक 11अक्टूबर को थाना कुठला में आगामी नवरात्रि पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से थाना प्रभारी कुठला अखलेश दाहिया की उपस्थिति में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में क्षेत्र के लगभग 80 से 100 गणमान्य नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं विभिन्न दुर्गा उत्सव समितियों के सदस्यों ने सहभागिता ली। बैठक के दौरान सभी नागरिकों को नवरात्रि पर्व के दौरान आपसी भाईचारा, सामाजिक सौहार्द एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। नवरात्रि पर्व के दौरान सभी नागरिक आपसी सौहार्द एवं भाईचारे के साथ त्योहार मनाएं। दुर्गा प्रतिमाओं की स्थापना एवं पंडालों में सुरक्षा व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाए। धार्मिक आयोजनों के दौरान ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग शासन द्वारा निर्धारित नियमों एवं अनुमतियों के अनुसार किया जाए। किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें तथा सोशल मीडिया पर भ्रामक एवं आपत्तिजनक संदेश प्रसारित न करें। जुलूस, गरबा एवं अन्य धार्मिक आयोजनों के दौरान यातायात व्यवस्था बाधित न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। धार्मिक स्थलों एवं दुर्गा पंडालों में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था तथा अग्नि सुरक्षा के आवश्यक प्रबंध किए जाएं। महिलाओं, बच्चों एवं बुजुर्गों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाए। किसी भी प्रकार की विवादास्पद स्थिति, असामाजिक गतिविधि अथवा कानून-व्यवस्था संबंधी समस्या उत्पन्न होने पर तत्काल पुलिस को सूचना दी जाए। पर्व के दौरान सभी नागरिक पुलिस एवं प्रशासन का सहयोग करें तथा शांति व्यवस्था बनाए रखने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। अंत में उपस्थित सभी गणमान्य नागरिको से शासन एवं प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने तथा क्षेत्र में शांति, सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने की अपील की गयी।

विश्वकर्मा परिसर में क्रिकेट अकादमी का शुभारंभ, अशोक विश्वकर्मा ने किया विधिवत उद्घाटन

युवा खिलाड़ियों को मिलेगा प्रतिभा निखारने का अवसर, उज्ज्वल भविष्य की कामना की

कटनी (स्वतंत्रमत)। विश्वकर्मा परिसर में हिमांशु ललवानी जी द्वारा प्रारंभ की गई क्रिकेट अकादमी का शुभारंभ उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर जिला पंचायत कटनी के उपाध्यक्ष एवं जिला शिक्षा समिति के अध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा मुख्य रूप से सम्मिलित हुए तथा उन्होंने अकादमी का विधिवत उद्घाटन किया। कार्यक्रम के दौरान अशोक विश्वकर्मा ने युवा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल युवाओं के शारीरिक एवं मानसिक विकास के साथ-साथ अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना को भी मजबूत बनाते हैं। क्षेत्र में इस प्रकार की खेल सुविधाओं का प्रारंभ होना युवाओं के लिए एक सकारात्मक पहल है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह क्रिकेट अकादमी क्षेत्र की उभरती खेल प्रतिभाओं को उचित प्रशिक्षण एवं अपनी प्रतिभा निखारने का बेहतर अवसर प्रदान करेगी। यहां अभ्यास करने वाले युवा खिलाड़ी अपनी मेहनत, लगन और अनुशासन के बल पर भविष्य में जिला, प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकेंगे। अशोक विश्वकर्मा ने अकादमी के संचालक हिमांशु ललवानी की इस पहल की सराहना करते हुए युवा खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि युवाओं को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के अवसर मिलना आवश्यक है, ताकि उनकी प्रतिभा को सही दिशा मिल सके और वे अपने परिवार व क्षेत्र का नाम रोशन कर सकें। क्रिकेट अकादमी की शुरुआत के साथ ही क्षेत्र के युवा खिलाड़ियों में नई उम्मीद और उत्साह देखने को मिला। यह पहल खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने तथा युवाओं को खेल के प्रति प्रेरित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

हनुमान चालीसा के सामूहिक पाठ से गूंजा सिटी मॉल फिर 2 थियेटरों में विद्यार्थियों ने देखी हनुमान अंश

महापौर श्रीमती सूरी की पहल पर निगम स्कूलों के विद्यार्थियों को मिला संस्कार, संस्कृति और प्रेरणा से जुड़ा अनूठा अनुभव

कटनी (स्वतंत्रमत)।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत नगर पालिक निगम कटनी के निगम स्कूलों के विद्यार्थियों के लिए गुरुवार को कटनी सिटी मॉल में हनुमान अंश फिल्म की विशेष स्क्रीनिंग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा के पाठ से हुई। विद्यार्थियों, शिक्षकों और जनप्रतिनिधियों ने श्रद्धापूर्वक हनुमान चालीसा का पाठ किया, जिसके बाद हनुमान अंश फिल्म का प्रदर्शन प्रारंभ हुआ। महापौर प्रीति संजीव सूरी की पहल पर आयोजित इस विशेष कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को मनोरंजन के साथ-साथ भारतीय संस्कृति, संस्कार, साहस, सेवा भावना और मानवीय मूल्यों से जोड़ना रहा। हनुमान चालीसा के सामूहिक पाठ के बाद फिल्म के माध्यम से विद्यार्थियों को भगवान हनुमान के आदर्शों, उनके साहस, समर्पण और सकारात्मक सोच से जुड़े संदेशों को समझने का अवसर मिला।

फिल्म शुरू होते ही विद्यार्थियों में दिखा उत्साह

सिटी मॉल में फिल्म शुरू होने से पहले ही निगम स्कूलों के विद्यार्थियों में खासा उत्साह नजर आया। 600 से अधिक संख्या में विद्यार्थी अपने शिक्षकों एवं स्कूल स्टाफ के साथ कार्यक्रम में शामिल हुए। सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा के पाठ के बाद जैसे ही फिल्म शुरू हुई, विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ फिल्म का आनंद लिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों में अनुशासन, उत्सुकता और प्रसन्नता का माहौल देखने को मिला।

जनप्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों के साथ देखी फिल्म, बढ़ाया उत्साह

विशेष स्क्रीनिंग में एमआईसी सदस्यों सहित जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी मौजूदगी रही। जनप्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों के साथ फिल्म का अवलोकन कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को यह संदेश भी मिला कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है, बल्कि संस्कार, संस्कृति, अच्छे विचार और मानवीय मूल्यों से जुड़कर ही व्यक्तित्व का समग्र विकास होता है।

सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से सकारात्मक सोच को बढ़ावा

महापौर श्रीमती सूरी ने बताया कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सदैव सेवा कार्यों के लिए तत्पर रहते हैं और उनके नेतृत्व में सेवा, समर्पण एवं जनकल्याण की भावना को आगे बढ़ाते हुए सेवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। इसी सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आज निगम स्कूलों के विद्यार्थियों के लिए इस विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ भारतीय संस्कृति, संस्कार, अच्छे विचार एवं मानवीय मूल्यों से जोड़ना इस आयोजन का प्रमुख उद्देश्य है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के साथ उनमें सकारात्मक सोच, सेवा भावना और समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कटनी नगर में पहली बार निगम स्कूलों के विद्यार्थियों एवं स्टाफ के लिए इस प्रकार की सामूहिक फिल्म स्क्रीनिंग आयोजित की गई, जिसमें हनुमान चालीसा के सामूहिक पाठ से लेकर प्रेरणादायी फिल्म के प्रदर्शन तक पूरा आयोजन विद्यार्थियों के लिए एक यादगार अनुभव बन गया।

समग्र पोर्टल में दो बड़े बदलाव की तैयारी

कटनी (स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश सरकार अपनी महत्वाकांक्षी डिजिटल व्यवस्था 'समग्र पोर्टल' को पूरी तरह आधुनिक और चाक-चौबंद करने जा रही है। व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और त्रुटिहीन बनाने के उद्देश्य से पोर्टल में दो बड़े संरचनात्मक बदलाव किए जा रहे हैं। इसे 'समग्र 2.0' के रूप में तैयार किया जा रहा है, जिसका सीधा असर राज्य की तमाम जनकल्याणकारी योजनाओं की वितरण प्रणाली पर पड़ेगा। प्रस्तावित बदलावों का सबसे बड़ा केंद्र बिंदु फर्जीवाड़े पर लगाम लगाना है। नई व्यवस्था के तहत हितग्राहियों के रिकॉर्ड के सत्यापन (वेरिफिकेशन) का कड़ा तंत्र विकसित किया जा रहा है। इससे एक ही व्यक्ति के कई आईडी बनाने, फर्जी नामों से लाभ उठाने और अपात्र लोगों द्वारा सरकारी योजनाओं में सेंधमारी करने जैसी गड़बड़ियों को पूरी तरह ब्लॉक किया जा सकेगा।

पर्वों के मद्देनजर धार्मिक स्थलों और मेला परिसर में फागिंग

कटनी (स्वतंत्रमत)। नवरात्रि के दौरान धार्मिक स्थलों और मेला परिसरों में श्रद्धालुओं की आवाजाही को देखते हुए नगर निगम ने मच्छर नियंत्रण के लिए फागिंग अभियान चलाया। रविवार शाम जालपा देवी मंदिर के आसपास और पहुंच मार्ग, बरसी मेला स्थल तथा रामलीला मैदान में फागिंग मशीन से दवा का छिड़काव कराया गया। पर्व के दौरान इन स्थलों पर लोगों की आवाजाही बढ़ने के मद्देनजर निगम द्वारा स्वच्छता के साथ मच्छरों के प्रकोप को नियंत्रित करने की कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन ने पानी जमा नहीं होने देने तथा साफ-सफाई बनाए रखने की अपील की है।

खनिज परिवहन पर तकनीकी पहरा

कटनी (स्वतंत्रमत)। जिले में खनिजों के अवैध परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए अब वाहनों की पहचान तकनीक के जरिए की जाएगी। जिला प्रशासन और खनिज विभाग ने सभी पंजीकृत खनिज परिवहन वाहनों पर रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटेटीफिकेशन (आरएफआईडी) टैग लगवाना अनिवार्य कर दिया है। वाहन मालिकों को इसके लिए एक माह का समय दिया गया है। निर्धारित अवधि में टैग नहीं लगवाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। मध्यप्रदेश खनिज नियम, 2022 के तहत लागू एआई आधारित मानवरहित ई-चेकगेट प्रणाली से खनिज परिवहन की निगरानी होगी। इसमें आरएफआईडी टैग वाहनों की पहचान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वाहन पर टैग नहीं मिलने या उसके क्षतिग्रस्त पाए जाने पर खनिज परिवहन प्रतिबंधित रहेगा। नियमों के उल्लंघन पर ई-खनिज पोर्टल से वाहन का पंजीयन निरस्त भी किया जा सकेगा। वाहन मालिक विभागीय पोर्टल विकल्प चुनकर वाहन का विवरण और पिकअप लोकेशन दर्ज कर ऑनलाइन भुगतान के जरिए टैग प्राप्त कर सकते हैं। उपसंचालक ने खदान पट्टाधारकों, से एक माह के भीतर प्रक्रिया पूरी करने की अपील की है।

दुर्गा पंडालों से बाधित न हों आवागमन

महापौर और निगमायुक्त की दुर्गा समितियों से अपील

कटनी (स्वतंत्रमत)।

नवरात्रि पर दुर्गा प्रतिमाओं की स्थापना और पंडाल निर्माण के दौरान सार्वजनिक मार्गों को क्षतिग्रस्त करने तथा आवागमन बाधित करने से बचने की अपील महापौर प्रीति सूरी और निगमायुक्त तपस्या परिहार ने दुर्गा समितियों से की है। उन्होंने कहा कि पंडालों के लिए उपयुक्त स्थल का चयन किया जाए, ताकि श्रद्धालुओं के साथ आम नागरिकों को परेशानी न हो और एंबुलेंस व फायर ब्रिगेड जैसे आपातकालीन वाहनों की आवाजाही बनी रहे। पंडाल निर्माण के दौरान सड़क, फुटपाथ, पेयजल पाइपलाइन और अन्य नागरिक सुविधाओं को नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए। निगम प्रशासन के मुताबिक सार्वजनिक संपत्ति को क्षति पहुंचने पर मरम्मत में अतिरित समय, श्रम और धन खर्च होता है, जिसका असर दूसरे विकास कार्यों पर भी पड़ता है। महापौर और निगमायुक्त ने धार्मिक आयोजन की गरिमा बनाए रखते हुए यातायात व्यवस्था और सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा में सहयोग करने की अपील की है।

चांडक चौक पर जाम से मिलेगी राहत

ट्रैफिक पुलिस ने लगाए अस्थाई डिवाइडर और कोन, लेन सिस्टम लागू

कटनी (स्वतंत्रमत)।

शहर के व्यस्ततम चांडक चौक पर रोजाना लगने वाले जाम और अनियंत्रित वाहनों की आवाजाही से आम जनता को राहत दिलाने के लिए यातायात पुलिस ने नया प्रयोग शुरू किया है। चौराहे पर बढ़ते दबाव को देखते हुए पुलिस ने अस्थाई डिवाइडर और प्लास्टिक कोन लगाकर आवागमन को व्यवस्थित किया है, जिससे वाहनों की बेवजह क्रॉसिंग पर रोक लगेगी। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य एवं डीएसपी (यातायात) रत्नेश मिश्रा के मार्गदर्शन में की गई। यातायात थाना प्रभारी अनूप सिंह एवं ट्रैफिक पुलिस टीम ने रविवार को चांडक चौक पर मोर्चा संभालते हुए पूरे चौराहे को लेनवार व्यवस्थित किया।

अनावश्यक क्रॉसिंग और रॉन्ग साइड पर लगेगी लगाम चांडक चौक पर चारों दिशाओं से आने वाले वाहनों के कारण असर पीक ऑवर्स में जाम की स्थिति बन जाती थी। कई वाहन चालक मनमाने ढंग से बीच चौराहे से वाहन मोड़ लेते थे, जिससे दुर्घटनाओं का अंदेशा बना रहता था। अब प्लास्टिक कोन और डिवाइडर लगने से सभी वाहनों को तय लेन से ही गुजरना होगा। मौके पर यातायात बल तैनात रहकर व्यवस्था की सतत निगरानी भी करेगा। यातायात पुलिस ने शहरवासियों और वाहन चालकों से सहयोग की अपील की है। पुलिस के अनुसार, चालक निर्धारित दिशा में ही वाहन चलाएं, चौराहों पर बेवजह गाड़ी रोककर रास्ता बाधित न करें और ट्रैफिक कर्मियों के निर्देशों का पालन करें, ताकि शहर का यातायात सुगम और सुरक्षित बना रहे।

गोल बाजार रामलीला में सीता विवाह का भव्य मंचन

कटनी (स्वतंत्रमत)। गोल बाजार रामलीला मैदान में रविवार को रामलीला मंडली के कलाकारों ने सीता विवाह, पांव पंखरी और कुंवर कलेवा के प्रसंगों का आकर्षक मंचन कर रामलीला की परंपरा को जीवंत कर दिया। विवाह प्रसंगों की मनमोहक प्रस्तुति देखने के लिए मैदान में बड़ी संख्या में दर्शक पहुंचे। पूरे आयोजन के दौरान धार्मिक उत्साह और पारंपरिक उल्लास का माहौल देखने को मिला। रामलीला के मंच पर कलाकारों ने पारंपरिक शैली में विवाह से जुड़े प्रसंगों को प्रस्तुत किया। सजीव अभिनय और आकर्षक मंचन ने दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। रामलीला देखने पहुंचे लोगों ने कलाकारों की प्रस्तुति का आनंद लिया। इस अवसर पर रामलीला कमेटी के सचिव भरत अग्रवाल, उपाध्यक्ष रवि खरे, शरद अग्रवाल, राजेन्द्र सोंधिया, अंतिम गुप्ता, धर्मेंद्र तिवारी अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

प्रमुख चौराहों से हटे अवैध बैनर-पोस्टर बाजार में हुई जब्ती की कार्रवाई

कटनी (स्वतंत्रमत)। आगामी त्योहारों के मद्देनजर शहर की सड़कों पर सुगम व सुरक्षित यातायात व्यवस्था बहाल करने नगर पालिक निगम प्रशासन सख्त हो गया है। निगमायुक्त द्वारा मुख्य मार्गों के औचक निरीक्षण के दौरान दी गई सख्त हिदायत के बाद अतिक्रमण अमला मैदान में उतर आया। अतिक्रमण प्रभारी मानेंद्र सिंह के नेतृत्व में शनिवार को शहर के व्यस्ततम चौराहों और प्रमुख बाजारों में सघन अभियान चलाकर अवैध होर्डिंग्स, बैनर हटाए गए तथा सामान जत किया गया।

मिशन चौक से स्टेशन मार्ग तक चला डंडा

त्योहारों में बाजारों में उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए निगम की अलग- अलग टीमों ने मिशन चौक, आजाद चौक, झंडा बाजार, गोले बाजार और मुख्य रेलवे स्टेशन मार्ग पर घेराबंदी की। आजाद चौक से झंडा बाजार मार्ग पर सड़क सीमा पर अव्यवस्थित ढंग से सामान फैलाकर व्यापार करने वालों की सामग्री जब्त की गई। साथ ही दुकानदारों को अल्टीमेटम दिया गया कि यदि निर्धारित सीमा के बाहर सामान रखकर आवागमन बाधित किया तो सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। निगम प्रशासन के अनुसार यह अभियान आगामी दिनों में भी निरंतर जारी रहेगा।

दृश्यता बाधित कर रहे 8 बैनर पोल सहित जब्त

निगम की टीम ने मिशन चौक, जगन्नाथ चौक और गांधी द्वार थाना तिराहा पर बिना अनुमति लगाए गए बैनरपोस्टरों के खिलाफ कार्रवाई की। अतिक्रमण प्रभारी ने बताया कि चौराहों पर लगे ये अवैध प्रचार माध्यम न सिर्फ शहर की सुंदरता बिगाड़ रहे थे, बल्कि वाहन चालकों की दृश्यता बाधित कर हादसों का कारण भी बन रहे थे। कार्रवाई के दौरान लोहे के पोल सहित 8 बड़े बैनर जब्त कर निगम कार्यालय भेजे गए।

माया ने तोड़ा सानिया मिर्जा का 22 साल पुराना रिकॉर्ड

17 साल में महिला प्रो-टेनिस चैंपियन, सबसे युवा भारतीय बनीं

नई दिल्ली

17 साल की भारतीय टेनिस खिलाड़ी माया राजेश्वरन रेवती ने सानिया मिर्जा का 22 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है। उन्होंने पुर्तगाल के लागोस में आईटीएफ डब्ल्यू35 टूर्नामेंट जीत लिया है। वे यह टाइटल जीतने वाली सबसे युवा भारतीय बनी हैं। 17 साल 3 महीने की माया ने विमेंस सिंगल्स के फाइनल में स्पेन की सीलिया सरविनो को सीधे सेटों में 6-4, 6-2 से हराया। सानिया मिर्जा ने 2004 में 17 साल 10 महीने की उम्र में खिताब जीता था। दुनिया की 1038वें नंबर की खिलाड़ी माया ने मुख्य ड्रॉ के पहले राउंड में टॉप सीड और वर्ल्ड नंबर-246 जुस्तिना मिकुलस्काइट को

7-6(1), 6-1 से हराया। पहले सेट में वह 0-5 से पिछड़ गई थीं, लेकिन इसके बाद वापसी करते हुए सेट टाईब्रेकर में जीत लिया। दूसरे राउंड में माया ने अर्जेंटीना की बर्टा बोनार्डी को 6-2, 6-0 से हराया। फाइनल में पहला सेट जीतने के बाद माया ने मन ही मन गाना गुनगुनाना शुरू कर दिया। मैच के बाद उन्होंने कहा, मुझे लगा कि मैं बहुत ज्यादा दबाव ले रही हूं। तनाव कम करने के लिए मैंने मन में गाना गुनगुनाना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा, च्पहला खिताब हमेशा खास होता है। इस हफ्ते की कई अच्छी यादें मेरे साथ रहेंगी। इस जीत से मुझे कॉन्फिडेंस मिला है कि मैं बड़े स्तर पर मुकाबला कर सकती हूं।

विमेंस डबल्स में भी चैंपियन बनीं

माया ने यूक्रेन की येलिजवेता कोट्लियार के साथ डबल्स खिताब भी अपने नाम किया। उन्होंने अपनी जोड़ी दार के साथ फाइनल में मिन लियू और कार्लोटा मोचिया को 0-6, 6-2, 10-7 से हराया। पहला सेट 0-6 से गंवाने के बाद माया और कोट्लियार ने दूसरे सेट में वापसी की। इसके बाद निर्णायक सुपर टाईब्रेकर 10-7 से जीतकर खिताब अपने नाम किया।

पूर्व क्रिकेटर ने अगरकर की चयन समिति पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर वसीम जाफर ने विराट कोहली के टेस्ट से संन्यास के लिए अजीत अगरकर की सिलेक्शन कमेटी को जिम्मेदार ठहराया है। जाफर ने कहा कि कोहली चयन पैनल के व्यवहार से नाराज थे। उन्होंने यह भी कहा कि कोहली इंग्लैंड दौरे की तैयारी कर रहे थे और अधिक टेस्ट खेल सकते थे। भारत के दिग्गज विराट कोहली और रोहित शर्मा ने पिछले साल एक हफ्ते के भीतर टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया था। इसके बाद भारतीय टीम को इंग्लैंड के पांच टेस्ट की सीरीज के लिए जाना था।जाफर ने अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति पर कोहली के साथ गलत व्यवहार करने का आरोप लगाया। जाफर ने कहा, च्ऐसा लगा कि विराट के साथ जिस तरह व्यवहार किया गया, उससे वह थोड़े नाराज थे।

यंग टाइग्रेस ने लगातार एएफसी अंडर-17 महिला एशियन कप के लिए किया क्वालिफाई

सेलायांग (मलेशिया)

शानदार आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए भारत की अंडर-17 महिला टीम ने एमपी सेलायांग स्टेडियम में मलेशिया को 4-0 से हराया। इस जीत के साथ वे ग्रुप ई में र्गष पर रहीं और एएफसी अंडर-17 महिला एशियन कप चीन 2027 के लिए क्वालिफाई कर लिया। इस नतीजे के साथ, जोआकिम अलेक्जेंडरसन की यंग टाइग्रेस ने इतिहास रच दिया। वे किसी भी उम्र वर्ग (सीनियर सहित) में लगातार महिला एशियन कप के लिए क्वालिफाई करने वाली पहली भारतीय टीम बन गईं। रेडिमा देवी चिंगखमायुम ने पहले हाफ के बीच में एक शानदार लॉन्ग-रेंज शॉट से भारत को बढ़त दिलाई, जबकि दूसरे हाफ में प्रीतिष्का बर्मन, अनुष्का कुमारी और निधि ने एक-एक गोल किया। यंग टाइग्रेस ने तीन मैचों में नौ अंकों के साथ अपना सफर खत्म किया और बिना कोई गोल खाए अजेय रहीं। मलेशिया छह

अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा, जबकि सीरिया और इराक उसके बाद रहे। भारत ने इराक को 14-0 और सीरिया को 2-0 से हराया था।

दिन भर हुई भारी बारिश के कारण मैदान कीचड़ से भर गया था और जगह-जगह पानी जमा हो गया था। गेंद अक्सर रुक जाती थी, जिससे खेल की गति धीमी हो जाती थी और खिलाड़ियों की ज़्यादा ऊर्जा खर्च होती थी। रात नौ बजे शुरू हुए इस मैच में स्थानीय टीम का हौसला बढ़ाने के लिए काफी संख्या में दर्शक पहुंचे थे। लेकिन वे बस यही उम्मीद कर सकते थे कि मलेशिया और गोल न खाए। भारत का दबदबा इतना ज़्यादा था कि वे पहले 25 मिनट में ही बड़ा स्कोर बना सकते थे, अगर घरेलू टीम की गोलकीपर पुत्री आइना हुस्ना बिंतो मोहम्मद सुबरी ने कुछ बेहतरीन बचाव न किए होते।

थंडमोनी बास्की और रेडिमा देवी चिंगखमायुम की मिडफील्ड तिकड़ी ने लगातार च्थ्रू पासज् देने के लिए कड़ी मेहनत की। उनके इंटरसेप्शन ने मलेशियाई हमले को आगे बढ़ने से रोका, और वे मुश्किल से ही हाफ-वे लाइन से आगे बढ़ पाए।

डेनमार्क ओपन के पहले मैच में सिंधु का सामना ओलंपिक चैंपियन एन से-यंग से

पीवी सिंधु को डेनमार्क ओपन में मिला कठिन ड्रॉ, आज से शुरु होगा टूर्नामेंट

कोपेनहेगन

भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु को डेनमार्क ओपन में कठिन ड्रॉ मिला है। आज मंगलवार से डेनमार्क के ओडेंस में शुरू होने जा रहे इस टूर्नामेंट में सिंधु का पहला मैच दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी और मौजूदा चैंपियन एन से-यंग से होगा। 2 बार की ओलिंपिक मेडलिस्ट सिंधु एन के खिलाफ पिछले 10 मैच हार चुकी हैं। उनके अलावा, मेंस सिंगल्स में लक्ष्य सेन के सामने तीसरी वरीयता प्राप्त चाउ तिएन चेन की चुनौती होगी। पूर्व विश्व चैंपियन सिंधु ने जुलाई में जापान ओपन सुपर 750 का खिताब जीता था। वे यह टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय बनी थीं। सिंधु ने फाइनल मुकाबले में जापान की अकाने यामागुची को 21-17, 21-17 से हराया। यह मुकाबला करीब 50 मिनट तक चला था। एशियाड में खराब प्रदर्शन के बाद

लक्ष्य सेन अपनी फॉर्म हासिल करना चाहेंगे। पिछले 2 साल में उनका प्रदर्शन अप-डाउन होता रहा है। लक्ष्य इस साल दूसरी बार ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के उपविजेता रहे। 2022 में भी वे इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे थे। 2024 में ओलिंपिक सेमीफाइनल में पहुंचने वाले लक्ष्य भारत के इकलौते पुरुष सिंगल्स खिलाड़ी हैं। वे पीठ की चोट से परेशान रहे हैं।

आयुष-श्रीकांत भी मैदान में

आयुष शेट्टी अपने शानदार प्रदर्शन को आगे बढ़ाना चाहेंगे। उन्होंने 2025 में यूएस ओपन सुपर 300 का खिताब जीता था। इस साल विश्व चैंपियनशिप में आयुष ने तत्कालीन दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी शी यूची को हराकर सुर्खियां बटोरी थीं।

उनका सामना इंडोनेशिया के अल्वी फरहान से होगा। विश्व चैंपियनशिप के प्री-क्वार्टर फाइनल में अल्वी ने आयुष को हराया था। किदांबी श्रीकांत का मुकाबला फ्रांस के अर्नाँड मर्कल से होगा।

पाकिस्तान की नई टीम ने श्रीलंका के खिलाफ रचा इतिहास

रावलपिंडी। युवा बल्लेबाज माज सदाकात (96) और साहिबजादा फरहान (73) की शानदार पारियों की बदौलत पाकिस्तान की नयी टीम ने यहा श्रीलंका के खिलाफ 82 रनों की ऐतिहासिक जीत दर्ज की। पाकिस्तान ने माज सदाकत 96 रनों की शानदार पारी की मदद से तीन विकेट पर 215 का बड़ा स्कोर बनाया और फिर रविवार को एशियाई टीम की बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए श्रीलंका को सात विकेट पर 133 रन पर रोक कर 82 रनों से ऐतिहासिक जीत दर्ज की। यह घरेलू मैदान पर पुरुषों के टी-20 मैचों में पाकिस्तान का सबसे बड़ा टीम स्कोर था और कुल मिलाकर उनका दूसरा सबसे बड़ा स्कोर था। इससे बेहतर स्कोर उन्होंने 2021 में नॉटिंघम में इंग्लैंड के खिलाफ 232/6 बनाया था। इस मैच में पाकिस्तान ने 13 छक्के लगाए, जो किसी भी पुरुष टी-20 में उनके द्वारा लगाए गए छक्कों की संख्या के मामले में संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर है; उनका अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन 2024 में डबलिन में आयरलैंड के खिलाफ 15 छक्कों का था।

रणजी ट्रॉफीः मुंबई ने चंडीगढ़ को 78 रन पर समेटा

तुषार देशपांडे की हैट्रिक, उमेश यादव ने पंजाब के लिए डेब्यू पर झटके 5 विकेट

नई दिल्ली। रणजी ट्रॉफी 2026-27 के दूसरे दिन मुंबई के तुषार देशपांडे ने चंडीगढ़ के खिलाफ हैट्रिक लेकर पांच विकेट पूरे किए। उनकी गेंदबाजी के सामने चंडीगढ़ की पहली पारी महज 78 रन पर सिमट गई। मुंबई ने 429 रन बनाने के बाद फॉलोऑन दिया और दूसरी पारी में भी चंडीगढ़ का एक विकेट गिरा दिया। दूसरी ओर, विदर्भ के कप्तान अक्षय वाडकर दोहरे शतक से सिर्फ 2 रन दूर रह गए। सौराष्ट्र के प्रेरक मांकड़ और रवींद्र जडेजा ने शतक लगाए। बंगाल के सुदीप कुमार घरामी और अभिषेक पोरेल ने दिल्ली के खिलाफ नाबाद शतकीय पारियां खेलकर टीम को बढ़त दिलाई। पंजाब की ओर से खेल रहे उमेश यादव ने भी असम के खिलाफ दो साल बाद फर्स्ट क्लास क्रिकेट में वापसी करते हुए पांच विकेट हासिल किए।

मुंबई ने फॉलोऑन दिया

मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 429 रन बनाए। टीम के लिए तनुष कोटियान और तुषार देशपांडे ने अर्धशतक लगाकर निचले क्रम में अहम योगदान दिया। कप्तान सिद्धेश लाड ने 86 रन बनाए। चंडीगढ़ के राज अंगद बावा और रोहित धांडा ने 4-4 विकेट लिए। जवाब में चंडीगढ़ की बल्लेबाजी बुरी तरह लड़खड़ा गई। तुषार देशपांडे ने अर्जुन आजाद, शिवम भांबरी और दीपेंद्र कुश को लगातार गेंदों पर आउट किया। मुंबई के मोहित अवस्थी ने भी 9 रन देकर 3 विकेट झटके। चंडीगढ़ की टीम 78 रन पर ऑलआउट हो गई। मुंबई ने फॉलोऑन दिया और दूसरी पारी में भी चंडीगढ़ का एक विकेट गिर गया। देशपांडे ने अपने फर्स्ट क्लास करियर का छठा पांच विकेट हॉल पूरा किया, जिसमें यह हैट्रिक भी शामिल रही।

वाडकर दोहरे शतक से चूके

विदर्भ ने पुडुचेरी के खिलाफ पहली पारी में 428 रन बनाए। एक समय टीम 54 रन पर 5 विकेट गंवा चुकी थी, लेकिन अक्षय वाडकर ने पारी संभाल ली। उन्होंने 198 रन बनाए और अपने पहले फर्स्ट क्लास दोहरे शतक से सिर्फ 2 रन दूर रह गए। यश राठौड़ ने 134 रन की पारी खेली। दोनों के बीच छठे विकेट के लिए 205 रन की साझेदारी हुई। पुडुचेरी ने जवाब में दिन का खेल खत्म होने तक 98 रन पर एक विकेट गंवाया था।

जडेजा और मांकड़ के शतक से सौराष्ट्र ने बनाए 392 रन

सौराष्ट्र ने छत्तीसगढ़ के खिलाफ पहली पारी में 392 रन बनाए। प्रेरक मांकड़ ने 129 रन की पारी खेली, जबकि रवींद्र जडेजा ने 102 रन बनाए। मांकड़ और जडेजा के बीच छठे विकेट के लिए 205 रन की साझेदारी हुई। जडेजा को धर्मेंद्र सिंह जडेजा ने आउट किया। चिराग जानी ने भी 83 रन बनाए। जवाब में छत्तीसगढ़ ने दिन का खेल समाप्त होने तक 122 रन पर 3 विकेट गंवाए।

सोना 1,369 रुपए सस्ता हुआ

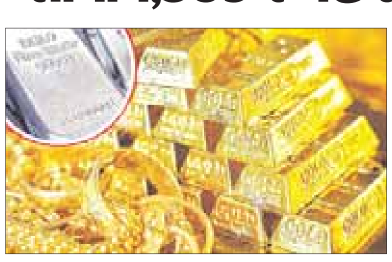

-10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1.48 लाख रुपए पर आया, सितंबर में 8 हजार गिरा था

नई दिल्ली। सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 12 अक्टूबर को गिरावट रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,369 रुपए गिरकर 1.48 लाख रुपए आ गया है। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 814 रुपए घटकर 2.20 लाख रुपए हो गई है।इससे पहले बीते महीने यानी सितंबर में सोना 8 हजार और चांदी 15 हजार सस्ती रुपए हुई। 31 अगस्त को सोना 1.56 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर था जो 30 सितंबर को 1.48 लाख रुपए पर आ गया। इसी तरह 1 किलो चांदी की कीमत 2.37 लाख रुपए से गिरकर 2.22 लाख रुपए पर आ गई। विशेषज्ञों का मानना है कि फिलहाल सोने-चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने 3 साल में पहली बार ब्याज दरें बढ़ाई है। इससे सोने के दाम में गिरावट है। अमेरिका-ईरान जंग और आर्थिक अनिश्चितता के कारण सोने को सपोर्ट मिल सकता है।निवेशक सोने को सुरक्षित निवेश के रूप में फिर चुन सकते हैं। निवेशकों को सतर्क रहना चाहिए क्योंकि बाजार में अब भी कमजोरी के संकेत दिख रहे हैं। किसी भी बड़ी गिरावट पर खरीदारी का मौका भी बन सकता है।

दिग्गज कंपनियों में बिकवाली से लुढ़के शेयर बाजार

मुंबई

घरेलू शेयर बाजारों में शुरुआती तेजी के बाद दिग्गज कंपनियों में हुई बिकवाली से सोमवार को प्रमुख सूचकांक 0.7 प्रतिशत की गिरावट में बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 547.65 अंक (0.76 प्रतिशत) लुढ़ककर 71,924.68 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 157.10 अंक यानी 0.70 प्रतिशत टूटकर 22,363.35 अंक पर आ गया।

दोनों सूचकांकों की शुरुआत सुबह बढ़त के साथ हुई थी, लेकिन बाद में दिग्गज कंपनियों में बिकवाली से ये दबाव में आ गए। वृहत बाजार में अधिकतर सूचकांक हरे निशान में रहे। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.24 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप-100 सूचकांक

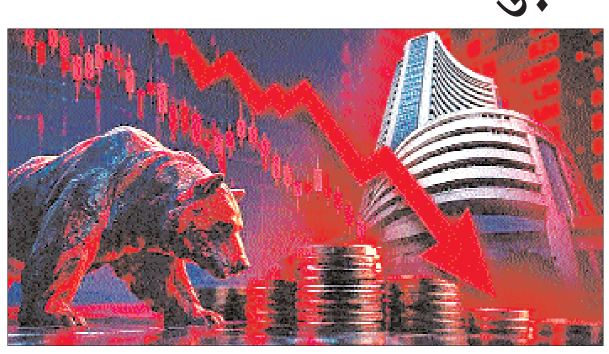

1.42 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। सेक्टर आधारित सूचकांकों में निफ्टी एफएमसीजी 1.67 प्रतिशत टूट गया। आईटी, बैंकिंग, वित्त, धातु और तेल एवं गैस समूहों के सूचकांक भी फिसल गए। निफ्टी मीडिया में 4.60 प्रतिशत की तेजी रही। रसायन, ऑटो, रियल्टी और फार्मा सेक्टरों के सूचकांक भी हरे निशान में बंद हुए।

एनएसई में जिन 3,706 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 1,795 के शेयर ऊपर और 1,796 के नीचे रहे। अन्य 115 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित रहे। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 23 के शेयरों में गिरावट रही। आईटीसी का शेयर 3.23 प्रतिशत, टेक महिंद्रा का 3.10 प्रतिशत और हिंदुस्तान यूनीलिवर का 2.10 प्रतिशत टूट गया। एलएंडटी का शेयर 1.87 फीसदी, भारतीय स्टेट बैंक का 1.78, टीसीएस का 1.67, भारती एयरटेल का 1.58, बजाज फिनसर्व का 1.34, अल्ट्राटेक सीमेंट का 1.18, इंडिगो का 1.13 और रिलायंस इंडस्ट्रीज का 1.01 प्रतिशत टूट गया। टाटा स्टील, इंफोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, मारुति सुजुकी, अडानी एयरपोर्ट्स, एशियन पेंट्स, एचडीएफसी बैंक और ट्रेंट के शेयर भी लाल निशान में रहे। बीईएल का शेयर 1.38 फीसदी मजबूत हुआ। महिंद्रा एंड महिंद्रा, कोटक महिंद्रा बैंक और एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर भी बढ़त में रहे। वैश्विक स्तर पर एशिया में चीन का शंघाई कंपोजिट 0.43 प्रतिशत और जापान का निक्केई 0.02 प्रतिशत गिर गया। हांगकांग का हैंग सेंग 0.25 प्रतिशत की बढ़त में बंद हुआ। यूरोपीय बाजारों में शुरुआती कारोबार में ब्रिटेन का एफटीएसई 0.74 प्रतिशत और जर्मनी का डैक्स 0.69 प्रतिशत ऊपर रहा।

बिजली संयंत्रों के पास कोयले का स्टॉक 1.8 करोड़ टन से अधिक

नयी दिल्ली। अक्टूबर में लोडिंग में सुधार के साथ बिजली संयंत्रों में कोयले का भंडार 29 सितंबर से बराबर 1.8 करोड़ टन से अधिक स्तर पर बना हुआ है। कोयला मंत्रालय की सोमवार को जारी

विज्ञप्ति के अनुसार 29 सितंबर को घरेलू कोयला आधारित बिजली घरों में कोयले का कुल भंडार 1.89 टन से कुछ अधिक और 10 अक्टूबर को 1.82 करोड़ टन था। मंत्रालय का कहना है कि यह स्थिरता दर्शाती है कि कोयले की आपूर्ति बिजली संयंत्रों की दैनिक खपत के अनुरूप बनी हुई है और महत्वपूर्ण भंडार वाले संयंत्रों को आपूर्ति की करीबी से निगरानी की जा रही है। मंत्रालय ने कहा कि पर्याप्त आपूर्ति और निर्बाध बिजली उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए, आवश्यकता के आधार पर संवेदनशील स्टेशनों को कोयले का पुनर्वितरण किया जा रहा है। सितंबर महीने में बिजली घरों में कोयला स्टॉक लगभग 72.8 लाख टन घट गया था जो प्रति दिन औसतन लगभग 2.4 लाख टन की गिरावट दर्शाता है। अक्टूबर 2026 के पहले दस दिनों में, स्टॉक में कुल मिलाकर केवल लगभग 5.6 लाख टन की गिरावट आई जो प्रति दिन औसतन लगभग 60 हजार टन की गिरावट दर्शाता है। मंत्रालय ने कहा कि अक्टूबर में कोयले की रेक लोडिंग में वृद्धि हुई है। अक्टूबर (1-10 अक्टूबर) में विद्युत क्षेत्र को लोड किए गए रेक की औसत संख्या 469 रेक प्रति दिन रही, जबकि सितंबर में यह 426 रेक प्रति दिन थी, जो लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है।

नये मुक्त व्यापार समझौतों से देश में रोजगार के अवसर बढ़ेंगेः पीयूष गोयल

नयी दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत के नये मुक्त मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) से देश के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। श्री गोयल ने सोमवार को राजधानी में एक परिचर्चा कार्यक्रम में व्यवसायों, स्टार्टअप और युवाओं के लिए अवसर पैदा करने के प्रयासों का जिक्र करते हुए कहा, लोगों के लिए रोजगार के अवसर प्रदान करने, हमारे स्टार्टअप के लिए अवसर प्रदान करने, हमारे युवाओं को नए विचारों के साथ आने के लिए हम वैश्विक बाजार का हिस्सा बनना चाहते हैं। कार्यक्रम का विषय था दिल्ली संवाद, भविष्य के लिए तैयार भारत के लिए नीतियां वाणिज्य मंत्री ने कहा कि एफटीए के माध्यम से वैश्विक बाजारों के साथ भारत के बढ़ते जुड़ाव से भारतीय व्यवसायों के लिए कारोबार के अवसर तथा युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। श्री गोयल ने दुनिया की सर्वश्रेष्ठ प्रौद्योगिकियों के साथ जुड़ने और महत्वपूर्ण रोजगार और व्यावसायिक क्षमता वाले क्षेत्रों की पहचान करने के लिए दोहरे दृष्टिकोण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विकसित अर्थव्यवस्थाओं के साथ भारत की साझेदारी से दोनों पक्षों को लाभ हो सकता है, भारत उन्नत प्रौद्योगिकियों और उच्च गुणवत्ता वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों तक पहुंच प्राप्त करने के साथ-साथ कपड़ा, जूते, कृषि और खाद्य प्रसंस्करण में जोरदार पेशकश करता है। वैश्विक जुड़ाव और आत्मनिर्भरता के लिए भारत के दृष्टिकोण पर जोर देते हुए, श्री गोयल ने कहा, हम दुनिया के लिए भारत के दरवाजे बंद नहीं कर रहे हैं। वास्तव में, हम उन्हें व्यापक रूप से खोल रहे हैं। श्री गोयल ने कहा कि देश में बढ़ता आयात घरेलू उद्योग और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के लिए अवसरों का भी संकेत देता है। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स और व्हाइट गुड्स (घरेलू उपकरण) की बढ़ती मांग सेमीकंडक्टर कारखानों सहित घरेलू विनिर्माण में निवेश को प्रोत्साहित कर सकती है।

खुदरा महंगाई सितंबर में बढ़कर 5.54 प्रतिशत पर

चीनी 30 फीसदी, चावल आठ प्रतिशत महंगा

नयी दिल्ली। खाने-पीने की चीजों के साथ परिवहन और ईंधन की महंगाई से सितंबर में उपभोक्ता मूल्य आधारित मुद्रास्फीति की दर यानी खुदरा महंगाई 5.54 प्रतिशत पर पहुंच गई। यह अगस्त में 4.83 प्रतिशत और जुलाई में 4.5 प्रतिशत रही थी। इस दौरान खाद्य खुदरा महंगाई अगस्त के 5.97 प्रतिशत से बढ़कर सितंबर में 7.74 प्रतिशत दर्ज की गई। इससे रिजर्व बैंक की पिछले सप्ताह जताई गई आशंका सही साबित हुई है। केंद्रीय बैंक ने मौद्रिक नीति बयान में कहा था कि पश्चिम एशिया युद्ध के प्रभावों का दूसरे चक्र का असर अब दिखने लगा है। उसने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-अगस्त 2026) में खुदरा महंगाई 4.9 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में छह प्रतिशत और चौथी तिमाही में 5.7 प्रतिशत रहने का अनुमान व्यक्त किया है। पूरे वित्त वर्ष के लिए उसने मुद्रास्फीति 5.2 प्रतिशत रहने की बात कही है। केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय के सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, एक बार फिर शहरों की तुलना में ग्रामीण इलाकों में महंगाई ज्यादा दिखी। शहरी इलाकों में मुद्रास्फीति की दर 4.88 प्रतिशत और ग्रामीण इलाकों में 6.08 प्रतिशत रही। ग्रामीण इलाकों में खुदरा खाद्य महंगाई 8.06 प्रतिशत और शहरी इलाकों में

7.18 प्रतिशत रही। सालाना आधार पर सितंबर में प्याज की औसत कीमत एक साल पहले के मुकाबले 108 प्रतिशत, चांदी के गहनों की 88 प्रतिशत, अदरक की 63 प्रतिशत, लहसून की 55 प्रतिशत और नींबू की 36 प्रतिशत बढ़ी। वहीं, आलू 12 प्रतिशत, टमाटर नौ प्रतिशत, मोटर वाहन पांच प्रतिशत और भिंडी तथा नारियल चार-चार प्रतिशत सस्ता हुआ है। चीनी की कीमत 29.80 फीसदी बढ़ी। फलों एवं सब्जियों के दाम में 10.75 प्रतिशत की वृद्धि हुई। चावल की कीमत 8.25 प्रतिशत, मांस की 8.71 प्रतिशत और अंडों की 8.66 प्रतिशत बढ़ी। दूध के दाम 4.21 फीसदी, पनीर के 4.66 प्रतिशत और तेल एवं अन्य वसा युक्त उत्पादों के 8.35 प्रतिशत बढ़े। उद्योग संगठन पीएचडीसीसीआई के अध्यक्ष अनिल गुप्ता ने कहा कि खुदरा महंगाई के ताजा आंकड़ों से पता चलाता है कि उपभोक्ता मूल्य बढ़ रहा है, विशेषकर खाने-पीने की चीजों की। इससे आम लोगों की क्रय शक्ति और उपभोग व्यय प्रभावित होगा।

खाने-पीने की चीजों के अलावा रेस्त्रां एवं आवासीय सेवाएं एक साल पहले के मुकाबले 9.36 प्रतिशत और परिवहन सेवाएं 5.01 प्रतिशत महंगी हुई हैं। परिवहन सेवाओं में माल ढुलाई 15 प्रतिशत महंगी हुई और मुद्रास्फीति बढ़ाने में इसका बड़ा योगदान रहा।

कान्हा एशिया का सबसे बड़ा नेशनल पार्क, वन्य प्राणियों के नैसर्गिक जीवन निहारने एक बार कान्हा जरूर आएं : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि कान्हा नेशनल पार्क हमारे देश का नहीं, पूरे एशिया महाद्वीप का सबसे बड़ा नेशनल पार्क है। सघन वनों से आच्छादित कान्हा नेशनल पार्क मुख्यत बाघ, चीता, लकड़बग्घा, हाथी एवं अन्य कई वन्य जीवों से समृद्ध है। उन्होंने सभी वन्य जीव प्रेमियों, पर्यटकों और नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वन्य प्राणियों के साहचर्यपूर्ण नैसर्गिक जीवन को निहारने के लिए कम से कम एक बार कान्हा नेशनल पार्क जरूर आएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की धरती पर हमारे समृद्ध वनों में सभी प्रकार के जीव जंतुओं के लिए अपने प्राकृतिक आवास में स्वच्छन्द विचरण करने की स्वतंत्रता है। प्रदेश में बारहसिंगा को भी पुनर्जीवन मिला है। यह वन्य जीव धरती पर धीरे-धीरे विलुप्त होता जा रहा था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में श्योपुर जिले के कूनो नेशनल पार्क में हमारा चीता पुनर्बसाहट प्रोजेक्ट बड़ी सफलता के साथ आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को मंडला जिले के कान्हा किसली में स्थानीय मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्व सरमा और उनकी सरकार के सहयोग से मध्यप्रदेश में जंगली भैंसों (वाइल्ड बफेलो) के पुनर्वास की प्रक्रिया प्रारंभ की है।

सरकार प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए निरंतर प्रयासरत

रविवार को ही यहां 6 मादा और 8 नर जंगली भैंसों को उनके प्राकृतिक आवास में विमुक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के वनों में टाइगर, चीता, लेपर्ड, मगर, घड़ियाल और गिद्धों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। हमारे वन्य जीव मध्यप्रदेश का गौरव पर्यटन क्षेत्र में बढ़ा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार वन, वन्य जीव और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए निरंतर प्रयासरत है। इन प्रयासों से प्रदेश की जैव विविधता को सुरक्षित रखने के साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक विरासत को संरक्षित करने में मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि बाघ, तेंदुआ, घड़ियाल और मगरमच्छ जैसे वन्य जीवों के संरक्षण के क्षेत्र में हो रहे प्रयास हमारी प्राकृतिक धरोहर को और समृद्ध बना रहे हैं। यह हम सभी के लिए गर्व का विषय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश की इस समृद्ध वन्यजीव विरासत के संरक्षण में योगदान देने वाले सभी लोगों को बधाई दी।

डिजिटल अरेस्ट के नाम पर 55 लाख रुपये की साइबर ठगी का खुलासा

रतलाम पुलिस ने तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार, लगभग 20 लाख रुपये की राशि होल्ड

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश में साइबर अपराधों के विरुद्ध पुलिस द्वारा लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में रतलाम पुलिस ने डिजिटल अरेस्ट के नाम पर 55 लाख रुपये की साइबर ठगी के प्रकरण का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से ठगी की राशि में से लगभग 20 लाख रुपये होल्ड कराने में सफलता मिली है। गिरफ्तार आरोपियों में से दो आरोपियों को हैदराबाद तथा एक आरोपी को धारवाड़, कर्नाटक से गिरफ्तार किया है। प्रकरण में फरियादी, जो कुवैत में मोटर पार्ट्स का व्यवसाय करते हैं और वर्तमान में रतलाम में रह रहे थे, को 15 सितंबर को अज्ञात व्यक्ति द्वारा फोन कर स्वयं को मुंबई पुलिस का अधिकारी बताया गया। इसके बाद अलग-अलग मोबाइल नंबरों से स्वयं को पुलिस अधिकारी बताने वाले व्यक्तियों ने फरियादी को उसके विरुद्ध एफआईआर दर्ज होने की बात कही। व्हाट्सऐप वीडियो कॉल के माध्यम से पुलिस वर्दी पहने व्यक्तियों से बात कराई गई तथा हथियारों से संबंधित तस्वीरें भेजकर पूछताछ की गई। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया के लेटरहेड पर तैयार किए गए फर्जी दस्तावेज भेजकर फरियादी को यह विश्वास दिलाया कि उसके विरुद्ध गंभीर कानूनी कार्रवाई चल रही है।

बैंक खातों से जानकारी की एकत्र-आरोपियों ने फरियादी को बताया कि जांच एवं सत्यापन के लिए निर्धारित बैंक खातों में राशि जमा करनी होगी और सत्यापन के बाद पूरी राशि वापस कर दी जाएगी। कानूनी कार्रवाई का भय दिखाकर फरियादी से कुल 55 लाख रुपये विभिन्न बैंक खातों में आरटीजीएस के माध्यम से जमा करवा लिए गए। शिकायत पर थाना माणकचौक में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए थाना माणकचौक एवं साइबर सेल की संयुक्त टीम गठित कर बैंक खातों, ट्रांजेक्शन एवं तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया गया। पुलिस द्वारा ठगी की राशि का लगातार पता लगाया गया और विभिन्न स्तरों पर उपयोग किए गए बैंक खातों की जानकारी एकत्र की गई। विवेचना के दौरान फरियादी द्वारा जमा कराई गई 35 लाख रुपये की राशि एक बैंक खाते में पहुंचने की जानकारी सामने आई।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत जबेरा में शिविर 16 को

दमोह (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत जनपद पंचायत जबेरा की कुल 37 ग्राम पंचायतों को शामिल किया गया है। अभियान के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में शासकीय योजनाओं एवं जनकल्याणकारी सेवाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाने तथा नागरिकों की समस्याओं के निराकरण पर विशेष जोर दिया जाएगा। अभियान के तहत ग्राम पंचायत घटेरा, मनगुवां मानगढ़, बनवार, हरदुआ मानगढ़, लरगुवां, गोलापट्टी, परस्वाहा, झरौली, पटना मानगढ़, मनगुवां घाट, रौड़, सग्राम, रीछई, इमलिया, माला, बम्होरी, चिलौद, मझगुवां मानगढ़, सिमरी जालमसिंह, डूमर, हरदुआ सुमेर, महुआखेड़ा, चौपरा, पट्टी महाराज सिंह, मौसीपुरा, कुलुवा, हिनौती, ठेंगापट्टी, साखा, घांघरी, नोहटा, बीजाडोगरी, गुड़ा, मुड़ारी, खमरिया मौजीलाल, बिजोरा, कटंगी एवं परासई को शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान का उद्देश्य प्रशासन और आम नागरिकों के बीच संवाद को मजबूत करना, शासकीय सेवाओं को अधिक सुलभ बनाना तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने के साथ जनसमस्याओं का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करना है।

जिला खनिज प्रतिष्ठान मद की बैठक कल

दमोह। जिला खनिज प्रतिष्ठान मद मंडल बोर्ड की बैठक का आयोजन 14 अक्टूबरए बुधवार को प्रात: 11 बजे से कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में की गई है। इस आशय की जानकारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दमोह ने दी।

उत्कृष्ट विद्यालय जबेरा में कन्या पूजन

शिक्षक सम्मान एवं प्रतिभावान विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरण

जबेरा (स्वतंत्र मत)।

शासकीय उत्कृष्ट उमा विद्यालय जबेरा में संस्कृति एवं पर्यटन राज्य मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी के निर्देशानुसार उनके प्रतिनिधि सत्येंद्र सिंह लोधी के मुख्य आतिथ्य में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन-अर्चन के साथ हुआ। इसके पश्चात अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस एवं नवरात्रि के पावन अवसर पर नौ कन्याओं का विधिवत पूजन कर उनका सम्मान किया गया। कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त शिक्षक सुखनंदन साहू का सम्मान किया गया। इसके साथ ही विद्यालय में विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तथा परीक्षा में अच्छे परिणाम प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार वितरित कर प्रोत्साहित किया गया। वहीं विद्यालय से सेवानिवृत्त हुए शिक्षकों का भी सम्मान किया गया।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ब्लॉक समन्वयक कविता अहिरवार की उपस्थिति में खेल गतिविधियों का आयोजन भी किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि सत्येंद्र सिंह लोधी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया तथा दोनों टीमों के बीच टॉस कराकर खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। उन्होंने विद्यार्थियों को खेलों में बढ़.चढ़कर भाग लेने और शिक्षा के साथ खेल गतिविधियों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

मंच संचालन नंदकिशोर बाजपेई एवं पवन राय ने किया। इस अवसर पर बीईओ विनोद बाजपई, तेंदूखेड़ा बीईओ जुगल शर्मा विद्यालय के प्राचार्य मोहन सेन, संजय बाजपेई, कमल सिंह ठाकुर, मोंटू बाजपई, मंडल अध्यक्ष बंटी दुबे, रानू नामदेव, नीरज जायसवाल, दशरथ साहू, शिक्षक जमना राय, शिक्षिका मंजू जैन सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

संगठन के कार्यकर्ताओं ने 32 गोवंश को तस्करी से बचाया

दमोह (स्वतंत्र मत)। दमोह जिले की जबेरा तहसील में भगवती मानव कल्याण संगठन के समस्त कार्यकर्ताओं ने तत्परता दिखाते हुए गौ तस्करी की आशंका के बीच रस्सियों से बंधे 32 गोवंश को मुक्त कराया। पुलिस को सूचना देकर सभी गोवंश को सुरक्षित रूप से शंकरगढ़ गौशाला पहुंचाया गया। वहीं मौके से 6 व्यक्तियों को पुलिस चौकी बनवार भेजा गया। इस मामले में ग्राम पंचायत मंनगुवा घाट के सरपंच द्वारा ग्राम पंचायत के लेटर पैड पर 20 गोवंश के विक्रय संबंधी रसीद/बेचनामा लिखे जाने की बात सामने आई है। सबसे बड़ा सवाल- क्या ग्राम पंचायत के सरपंच को इस प्रकार गोवंश की बिक्री का अधिकार है? यदि ऐसा बेचनामा नियमों के विरुद्ध जारी किया गया है, तो इसकी निष्पक्ष जाँच होनी चाहिए। संबंधित सरपंच के अधिकारों की जांच कर नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि गोवंश के संरक्षण के नाम पर किसी भी प्रकार की अनियमितता को बढ़ावा न मिले। भगवती मानव कल्याण संगठन, तहसील जबेरा के सभी कार्यकर्ताओं के गौसेवा एवं गोवंश संरक्षण के प्रयास सराहनीय हैं। गोवंश की रक्षा हमारा संकल्प।

सड़क पर विचरण कर रहे निराश्रित गौवंश प्रतिदिन गौशाला में शिफ्ट किया जाए : कलेक्टर

समय-सीमा बैठक में संपन्न, दिए गये अहम दिशा निर्देश

दमोह (स्वतंत्र मत)।

सड़क से गौशाला की ओर अभियान के तहत सड़क पर विचरण कर रहे निराश्रित गौवंश प्रतिदिन गौशाला में शिफ्ट किया जाये। जिले की प्रत्येक ग्राम पंचायत ऐसे निराश्रित गौवंश को गौशाला में भेजे। सीईओ जिला पंचायत इसकी मॉनीटरिंग करेंगे। नगर पालिका अधिकारी दमोह शहर के ऐसे गौवंश नजदीकी गौशालाओ में भेजना सुनिश्चित करें। इस आशय के निर्देश कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने समय सीमा बैठक के दौरान दिए। बैठक में सीईओ जिला पंचातय प्रवीण फुलपगारे खासतौर पर मौजूद रहे। कलेक्टर ने कहा मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान के तहत अधिकारी भ्रमण पर ग्रामों में जाने पर ग्राम में स्थित सभी संस्थान/कार्यालय/गौशाला आदि का निरीक्षण आवश्यक रूप से करे और निर्धारित फार्मेट पर एंट्री की जायें। आगामी जनसेवा शिविर नोहटा में आगामी शुक्रवार को आयोजित किया गया है। उन्होने स्वामित्व योजना के तहत की जा रही कार्यवाही में सभी संबंधित विभागो को कोआर्डिनेट करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कोर्ट के निर्णय में जो समय-सीमा दी जाती है, उनके समक्ष समय पर प्रस्तुत की जाये ताकि समय पर पूरी कार्यवाही सुनिश्चित हो, इसमें लापरवाही बर्दाश्त नही की जावेगी। बैठक में एनएचआई को अधिकारियों से काउ कोचर वाहन को निर्धारित मापदण्डो के अनुरूप सुनिश्चित करेने के निर्देश दिए गये।कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणो की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से कहा तत्परता से निराकरण किया जाये। उन्होंने कहा शिकायते नान.अटेण्ड न रहे। श्री यादव ने कहा समय पर निराकरण होने से पात्र व्यक्ति को समय पर लाभ मिल जायेगा। कलेक्टर ने जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास से कहा विभागीय योजनाओ कार्यक्रमों की सप्ताहिक जिला स्तर पर और मासिक विकासखंड स्तरों पर अधिकारियों-कर्मचारियो की बैठक लेकर प्रगति लाना सुनिश्चित किया जाये। बैठक में मतदाताओ के नाम जोड़ने संबंधी अभियान की चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गये। बैठक में अंतरविभागीय विषयो पर चर्चा कर संबंधित विभागो को निर्देशानुसार त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए गये।

महिला मोर्चा ने किया पुतला दहन

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कांग्रेस सांसद अंगोमचा बिमोल अकोइजाम के विरोध में सोमवार को भाजपा महिला मोर्चा सड़क पर उतर आई। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा के निर्देशन में महिला मोर्चा और भाजपा कार्यकर्ताओं ने नेहरू स्मारक में सांसद का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान महिला मोर्चा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस सांसद के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाए और पुतला दहन कर विरोध दर्ज किया। इस दौरान महिला मोर्चा से प्रदेश मंत्री महिला मोर्चा शशि पटेल, जिलाध्यक्ष महिला मोर्चा भावना साहू, बबीता अधिकारी, तरला कुशवाहा, सुनीता सैयाम, उमा यादव, पूजा तिवारी, ललिता लाहोरी, शीतल वैष्णव, दीप्ती नरोलिया, मनीषा तिवारी, अनीता चौधरी, विनीता दुबे उपस्थित थे।

नाम सुधार सूचना

मैं विपिन कुमार यादव, पिता श्री विजय यादव, आयु 57 वर्ष, निवासी प्लाट नं. 29 विनय डेरी कॉपाउंड लक्ष्मीपुरम म 4 मार्ग विस्तार, विजयश्री टावर के सामने, विजयनगर जबलपुर, जिला जबलपुर म.प्र. आधार नं. 2347 9993 5063 शपथपूर्वक कथन करता हूँ कि:-

1. यह कि मैं उपरोक्त पते की स्थायी निवासी हूँ। 2. यह कि, मुझ शपथकर्ता मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम विपिन कुमार यादव है। 3. यह कि, मुझ शपथकर्ता का आधार कार्ड में जो नाम दर्ज है वह सही एवं सत्य है, तथा सभी उक्त दस्तावेजों में मेरा नाम विपिन कुमार यादव दर्ज किया जाये। 4. यह कि, मेरे सभी दस्तावेजों में मेरा नाम विपिन यादव है एवं मेरे आधार कार्ड में विपिन कुमार यादव दर्ज किया जायें जो कि सत्य एवं सही है। यह कि, उक्त आशय के संबंध में यह शपथ पत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ता
विपिन कुमार यादव

नाम सुधार सूचना

मैं फ़ायजा अंजुम (Faiza Anjum) पिता मोहम्मद हारुन (Mohammed Haroon) निवासी 308 चांदनी चौक, अब्दुल कलाम आजाद वार्ड, गोहलपुर जबलपुर म.प्र. आधार नं. 2213 6483 0064 में शपथपूर्वक कथन करती हूँ कि:- 1. यह कि मैं उपरोक्त पते की स्थायी निवासी हूँ। 2. यह कि मेरा वास्तविक नाम फ़ायजा अंजुम (Faiza Anjum) है जो कि मेरे आधार कार्ड पेन कार्ड एवं अन्य समस्त दस्तावेजों में दर्ज है कि मेरे पासपोर्ट में मेरा (Faiyza Anjum) दर्ज है 3. यह कि यह दोनों नाम फ़ायजा अंजुम Faiza Anjum एवं Faiyza Anjum मेरे ही नाम है अर्थात एक ही महिला के नाम है मुझे इन्ही नामों से जाना व पहचाना जाता है यह दोनो नाम मेरे ही नाम है।

अतः मेरा नाम फ़ायजा अंजुम Faiza Anjum ही पढ़ा एवं दर्ज किया जावे इस बावत् शपथ पत्र प्रस्तुत कर रहा हूं।

शपथकर्ता
फ़ायजा अंजुम
Faiza Anjum

आम सूचना

यह सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि 2 आरा मशीन का लाइसेंस क्रमांक /JBP/SM/2024/58 दिनांक 04/11/2024 सरल क्रमांक 104 क्षमता 25 H.P जिसमें दो बैंड सा मशीन है। वर्तमान में मनसुख भाई पटेल एम पी टिम्बर्स निवासी 563, नरसिंह वार्ड कनक होटल के पीछे, मदन महल जबलपुर (मप्र) के नाम पर पंजीकृत है, उक्त आरा मशीन का लाइसेंस का नाम परिवर्तन स्वामित्व हस्तांतरण कर मोहम्मद तौफीक, रज़ा ट्रेडिंग कंपनी निवासी-2171, मशीन वाले बाबा की गली, जय प्रकाश नारायण वार्ड, जबलपुर मध्य प्रदेश - 482001 के नाम पर दर्ज कराया जाना प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संबंध में कोई आपत्ति हो तो वह इस सूचना के प्रकाशन दिनांक से 07 दिवस के भीतर अपने प्रमाण सहित लिखित आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा निर्धारित अवधि पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति मान्य नहीं होगी, एवं नाम परिवर्तन हस्तांतरण की कार्यवाही पूर्ण कर दी जाएगी।

आवेदक
मोहम्मद तौफीक
2171, जय प्रकाश नारायण वार्ड
मो. नं. 8770055421

कार्यालय संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक -12
घंटाघर नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./सं.अधि./ सं. क्रं.12/26-27/ एम-36 दिनांक 12.10.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री लियाकत खान, सराफत खान पिता स्व. बरकत खान ने मकान नं. 350 वार्ड पं. मदन मोहन मालवीय कुल क्षेत्रफल 270 व.फु. खुली भूमि निर्मित क्षेत्रफल विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 12 घंटाघर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-12 घंटाघर
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक -12
घंटाघर नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./सं.अधि./ सं. क्रं.12/26-27/ एम-37 दिनांक 12.10.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री लियाकत खान, सराफत खान पिता स्व. बरकत खान ने मकान नं. 350/1 वार्ड पं. मदन मोहन मालवीय कुल क्षेत्रफल 270 व.फु. खुली भूमि निर्मित क्षेत्रफल शपथ पत्र, विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 12 घंटाघर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-12 घंटाघर
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक -12
घंटाघर नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./सं.अधि./ सं. क्रं.12/26-27/ एम-38 दिनांक 12.10.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री लियाकत खान, सराफत खान पिता स्व. बरकत खान ने मकान नं. 350/2 वार्ड पं. मदन मोहन मालवीय कुल क्षेत्रफल 270 व.फु. खुली भूमि निर्मित क्षेत्रफल विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 12 घंटाघर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-12 घंटाघर
नगर निगम, जबलपुर

इंस्पायर अवार्ड मानक की राष्ट्रीय प्रदर्शनी में दो विद्यार्थियों ने प्रदर्शित किए मॉडल

भारत मंडपम नई दिल्ली में 12 से 14 अक्टूबर तक आयोजित हो रही प्रदर्शनी में देशभर के 1000 से अधिक विद्यार्थी ले रहे भाग

दमोह (स्वतंत्र मत)।

भारत मंडपम, नई दिल्ली में 12 से 14 अक्टूबर तक आयोजित इंस्पायर अवार्ड मानक की राष्ट्रीय प्रदर्शनी में दमोह जिले के दो विद्यार्थियों ने अपने नवाचार आधारित मॉडलों का प्रदर्शन कर जिले का गौरव बढ़ाया है। जिला एवं राज्य स्तर पर चयनित होने के बाद दोनों विद्यार्थियों को राष्ट्रीय प्रदर्शनी में सहभागिता का अवसर मिला है प्रदर्शनी में शासकीय सरदार पटेल विद्यालयए दमोह की छात्रा भुवनेश्वरी चक्रवर्ती ने पेयजल को प्रदूषित होने से बचाने के उद्देश्य से तैयार किया गया मॉडल प्रस्तुत किया। वहीं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सौजना के विद्यार्थी राजा प्रजापति ने ट्रेंजर मशीन का मॉडल प्रदर्शित किया। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रतिभागियों के साथ उनके मार्गदर्शक शिक्षक बहादुर सिंह ठाकुर एवं सूर्यकांत कोरी तथा प्राचार्य सुलक्षणा हजारी भी सहभागिता कर रहे हैं। विद्यार्थियों ने अपने मॉडलों के माध्यम से समस्या के समाधान और नवाचार की दिशा में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। जबलपुर जोन के दल प्रभारी मोहन राय ने बताया कि राष्ट्रीय प्रदर्शनी में देशभर के विभिन्न प्रांतों से आए 1000 से अधिक विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। दमोह के दोनों विद्यार्थियों का राष्ट्रीय स्तर पर चयन जिले के लिए गौरव का विषय है।

मेरा परिवार थीम पर बाल चौपाल का आयोजन

हटा (स्वतंत्र मत)। संजय वार्ड स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में सामूहिक रूप से बाल चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मेरा परिवार थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम में संजय वार्ड, रामगोपाल जी वार्ड, जवाहर वार्ड एवं हजारी वार्ड की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, हितग्राहियों और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने कविता पाठ, कहानी सुनाने और विभिन्न मनोरंजक खेलों में हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर अभिभावकों से बच्चों की गतिविधियों, व्यवहार, विकास और पारिवारिक वातावरण के संबंध में चर्चा की गई। वहीं अभिभावकों को बच्चों के सर्वांगीण विकास में परिवार की भूमिका के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता रेखा पटेल, साधना गर्ग, मीना बिदुआ, स्वाति, मालती सिंह, ज्योति कोरी, संतोषी तामकार, रजनी, रानी एवं सरस्वती सहित हितग्राही आशा, कल्पना, रजनी, पूजा और कृष्णा उपस्थित रहीं।

देवरी-गोसलपुर स्टेशन के बीच चलेगा ओवर हॉलिंग का कार्य

10 दिनों के लिए बंद रहेगा समपार फाटक क्रमांक 326

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। देवरी-गोसलपुर रेलवे स्टेशनों के बीच स्थित समपार फाटक क्रमांक 326 पर रेलपथ के अनुरक्षण एवं संरक्षा संबंधी कार्य के अंतर्गत ओवर हॉलिंग कार्य के चलते 13 अक्टूबर को प्रात: 08.00 बजे से प्रारंभ होकर गुरुवार, दिनांक 22 अक्टूबर को शाम 05 बजे तक किया जाएगा। इस अवधि में संबंधित समपार से सड़क यातायात का आवागमन बंद रहेगा।

स्थानीय नेताओं से की मुलाकात, भोपाल हुए रवाना

ट्रांजिट विजिट पर डुमना एयरपोर्ट पहुंचे सीएम डॉ. यादव

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव सोमवार को ट्रांसिट विजिट पर डुमना एयरपोर्ट पहुंचे। मुख्यमंत्री डॉ यादव डुमना आगमन पर मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, सांसद आशीष दुबे, विधायक अजय विश्नोई ने किया। मुख्यमंत्री डॉ यादव डुमना विमानतल पर कुछ देर रुकने के बाद 12.37 बजे मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल के साथ वायुयान से भोपाल रवाना हुए।

विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर किया श्री गणेश

भेड़ाघाट में नौका विहार का हुआ शुभारंभ

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शहपुरा के भेड़ाघाट नगर पंचायत परिषद के पंचवटी घाट में नोका विहार का सोमवार को शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष चतुर सिंह लोधी, उपाध्यक्ष जगदीश प्रसाद दाहिया, नेक राम पटेल, राजेन्द्र बन्धु, आशीष जैन परिषद के सदस्यों ने उपस्थित होकर विधिवत पूजा अर्चना कर विधिवत संचालन कराया गया।

चैन और सुकून छीनने वाले डीजे पर पुलिस का कड़ा एक्शन, कई सांउड सिस्टम किए जब्त

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

नवरात्रि पर्व के दौरान शहर में तेज आवाज में डीजे बजाकर ध्वनि प्रदूषण फैलाने वालों के खिलाफ पुलिस ने कार्यवाही करते हुए 3 वाहनों समेत डीजे साउंड सिस्टम जब्त किए हैं। जानकारी के मुताबिक गोकलपुर, पुलिस लाइंस गेट और अहिंसा चौक पर हुई कार्यवाही में 3 संचालक बिना वैधानिक अनुमति के ध्वनि विस्तारक यंत्र बजाते मिले। प्रतिबंध के बावजूद देर रात तक तेज आवाज में किए जा रहे शोर के कारण आम लोगों को परेशानी हो रही थी। बताया गया कि रांझी पुलिस ने गोकलपुर मेन रोड पर दबिश देकर ट्रक से 3 छोटे और 12 बड़े डीजे बाक्स, मिक्सर मशीन, दो एम्पलीफायर और जनरेटर जब्त किया। इसी प्रकार संचालक खमरिया के घाना निवासी शैलेंद्र कुमार श्रीवात्री, तेज आवाज में डीजे बजाने की अनुमति नहीं दिखा सका। रांझी थाना प्रभारी उमेश गोल्हानी ने बताया कि डीजे संचालक के खिलाफ मप्र कोलाहल अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई।

नवरात्रि पर्व पर पुलिस की ताबड़तोड़ कार्यवाही

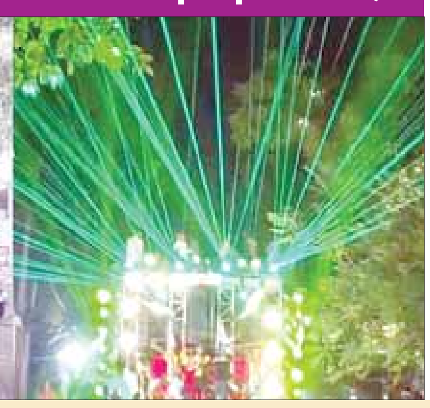

सिविल लाइन पुलिस ने भी कार्यवाही

इसी प्रकार सिविल लाइंस पुलिस ने पुलिस लाइंस गेट के सामने तेज आवाज में साउंड सिस्टम बजाते हुए पिकअप वाहन पकड़ी। वाहन से 8 बड़े साउंड बाक्स, मिक्सर मशीन और एम्पलीफायर जब्त किए गए। संचालक न्यूम कंचनपुर निवासी अविनाश पासवान के पास आवश्यक अनुमति नहीं थी। इसके अलावा सोमवार को अहिंसा चौक पर कार्यवाही में गोहलपुर के कृष्णा कालोनी निवासी सौरभ विश्वकर्मा के वाहन से 2 बड़े और 6 छोटे डीजे बॉक्स, छह लाइट, डीजल इंजन, एम्पलीफायर और स्टेबलाइजर जब्त किए गए हैं।

साउंड लाइट एसोसिएशन ने किया कार्यवाही का विरोध

सोमवार को जबलपुर साउंड लाइट एसोसिएशन के बैनर तले बड़ी संख्या में संचालकों ने जिला कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिला दंडाधिकारी (कलेक्टर) को ज्ञापन सौंपा और अपनी समस्याएं रखीं। संस्था के प्रतिनिधि राजेन्द्र कुशवाहा ने बताया कि वे वर्षों से पूरी ईमानदारी और नियमानुसार अपना साउंड व्यवसाय संचालित करते आ रहे हैं। लेकिन हाल ही में पुलिस व प्रशासन द्वारा गाड़ियों की जब्ती और अनावश्यक दबाव बनाया जा रहा है, जिससे उनके सामने भुखमरी और बैंक कर्ज चुकाने का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। यदि प्रशासन को इस व्यवसाय से समस्या है तो वह सभी साउंड सिस्टम अपने संरक्षण में ले ले और संचालकों को अन्य उचित रोजगार प्रदान करे।

'गांधी से गोविंद दास तक' पखवाड़े के अंतर्गत होंगी साहित्यिक एवं रचनात्मक प्रतियोगिताएं

आगामी 16 अक्टूबर को सेठ गोविंद दास जयंती पर होगा पखवाड़े का समापन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

राष्ट्र, साहित्य, संस्कृति एवं सेवा की गौरवशाली परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित 'गांधी से गोविंद दास तक' पखवाड़े के अंतर्गत हितकारिणी महिला महाविद्यालय एवं हितकारिणी कला, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, देवताल में विद्यार्थियों के लिए विभिन्न साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इन आयोजनों के माध्यम से विद्यार्थियों को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, साहित्यकार एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सेठ गोविंद दास के विचारों, राष्ट्रनिर्माण में उनके योगदान तथा भारतीय साहित्य और संस्कृति की समृद्ध परंपरा से परिचित कराया जा रहा है।

विभिन्न प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन

कार्यक्रम के अंतर्गत 12 अक्टूबर को विद्यार्थी साहित्य प्रतियोगिता दिवस के अवसर पर निबंध लेखन, भाषण, कविता लेखन, कविता पाठ, शुद्ध लेखन, चित्रकला एवं पोस्टर निर्माण तथा प्रश्नोत्तरी जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई । इन प्रतियोगिताओं की विषयवस्तु 'गांधी, गोविंद दास और राष्ट्र निर्माण' रखी गई । प्रतियोगिताओं का उद्देश्य विद्यार्थियों में मौलिक चिंतन, साहित्यिक अभिरुचि, भाषाई शुद्धता, अभिव्यक्ति कौशल तथा राष्ट्रीय चेतना का विकास करना है।

जयंती पर होगा पखवाड़े का समापन

पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित समस्त कार्यक्रमों का संचालन पं. नित्य निरंजन खंपरिया के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में किया जा रहा है। उनके मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों, राष्ट्रसेवा, साहित्यिक चेतना तथा महापुरुषों के जीवन और विचारों से जोड़ने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। आयोजकों ने बताया कि पखवाड़े का समापन 16 अक्टूबर को सेठ गोविंद दास की जयंती के अवसर पर होगा। समापन समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इस आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों में साहित्य, संस्कृति और राष्ट्रनिर्माण के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने के साथ-साथ जबलपुर की ऐतिहासिक एवं साहित्यिक विरासत के प्रति गौरवबोध जागृत करने का प्रयास किया जा रहा है।

हितकारिणी डेंटल ने लगाया नि:शुल्क दंत परीक्षण शिविर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। हितकारिणी डेंटल कॉलेज एवं अस्पताल के पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री विभाग द्वारा अपना सहारा सीनियर सिटिजन होम में नि:शुल्क दंत परीक्षण एवं मौखिक स्वास्थ्य जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में 30 से अधिक वरिष्ठ नागरिकों एवं वहाँ के स्कूली विद्यार्थियों का दंत परीक्षण किया गया। इस दौरान सभी को दांतों एवं मसूड़ों की देखभाल, मौखिक स्वच्छता बनाए रखने तथा दंत रोगों से बचाव के संबंध में आवश्यक परामर्श प्रदान किया गया। यह शिविर कॉलेज के डायरेक्टर डॉ. राजेश धीरवानी एवं डीन डॉ. रोहित मिश्रा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस पहल का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों एवं विद्यार्थियों में मौखिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा उन्हें बेहतर दंत स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने में योगदान देना था।

खाई में गिरी पूजा-अर्चना के लिए गई नई नवेली कार

त्रिपुर सुंदरी मंदिर के पास हुआ हादसा, 2 घायल

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

नवरात्र के अवसर पर तेवर-भेड़ाघाट मार्ग स्थित प्रसिद्ध त्रिपुर सुंदरी मंदिर के पास बड़ा हादसा हो गया। पूजा-अर्चना के लिए पहुंचे एक परिवार की नई कार अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे करीब 70 फीट गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में कार सवार दो लोगों को मामूली चोटें आईं। बताया जा रहा है कि एक परिवार नवरात्र के अवसर पर नई कार की पूजा कराने और त्रिपुर सुंदरी मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचा था। मंदिर परिसर के पास ड्राइवर कार को पार्क कर रहा था। इसी दौरान अचानक वाहन से उसका नियंत्रण हट गया। कार सड़क किनारे से फिसलते हुए खाई की ओर जाने लगी। कार को खाई की तरफ जाता देख एक व्यक्ति ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत वाहन से छलांग लगा दी। वहीं, दो लोग कार के भीतर ही फंस गए। करीब 70 फीट नीचे जाने के बाद कार एक पेड़ से टकराकर रुक गई। पेड़ के सहारे कार रुकने से वह खाई में और नीचे जाने से बच गई। हादसे के बाद मौके पर मौजूद श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों ने तत्काल बचाव कार्य शुरू किया। कुछ लोग खाई में उतरे और कार में फंसे दोनों यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला। दोनों को मामूली चोटें आईं।

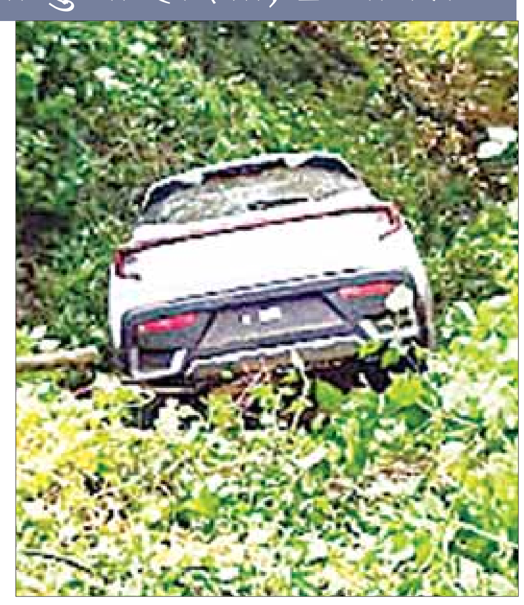

नहाते समय नहर के तेज बहाव में डूबा मासूम

खमरिया थाने का मामला, तलाश में जुटी टीमें

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। खमरिया थाना अंतर्गत आने वाली उमरिया नहर में दोस्तों के साथ नहर में नहाने गया 10 वर्षीय बालक पानी के तेज बहाव की चपेट में आकर बह गया। घटना के बाद से ही बालक का कोई सुराग नहीं मिल सका है। परिजनों की सूचना पर खमरिया पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर बच्चे की तलाश शुरू कर दी है। बालक की खोजबीन के लिए एसडीआरएफ और स्थानीय गोताखोरों की मदद ली जा रही है, हालांकि तेज बहाव के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन में कठिनाई आ रही है। जानकारी के अनुसार, बबलू ठाकुर का 10 वर्षीयआशीष ठाकुर अपने कुछ साथियों के साथ उमरिया नहर के पास गया था। दोपहर में नहाने के दौरान अचानक पानी का बहाव तेज हो गया, जिससे आशीष संतुलन खो बैठा और गहरे पानी में चला गया। देखते ही देखते बालक पानी की धार के साथ बह गया। घटना

की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया। बालक के घर न लौटने और हादसे की खबर मिलते ही मां-बाप का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों ने तुरंत खमरिया थाने पहुंचकर पुलिस को पूरी आपबीती सुनाई, जिसके बाद पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर तलाश शुरू की।

निजी एवं शासकीय एम्बुलेंस की दरों की जांच करें : कलेक्टर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

कलेक्टर राघवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित समय सीमा बैठक में धान पंजीयन के सत्यापन, राजस्व प्रकरणों, सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों, प्रसूति सहायता, एम्बुलेंस सेवाओं तथा निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक गहलोतए अपर कलेक्टर रविशंकर राय एवं अखिलेश सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्री सिंह ने जिले में पंजीकृत किसानों का निर्धारित मापदंडों के अनुसार सत्यापन करने के निर्देश दिए। इस वर्ष पिछले वर्षों की तुलना में करीब सात हजार अधिक पंजीयन हुए हैं। सिकमी

पंजीयन, पहली बार पंजीयन कराने वाले किसानों, पांच हेक्टेयर से अधिक भूमि वाले किसानों, नए खसरों और संयुक्त खातों से संबंधित प्रकरणों की विशेष जांच करने को कहा। कलेक्टर ने नामांतरण सहित सभी राजस्व प्रकरण राजस्व न्यायालय प्रबंधन प्रणाली में दर्ज करने तथा तहसीलदारों को लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए। निजी एवं शासकीय एम्बुलेंस की दरों, ऑक्सीजन सिलेंडर, चिकित्सा उपकरण, चिकित्सक एवं तकनीकी स्टाफ की उपलब्धता और निर्धारित मानकों की जांच करने को कहा।

जनगणना 2027 के द्वितीय चरण के लिए प्रशिक्षण का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शहरी क्षेत्र के मुख्य जनगणना अधिकारी एवं निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देशानुसार जनगणना 2027 के द्वितीय चरण में जनसंख्या गणना संबंधी कार्य को निर्धारित समय-सीमा में सुव्यवस्थित एवं सुचारू रूप से संपादित करने के उद्देश्य से नगर निगम के समस्त जोन एवं जबलपुर जिले के समस्त नगरीय चार्ज स्तर के अधिकारियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के माध्यम से जनगणना कार्य से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्धारित प्रक्रिया, दायित्वों तथा तकनीकी व्यवस्थाओं की जानकारी प्रदान की गई, ताकि आगामी जनगणना कार्य का प्रभावी पर्यवेक्षण एवं मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जा सके। इस दौरान जनगणना कार्य में संलग्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भूमिका एवं उत्तरदायित्व स्पष्ट किए गए, जिससे जिला स्तर से लेकर चार्ज एवं मैदानी स्तर तक कार्यों में बेहतर समन्वय स्थापित किया जा सके। साथ ही गणना कार्य से संबंधित व्यवस्थाओं, सामग्री के प्रबंधन, मैदानी स्तर पर कार्य की निगरानी तथा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्यवाही सुनिश्चित करने के संबंध में भी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। जनगणना 2027 के द्वितीय चरण में जनसंख्या गणना का कार्य निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार फरवरी 2027 में किया जाना है। इसके दृष्टिगत आयोजित प्रशिक्षण के माध्यम से संबंधित अधिकारियों को जनगणना कार्य की प्रक्रिया एवं प्रशासनिक दायित्वों की जानकारी प्रदान कर आगामी कार्य के लिए तैयार किया जा रहा है।

किसानों को रबी सीजन में मिले पर्याप्त बिजली

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। किसानों को रबी सीजन के लिए बिजली की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करें। साथ ही विभाग के वरिष्ठ अभियंता जन-प्रतिनिधियों से सतत संवाद कर बिजली की उपलब्धता एवं अन्य कठिनाइयों की जानकारी देते रहें। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने यह निर्देश सोमवार को भोपाल में मंत्रालय में विभागीय योजनाओं की समीक्षा के दौरान दिए। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि एमडी पॉवर जनरेशन कम्पनी यह सुनिश्चित करें कि सभी प्लांट पूरी क्षमता के साथ बिजली का उत्पादन करें। कोयले की सतत आपूर्ति सुनिश्चित करें। एमडी मनजीत सिंह ने बताया कि प्रदेश के सभी प्लांटों में कोयले का पर्याप्त भण्डारण है। ऊर्जा मंत्री ने एमडी पावर ट्रांसमिशन कम्पनी सुनील तिवारी को निर्धारित लक्ष्य के अनुसार समय-सीमा में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।

एंबुलेंस चालकों को ऑडिट कराना अनिवार्य, वरना होगी कार्यवाही

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ नवीन कोठारी ने जिले में संचालित निजी एंबुलेंसों की मिल रही लापरवाही की शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए आदेश निकाला है, जिसमें जबलपुर जिले में संचालित सभी निजी एंबुलेंस मालिकों/ संचालकों को आगामी एक सप्ताह के अंदर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय जबलपुर में आकर अपनी संचालित एंबुलेंस का 108 एंबुलेंस के लिए निर्धारित मापदंडो के आधार पर एएलएस और बीएलएस श्रेणियां के अंतर्गत अपनी एंबुलेंस की सुविधाओं का परीक्षण करा कर उन्हें पंजीकृत कराना अनिवार्य है। जिस प्रकार 108 एम्बुलेंसों का उनके निर्धारित श्रेणियां के आधार पर मासिक रूप से ऑडिट होता है वैसे ही निजी एंबुलेंस का ऑडिट कराना अनिवार्य होगा, प्राय: देखा गया है कि निजी एंबुलेंसों में ऑक्सीजन की उपलब्धता नहीं होती है, आवश्यकता अनुसार ऑक्सीजन सिलेंडर भरे हुए नहीं रहते, वेंटिलेटर क्रियाशील नहीं होता तथा वेंटीलेटर को चलाने वाले डॉक्टर और टेक्नीशियन डिग्रीधारी अथवा प्रशिक्षित नहीं होते हैं। उक्त आदेश की अवहेलना करने पर नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

स्वास्थ्य बेहतर बनाने केंद्रीय जेल के बंदियों ने किया योग

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत केंद्रीय जेल में निरुद्ध बंदियों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य में सुधार तथा तनाव निवारण के उद्देश्य से विशेष योग एवं ध्यान सत्र का आयोजन किया गया। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के मार्गदर्शन एवं जिला आयुष अधिकारी डॉण् सुरत्ना सिंह चौहान के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम में आयुष विभाग के चिकित्सकों द्वारा बंदियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम

तथा ध्यान का व्यावहारिक अभ्यास कराया गया। इस दौरान विशेषज्ञों ने नियमित योगाभ्यास से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले अनुकूल प्रभावों की जानकारी देते हुए बंदियों को अनुशासित एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बंदियों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करना, मानसिक तनाव को कम करना तथा उन्हें आत्मअनुशासन एवं मानसिक शांति के प्रति जागरूक करना रहाए जिसमें बंदियों ने पूर्ण उत्साह और एकाग्रता के साथ सहभागिता की। इस अवसर पर जेल अधीक्षकए जेल स्टाफ तथा आयुष विभाग के अधिकारी एवं चिकित्सक विशेष रूप से मौजूद रहे।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**